ಶುಭ್ ಲಾಭ್ खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 11 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-308

आजीवन निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा में रत रहने वाले
प्रसिद्ध उद्योगपति एवं शुभ-लाभ प्रकाशन समूह के अभिभावक

स्व. श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

जन्म : 11-11-1957 निधन : 22-08-2025

को जन्म जयंती पर **भावपूर्ण नमन...**

: श्रध्दाजंलि अर्पितकर्ता:

सुरेश कुमार (भ्राता), रमेश कुमार, नंदलाल (अनुज),
मयूर, पियूष, मृदुल (पुत्र), अनूप, मोहित, लोकेश, प्रतियोध, प्रियांक (भतीजे),
नयन, रचित, आरुष, विहान, निश्चय, हृदय, प्रनव (पौत्र)
एवं समस्त प्राणसुख बसईवाला परिवार

फर्म : BASAI STEEL & POWER Pvt. Ltd.
RN METALS Pvt. Ltd.
DAILY SHUBH LABH (Hindi Daily)

भारत के 51वें एटीडीसी–श्रीरामपुरम का छठा वर्षगांठ समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर-श्रीरामपुरम का छठा वर्षगांठ समारोह अभातेयुप संगठन मंत्री रोहित कोठारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जैन संस्कार विधि की शुरुआत पंच परमेष्ठी नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई। संस्कारक सतीश पोरवाड़, रनीत कोठारी एवं राजेश देरासरिया ने विभिन्न मंगल मंत्रोचार का उच्चारण करते हुए मंगलपाठ से विधि को सम्पन्न किया। कार्यक्रम के दुसरे सत्र में एटीडीसी प्रायोजक परिवार का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष जितेश दक ने सभी का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। मंत्री अनिमेष चौधरी ने कहा अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के

59वें राष्ट्रीय अधिवेशन एकत्व में सत्र 2024 -25 तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया के नेतृत्व में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर को विशाल श्रेणी में पूरे भारत वर्ष में सेवा के क्षेत्र में प्रथम स्थान से पुरस्कृत किया गया एवं 15 और सम्मानों से सम्मानित किया गया। किशोर मंडल के 20वें राष्ट्रीय किशोर मंडल अधिवेशन कर्तव्यम में किशोर मंडल राजाजीनगर को सेवा में द्वितीय पुरस्कार एवं सात अन्य सम्मानों से पुरस्कृत किया गया। अभातेयुप राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए एटीडीसी का विस्तारीकरण, नई एटीडीसी के शुभारंभ की ओर अग्रसर हेतु आवाहन करते हुए शुभकामनाएं सम्प्रेषित की। जैनम लक्ष्मीनारायणपुरम ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश सियाल, आचार्य श्री तुलसी महाप्रज्ञ सेवा केंद्र के अध्यक्ष ललित मांडोत सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप अभूतपूर्व अध्यक्ष सतीश पोरवाड़, महिला मण्डल अध्यक्षा सुनिता कोठारी, एटीडीसी राष्ट्रीय सह-प्रभारी अमित दक ने तेयुप के प्रति एटीडीसी के छठे वर्षगांठ की शुभकामनाएं संप्रेषित करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। एटीडीसी संयोजक राजेश देरासरिया ने एटीडीसी के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। पधारे हुए सभी एटीडीसी प्रायोजक परिवारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप से गौतम खाब्या, तरुण पटावरी, जैनम लक्ष्मीनारायणपुरम ट्रस्ट परिवार, तेरापंथ सभा परिवार, तेरापंथ महिला मंडल अभूतपूर्व अध्यक्षा मंजू गन्ना, मंत्री अरुणा कोठारी, रंजीता बोथरा, तेयुप राजाजीनगर परामर्शक, प्रबंध मंडल, सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही।

धर्म ही जीवन की दिशा है और परमार्थ ही आत्मा की पराकाष्ठा: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपासना ने बसवेश्वरनगर स्थित रेदासनी निवास स्थान पर आयोजित प्रवचन सभा में कहा कि धर्म वह दीप है जो जीवन के अंधकार को मिटाता है और अधर्म वह छाया है जो आत्मा के प्रकाश को ढंक देती है। धर्म से पुण्य की उत्पत्ति होती है और अधर्म से पाप की। मन, वाणी और शरीर इन तीनों के द्वारा ही धर्म और अधर्म का निर्माण होता है। यदि इन पर संयम न रखा जाए, तो अनजाने में ही असंख्य पाप हमारे जीवन में प्रवेश कर जाते हैं। धर्म के विपरीत जो भी कार्य किए जाते हैं, वे अधर्म कहलाते हैं। धर्म से पुण्य और अधर्म से पाप उत्पन्न होते हैं यह समझ जीवन की हर क्रिया में जागरूकता का संदेश देती है। साध्वी श्री ने कहा कि जो स्वयं को ऊंचा उठाते हुए दूसरों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करें वही वास्तव में परमार्थ कहलाता है। स्वार्थ के कार्य पाप का और परमार्थ के कार्य पुण्य का अर्जन करते हैं। पाप कर्मों के कारण मनुष्य के भीतर लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकार उत्पन्न हो जाते हैं। ये विकार आत्मा की निर्मलता को ढंक देते हैं और उसके तेज को क्षीण कर देते हैं। जब तक आत्मोन्नति नहीं होती, तब तक दुःख, शोक, अभाव और ताप मिट नहीं सकते। अंत में उन्होंने कहा कि यदि जीवन में सच्ची शांति और सुख की कामना है, तो उसका एकमात्र उपाय है आत्म-ज्ञान और आत्म-बल का विकास। अतः अपने जीवन को धर्ममय बनाओ, परमार्थ के कार्यों में लगो और पुण्य अर्जित कर अपनी आत्मा को निर्मल एवं प्रकाशमय बनाओ। नेमीचंद दलाल ने संतोष देवी चेतन-रश्मि रेदासनी परिवार की अनुमोदना करते हुए गुरुवर्या के आगामी विहार की सूचना दी।

बन्नेरघट्टा तेरापंथ सभा का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा (एसजेएसटीएस) बन्नेरघट्टा ने देवकी आनंद सुवर्ण कन्वेंशन हॉल में डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमार जी और नचिकेता मुनि आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में अपने नवनियुक्त टीम के लिए शपथ ग्रहण समारोह तथा दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी द्वारा नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई। ज्ञान शाला के बच्चों द्वारा मंगलाचरण किया गया। एसजेएसटीएस- बन्नेरघट्टा के नव-नियुक्त अध्यक्ष राजकुमार कोटेचा ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया। इसके बाद संतोष गोठी (उपाध्यक्ष बन्नेरघट्टा सभा), बहादुर सेठिया (गांधी नगर सभा), पियूष डागा (टीपीएफ बेंगलूरु सेंट्रल), उपासक उर्मिला सुराणा, कन्हैयालाल खटेड़ , कोषाध्यक्ष छत्तर सेठिया और राकेश कोटेचा ने भी अपनी-अपनी शुभकामनाएँ और विचार साझा किए। नचिकेता मुनि आदित्य कुमार जी ने सभा की सराहना करते हुए एक गीत प्रस्तुत किया। डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी ने इस अवसर पर कहा कि संगठन की सफलता इसी में होती है कि हर कार्यकर्ता की अहमियत को समझना। धुन के धनी बने बिना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य नहीं होता। संगठन को मजबूत बनाने के लिए ईर्ष्या वृत्ति से दूर रहना चाहिए। तभी संगठन मजबूत बनता है। हमें तेरापंथ धर्म संघ मिला, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। बन्नेरघट्टा तेरापंथ सभा कार्यकर्ताओं को आध्यात्मिक प्रवृत्ति के लिए प्रेरणा प्रदान की और भवन निर्माण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर सदस्य तन, मन और धन से विसर्जन करके योगदान दें। महिला टीम श्रुतआराधना ने सुंदर गीतिका प्रस्तुत की। इसके बाद अश्विन धारीवाल (बन्नेरघट्टा सभा) और गुलाब बांठिया (आर आर नगर सभा) ने भी गीतिका पेश की। नव-नियुक्त सचिव दिलीप खटेड ने विचार रखते हुए तेरापंथ भवन निर्माण संबंधी आगामी योजना बताई। तेरापंथ सभा गांधीनगर के पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया ने बन्नेरघट्टा सभा अध्यक्ष राजकुमार कोटेचा को शपथ विधि संपन्न करवाई। उसके पश्चात अध्यक्ष ने अपने समस्त पदाधिकारी एवं कार्यसमिति को लगभग 200 प्लस सदस्यों की उपस्थिति में शपथ दिलाई।

साधु-संतों से नहीं, उनके प्रवचनों से प्रेम करें: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ ट्रस्ट दावणगेरे के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में विराजित साध्वी भव्य गुणा श्री ने कहा कि जब हम यहां आए थे तो सभी से अपरिचित थे। कोई हमें नहीं जानता था। चार मास के प्रवास में सभी से संबंध बन गए। आज विदाई के समय ऐसा लग रहा है जैसे कि बेटी को विदाई दे रहे हैं, लेकिन साधु-संतों का संबंध उनसे व्यक्तिगत नहीं होता। उनके संबंध तो प्रवचनों, धर्म से होते हैं। उनके सिद्धांतों पर अमल करना ही उनके साथ रिश्ते निभाना जैसा है। साधु-संत तो व्यक्तियों के आदर्श होते हैं। भगवान महावीर से हम सबके 2551 साल पुराने संबंध हैं, उन रिश्तों को उनके सिद्धांतों के अनुसरण करके बनाए हुए हैं। इसी प्रकार हमने वर्षावास में जिन वाणी के जो बीज यहां बोए हैं, उन्हें पल्लवित करना ही हमारे साथ रिश्ते निभाने जैसा है। हमें आप नही भुल पाओगे। धर्म को नहीं भूलें। धर्म और परमात्मा के साथ श्रद्धा को बहुत मजबूत करना है। अब आप सभी को जिन वाणी की फसल लहलहानी है। जैन धर्म में चातुर्मास यानी बरसात के चार महिने का विशेष महत्व है। इन माह में विशेष धर्म आराधना चलती है। 4 माह तक साधु- साध्वी एक स्थान पर रहकर धर्म आराधना करवाते हैं। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि भगवान महावीर के शासन में यह एक व्यवस्था है कि अपना चातुर्मासिक प्रवास पूर्ण कर साधु साध्वी भगवंतों को एक स्थान से दूसरे स्थान का परिवर्तन करना पड़ता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष दीपचंद कटारिया संघवी ने कहा कि श्रावकों की भावनाएं ऐसे जुड़ जाती हैं कि साधू साध्वियों को अलग करने का मन नहीं करता है परंतु व्यवस्था से चलना भी हमारी परम्परा है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल राजेन्द्र नवयुवक मंडल, राजेन्द्र महिला मंडल, सकल संघ ने उपस्थित रहकर गुरुवर को नम आंखो से भावभीनी विदाई दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कर्नाटका रक्षण वेदिके द्वारा मारुति नगर में 70वां कर्नाटक राज्योत्सव हर्षोल्लास एवं सेवा के साथ मनाया गया। करवे के प्रदेश अध्यक्ष शिवरामे गौड़ा, मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, प्रभाकर एवं करवे के अन्य कार्यकर्ताओं ने मां भुवनेश्वरी देवी की पूजा आरती कर ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम स्थल पर बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरण, महिलाओं में साड़ियां वितरण, अन्नदान, निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों जरूरतमंद लाभान्वित हुए। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

श्री कृष्ण गौशाला में गौमाता की सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महिला मंडल, अलसूर ने पूज्य श्री शशिप्रभा जी के चातुर्मास समाप्ति प्रसंग की स्मृति एवं आगामी बाल दिवस के संदर्भ में हैनूर स्थित श्री कृष्ण गौशाला में गौमाता की सेवा की और उन्हें घास सब्जी आदि खिलाई। गौशाला के व्यवस्थापक संत श्री पुखराज जी के साथ गौशाला का निरीक्षण किया तथा गायों के लिए व्यवस्था को देखा। महिला मंडल ने गायों के लिए पंखे प्रदान किए। महिला मंडल ने होसकोटे स्थित भंडारी गौशाला में भी गौमाता की सेवा की और सेवा के लिए अनुदान भी दिया। व्यवस्थापकों ने महिला मंडल का स्वागत किया और अनुदान के लिए धन्यवाद दिया। होसकोटे स्थानक में विराजित साध्वी श्री संगीता जी के दर्शन, ज्ञान चर्चा और मांगलिक श्रवण का लाभ भी लिया।

युवाचार्य श्री मिश्रीमल जी की पुण्यतिथि मनाई

बुरे लोगों में भी अच्छाई देखने वाला होता है महान: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य श्री मिश्रीमल जी मधुकर' की पुण्यतिथि मनाई गई। गुरुदेव ने फरमाया कि जैन दर्शन और आगामों की अपेक्षा से तीन तत्व बताएं है। किसी अपेक्षा में दो, तो किसी में नौ और किसी में तीन तत्व है। तीन तत्व को दर्शन सम्यक्त्व का पाठ कहते हैं। अरिहंत भगवान भी हमारे पूजनीय और आराध्य हैं। दुनिया के दूसरे देवों से हमारा विरोध नहीं हैं। लेकिन अरिहंत हमारे पूजनीय हैं। जो सही साधु होते हैं वह सभी के गुरु भगवंत होते हैं। जो तप, संयम में लगे हैं। ज्ञान दर्शन से भरे हैं वह साधु ही सभी के गुरु भगवंत होते हैं। सभी गुणों से संपन्न संत

ही गुरु होता हैं। ऐसे साधु संत राग, द्वेष से बहुत दूर होते हैं। लोगों को सही मार्ग दिखाने का काम करते हैं। सूत्र हमारा सत्य विधान और धर्म दया विधान है। ऐसे ही गुरु को आज हम याद कर रहे है। युवाचार्य श्री मिश्रीमल जी का जीवन बहुत ही सामान्य था। उनमें हर प्रकार का गुण था। संसार से जो विरला है वहीं संत होता है। सबके प्रति जिसके मन में समभाव है वही महापुरुष होता है। कमियों को नहीं गुणों को ग्रहण करने वाला ही महान होता है। निंदा करने और कमियां ढूंढने वाले को भी अच्छा समझने वाला ही महान होता है। ऐसे ही महान पुरुष मिश्रीमल जी का जीवन था। जैसा नाम वैसा ही उनका व्यवहार था। मिश्री जैसा मीठा बोलते थे। मरुधरा के एक गांव में उनका जन्म हुआ था। वह गांव बहुत ही सम्पन्न था। मधुकर जी का जीवन बहुत सरल था। उनके चेहरे पर तेज था। उन्होंने तप त्याग से अपने जीवन को सफल किया। साथ ही हजारों लोगों को भी कल्याण का मार्ग दिखाया। संस्कारों से प्रेरित होकर उनको दीक्षा का भाव आया था। दीक्षा लेकर उन्होंने अपने जीवन के साथ औरों के जीवन को भी सुधारा। ऐसे महापुरुषों के बारे में सुनकर उसको जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। इस मौके पर अध्यक्ष डॉ. भिकमचंद सकलेचा, उपाध्यक्ष नंदकिशोर समदरिया, मंत्री अशोक बांठिया, कोषाध्यक्ष धनराज सोनी, सहमंत्री जयचंद जैन लूणावत, मनोहरलाल बांठिया, राजमल सोनी, भंवरलाल सोनी, अशोक खीं-वेरसरा, राजेश बांठिया, लीला बाई सकलेचा और आशा बाई बांठिया की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुखराज बोथरा ने की। गौतम चंद ओस्तवाल, शांतिलाल बोहरा, अशोक कुमार चोपड़ा की विशेष उपस्थिति रही। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हिराबाग के अध्यक्ष डॉ. भीकमचंद सकलेचा, मंत्री अशोक कुमार बांठिया ने 2026 के चातुर्मास की विनती रखी। जिसके लिए प्रवर्तक श्री सुकन मुनि जी महाराज साहब की स्वीकृति आने के बाद चातुर्मास करने की स्वीकृत की घोषणा की गई।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *हाल ही में बेंगलूरु के फोर सीजन होटल में एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कर्नाटक में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महेंद्र मुणोत को नानू कन्नडिगा 2025 पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पूर्व उप मुख्यमंत्री आर. अशोक, शिव स्वामी और अन्य लोगों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 11 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-308

3000 किलो विस्फोटक, एके-47 राइफल, ऑटोमैटिक पिस्तौलें, गोलियां व घातक रसायन बरामद

अपने ही देश को दहलाने की तैयारी में हैं 'भारत के आतंकी'

फरीदाबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर और हरियाणा पुलिस की संयुक्त छापामारी में फरीदाबाद के धौज इलाके में एक डॉक्टर के घर 3000 किलो विस्फोटक बरामद होने के बाद देशभर में सनसनी फैल गई। जितनी भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है उससे भारी तबाही मचाने की तैयारी का संकेत मिला है। आरोपी डॉक्टर जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा आतंकी है। उसे दो दिन पहले गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने पहले 300 किलो आरडीएक्स बरामद होने की बात कही थी, लेकिन बाद में उसे भी अमोनियम नाइट्रेट बता दिया। बहरहाल, कुल मिलाकर तीन हजार किलो से अधिक विस्फोटक बरामद किया गया है और जैश-ए-मोहम्मद एवं अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े दो डॉक्टर समेत सात आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस आरडीएक्स है या अमोनियम नाइट्रेट, इसमें फंसी रही। उसे विशेषज्ञीय जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। 2550 किलो विस्फोटक फरीदाबाद के फतेहपुर तगा गांव से भी बरामद किया गया जम्मू-कश्मीर पुलिस और हरियाणा पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और गोला-बारूद की बरामदगी के संबंध में अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉक्टर मुज्जमिल और एक इमाम गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार किए गए आतंकियों में आरिफ निसार दर साहिल (नौगाम, श्रीनगर), यासिर-उल-अशरफ (नौगाम, श्रीनगर), मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद (नौगाम, श्रीनगर), मौलवी इरफान अहमद (शोपियां), जमीर अहमद आहंगर मुत्लाशा (वाकुरा, गांदरबल), डॉ. मुजम्मिल अहमद गनाई मुसायब (कोइल, पंपोर) और डॉ. आदिल (वानपोरा, कुलगाम) शामिल हैं। डॉ. आदिल से मिले सुराग के आधार पर ही श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया, जहां से खतरनाक विस्फोटक आरडीएक्स और दूसरे खतरनाक हथियारों का जखीरा बरामद किया गया। डॉ. आदिल ने फरीदाबाद में एक कमरा किराए पर ले रखा था। जहां से 14 कार्टूनों में भरा करीब 300 किलो आरडीएक्स, दो ऑटोमैटिक पिस्टल, 84 कारतूस, पांच लीटर घातक रसायन और एके-47 राइफल बरामद की गई है। गिरफ्तार आतंकी मुजाहिल शकील की निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई। एक गाड़ी से जम्मू-कश्मीर पुलिस की पांच सदस्यी फरीदाबाद टीम आई थी। करीब 7-8 घंटे तक तलाशी और पूछताछ का दौर चला। आरोपी को जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीम ने दो दिन पहले ही गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद आरोपी डॉक्टर की निशानदेही पर उसके आवास पर छापा मारा, जहां से टीम को 14 बैग आरडीएक्स, दो ऑटोमैटिक पिस्टल, 84 कारतूस, पांच लीटर केमिकल और एक एके-47 राइफल बरामद हुई है। यह बरामदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि आरडीएक्स एक अत्यंत शक्तिशाली विस्फोटक है और इसका बड़ी मात्रा में मिलना किसी बड़े खतरे की ओर इशारा कर सकता है। यूपी के सहारनपुर से जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से ▶10पर

फरीदाबाद से जब्त हुआ तीन हजार किलो खतरनाक विस्फोटक पदार्थ

जो जहर ट्रंप और ओबामा पर आजमाया गया वही बना रहे थे आतंकी

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास कार में रखा बम फटा

जोरदार धमाके में बिखर गए 10 लोग, 28 राहगीर जख्मी

दिल्ली को अस्थिर करने का 'प्रयोग-बम' फटा

प्रधानमंत्री मोदी ने गृह मंत्री शाह से किया विमर्श, जताया शोक

14 साल पांच महीने बाद राजधानी दिल्ली में फिर हुआ धमाका

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार की शाम करीब सात बजे एक कार में जोरदार धमाका हुआ। धमाके के साथ ही वहां खड़ी कई कारों में आग लग गई। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो गई। 28 लोगों के घायल होने की खबर है, जिनमें से फिलहाल 20 घायलों की पहचान हो पाई है। पुलिस ने घायलों की लिस्ट जारी की है। एनआईए की टीम मौके पर पहुंच गई है और जांच शुरू कर दी गई है। धमाके में मरने वालों की पहचान नहीं हो पाई है। धमाके के बाद दिल्ली-एनसीआर को हाई-अलर्ट पर रखा गया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने गृह मंत्रालय को घटना की पूरी जानकारी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह से घटना के बारे में विमर्श किया। पीएम मोदी ने घटना पर शोक जताते हुए कहा, आज शाम दिल्ली में हुए विस्फोट में अपनों को खोने वालों के प्रति हार्दिक संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

प्रभावित लोगों की सहायता अधिकारी कर रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह जी और अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की है। घटना को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत तमाम नेताओं और विभिन्न प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने शोक ज्ञापित किया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि शाम सात बजे लाल किले के नजदीक सुभाष मार्ग ट्रैफिक सिग्नल पर स्थित मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास हुंडई आई-20 कार में धमाका हुआ। कई राहगीर धमाके की चपेट में आ गए और चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। कई राहगीर घायल हुए और कई वाहनों में आग लग गई। विस्फोट की सूचना मिलने के 10 मिनट के भीतर दिल्ली क्राइम ब्रांच और दिल्ली स्पेशल ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंच गईं। एनएसजी और एनआईए की टीमों ने एफएसएल के साथ मिलकर गहन जांच शुरू कर दी है। आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच के आदेश दिए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के पुलिस आयुक्त और स्पेशल ब्रांच प्रभारी से बात की और आवश्यक निर्देश दिए। दिल्ली के पुलिस आयुक्त और स्पेशल ब्रांच प्रभारी मौके पर मौजूद हैं। अमित शाह ने कहा, हम सभी संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं और पूरी जांच करेंगे। सभी विकल्पों की जांच की जाएगी और हम परिणाम जनता के सामने प्रस्तुत करेंगे। गृह मंत्री ने घटनास्थल और अस्पताल जाने की भी बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमित शाह से बात की और घटना एवं राहत कार्यों की जानकारी ली।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके के समय आस पास के लोगों में अफरातफरी मच गई। विस्फोट इतना भयावह था कि घरों और दुकानों की खिड़कियां तक हिलने लगीं। सड़क पर शवों के अंग बिखरे हुए थे। एक स्थानीय व्यापारी ने कहा, जिस समय धमाका हुआ मैं दुकान पर बैठा था। मैंने अपने जीवन में ऐसा धमाका कभी नहीं सुना। धमाके से हुई घबराहट में मैं तीन बार गिरा, ऐसा लगा धरती फटने वाली है। मैं दुकान छोड़कर भागा। मेरे साथ पब्लिक भी भाग रही थी। लोग एक दूसरे पर गिर रहे थे। ऐसा लगा कि हम मरने वाले हैं। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि धमाके के बाद हमने सड़क पर शवों के अंग बिखरे देखे। कोई समझ नहीं पा रहा था कि क्या हुआ।

देश की राजधानी दिल्ली में मई 2011 के बाद नवंबर 2025 में आतंकी धमाका हुआ। 25 मई 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट की पार्किंग में विस्फोट हुआ था जिसमें 11 लोगों की मौत हुई थी। उसके पहले 27 सितंबर 2008 को मेहरौली के फ्लावर मार्केट में धमाका हुआ था जिसमे 3 लोगों की मौत हुई थी। 13 सितंबर 2008 को करोल बाग के गफ्फार मार्केट, कनॉट प्लेस और ग्रेटर कैलाश-1 में पांच विस्फोट हुए थे, जिसमे करीब 30 लोग मारे गए थे। 29 अक्टूबर 2005 को सरोजिनी नगर, ▶10पर

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ऐतिहासिक ऐलान

यूपी के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् का गायन अनिवार्य

जिन्नावादी विचारधारा को देश में ही दफन कर देंगे : योगी

लखनऊ/गोरखपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ऐलान किया कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक स्कूल और शिक्षण संस्थान में वंदे मातरम् गाना अनिवार्य किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ की इस क्रांतिकारी घोषणा के बाद अब यूपी के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् का नियमित गायन अनिवार्य किए जाने की प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, यह कदम नागरिकों में भारत माता और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और गौरव की भावना को प्रेरित करेगा। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के प्रति सम्मान की भावना होनी चाहिए। हम उत्तर प्रदेश के प्रत्येक स्कूल और शिक्षण संस्थान में इसका गायन अनिवार्य करेंगे। सीएम योगी ने कहा, जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बांटने वाले तत्वों की पहचान करना हमारा कर्तव्य है। यह नए जिन्ना बनाने की साजिश का हिस्सा हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत में फिर कभी कोई नया जिन्ना न उभरे। विभाजनकारी इरादे को जड़ जमाने से पहले ही दफना देना होगा।

गोरखपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एकता यात्रा और वंदे मातरम् सामूहिक गायन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर को देशभर के हर जिले में रन फ़ॉर यूनिटी के रूप में राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौरान, भाजपा ने भी महान वल्लभभाई पटेल के जीवन और कार्यों पर केंद्रित कार्यक्रमों का आयोजन शुरू किया। सरकारी स्तर पर भी कई कार्यक्रम शुरू किए गए। चाहे स्वदेशी की बात हो या आत्मनिर्भरता के कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकता के मुद्दों को संबोधित करने वाली पहल को आगे बढ़ाया गया है, साथ ही देश भर में व्यापक जनजागरण अभियान भी चलाए गए हैं। सीएम ने कहा, वंदे मातरम् सिर्फ एक गीत नहीं है बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को दर्शाता है। इस गीत से राष्ट्रीय एकता का संदेश मिलता है। कोई भी मजहब या मत राष्ट्र से बड़ा नहीं हो सकता है।

यूपी में मंदिरों और मस्जिदों से हटाए गए लाउडस्पीकर

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस ने रविवार को धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाने का अभियान चलाया। यह अभियान उन जन शिकायतों के बाद शुरू किया गया है जिनमें कहा गया कि कुछ धार्मिक स्थलों पर तेज आवाज वाले लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे आम जिंदगी में काफी परेशानियां पेश आ रही हैं। प्रशासन ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह कदम उठाया और आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के भी निर्देश हैं कि धार्मिक स्थलों पर केवल सीमित डेसिबल लिमिट तक ही लाउडस्पीकर बजाए जा सकते हैं। शिकायतें आ रही थीं कि धार्मिक स्थलों पर हाई डेसिबल वाले लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। पूरे लखनऊ में इसके खिलाफ अभियान चलाया गया। पुलिस टीमें अलग-अलग जगहों पर जाकर उच्च सीमा तक इस्तेमाल किए जा रहे लाउडस्पीकरों को हटा रही हैं। नियमों के बारे में जागरूकता फैलाई जा रही है और कई जगहों पर लोग खुद ही इन्हें हटा रहे हैं। ▶10पर

मोदी सरकार की महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार!

15 राज्यों के 596 अधिकारियों पर कार्रवाई

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मोदी सरकार की महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन में आर्थिक अनियमितताएं सामने आने के बाद 15 राज्यों में 596 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मिशन से जुड़े 822 ठेकेदारों और 152 थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन एजेंसियों पर भी सख्त एक्शन लिया गया है। संसद के मानसून सत्र में भी जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार का मसला दोनों सदनों में उठा था।

जल जीवन मिशन घोटाले के कई मामलों में सीबीआई, लोकायुक्त और अन्य भ्रष्टाचार-रोधी एजेंसियां भी जांच कर रही हैं। 15 राज्यों में जल जीवन मिशन को लेकर 16,634 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 16,278 मामलों में जांच रिपोर्ट भी तैयार हो गई है। सबसे अधिक शिकायतें उत्तर प्रदेश से आई हैं, जहां 14,264 शिकायतें दर्ज हुई हैं। असम में 1,236 और त्रिपुरा में 376 मामले दर्ज किए गए हैं। एक तरफ इतनी बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आई हैं, तो दूसरी ओर अधिकारियों के खिलाफ एक्शन भी हुआ है। उत्तर प्रदेश में 171 अधिकारी, राजस्थान में 170 अधिकारी और मध्य प्रदेश में 151 अधिकारी कार्रवाई के घेरे में आए हैं। इसी तरह कई ठेकेदारों पर भी कार्रवाई की गई है। त्रिपुरा में 376, उत्तर प्रदेश में 143 और पश्चिम बंगाल में 142 ठेकेदारों के खिलाफ कदम उठाए गए हैं। जिन राज्यों से कार्रवाई या अनियमितता की रिपोर्ट आई है, उनमें छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, ▶10पर

822 ठेकेदारों और 152 निरीक्षण एजेंसियों पर भी एक्शन

एयरपोर्ट के हाई सिक्योरिटी जोन में ही पढ़ने लगे नमाज

बेंगलुरु, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु एयरपोर्ट के टी-2 टर्मिनल के हाई सिक्योरिटी जोन में मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल होने के बाद बवाल मच गया है। इस विवाद के बाद कर्नाटक सरकार ने एयरपोर्ट पर सभी धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग खुले में नमाज अदा करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो सामने आने के बाद बड़ा विवाद छिड़ गया है। विपक्षी दलों ने राज्य सरकार पर धार्मिक गतिविधियों को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। एयरपोर्ट के हाई सिक्योरिटी जोन में सार्वजनिक रूप से नमाज पढ़ने की हरकत को सीधा कानून को चुनौती देने के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि एयरपोर्ट परिसर में पहले से ही एक निर्धारित नमाज रूम बना हुआ है। इसके बावजूद उन्होंने सार्वजनिक स्थान पर नमाज अदा की। वायरल वीडियो में नमाज पढ़ने वालों के आसपास एयरपोर्ट स्टाफ और सुरक्षा कर्मी भी दिखाई दे रहे हैं। ▶10पर

जेल में कैदियों के लिए शाही आतिथ्य की निंदा

परप्पना अग्रहारा जेल एक तरह के नाइट क्लब, एक मनोरंजन क्लब में हुआ तब्दील: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने परप्पना अग्रहारा जेल में कैदियों के लिए शाही आतिथ्य के मद्देनजर मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने युवा मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित घेराव प्रदर्शन में भाग लिया और जेल में कैदियों के लिए शाही आतिथ्य की निंदा की। बाद में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि परप्पना अग्रहारा जेल एक तरह के नाइट क्लब, एक मनोरंजन क्लब में तब्दील हो गया है। आतंकवादियों, आईएसआई एजेंटों, मुस्लिम कट्टरपंथियों के लिए – परप्पना अग्रहारा जेल एक मनोरंजन क्लब है। उन्होंने आपत्ति जताई कि ऐसे देशद्रोहियों को टीवी, मोबाइल फोन और गोलियां मुहैया कराई जा रही हैं, और सब कुछ बड़े आराम से चल रहा है।

यह स्पष्ट है कि राज्य सरकार आंखें मूंदे बैठी है। इस कांग्रेस सरकार की मदद से परप्पना अग्रहारा जेल में देशद्रोहियों के लिए आलीशान सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। उन्होंने अखबारों और टीवी मीडिया में आई खबरों के बाद सरकार की आलोचना की। राज्य में भ्रष्टाचार व्याप्त है और जेल व्यवस्था भी भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। कांग्रेस सरकार की मदद के बिना जेल में ऐसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा सकती थीं। उन्होंने इस्लामी कट्टरपंथियों पर देशद्रोह का आरोप लगाया। राज्य के गृह मंत्री और मुख्यमंत्री इसके लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि वे सिर्फ नाटक न करें और अफवाहें न फैलाएं। राहुल गांधी विदेश जाकर यह कहकर हमारा अपमान करते थे कि हमारा लोकतंत्र खतरे में है, नरसंहार हो रहे हैं। इसी के तहत, सिद्धरामैया सरकार ने जेल में ही इस्लामी कट्टरपंथियों और देशद्रोहियों के लिए आलीशान सुविधाएं मुहैया कराई हैं। बाद में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए विजयेंद्र ने आपत्ति जताई कि अगर ऐसा ही चलता रहा, तो सिद्धरामैया सरकार देशद्रोहियों के मामले वापस लेने में भी नहीं हिचकिचाएगी। उन्होंने मांग की कि अगर मुख्यमंत्री और गृह मंत्री में जरा भी गरिमा है, तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा कि सिद्धरामैया, डी.के. शिवकुमार और परमेश्वर की हॉटलाइन के जरिए इस जेल से पाकिस्तान और अफगानिस्तान में कॉल किए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या वे दो साल से गधे का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या खुफिया विभाग दो साल से बंद पड़ा है। उन्होंने आपत्ति जताई कि उन्होंने पुलिस स्टेशनों को कांग्रेस कार्यालय बना दिया है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने जेलों में ही आतंकवादियों को सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने का फैसला किया है। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि, विधायक के. गोपालैया, उदय बी. गरुड़चार, एम. कृष्णप्पा, सी. मुनिराजू, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक धीरज मुनिराजू, राज्य सचिव एच.सी. तमेश गौड़ा, शरणु तारिकेरी, नेता उमेश शेट्टी, जिला अध्यक्ष एस. हरीश, सप्तगिरी गौड़ा और प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे।

धर्मस्थल में लक्षदीपोत्सव समारोह 15 नवंबर से

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कार्तिक मास में धर्मस्थल पर आयोजित होने वाले लक्षदीपोत्सव कार्यक्रम 15 से 19 नवंबर तक आयोजित किए जाएंगे। सर्वधर्म सम्मेलन का 93वां अधिवेशन 18 नवंबर को शाम 5 बजे से आयोजित होगा। कर्नाटक सरकार के वृहद एवं मध्यम उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री डॉ. बी.एम. पाटिल सर्वधर्म सम्मेलन के 93वें अधिवेशन का उद्घाटन करेंगे। हरिहरपुर स्वयंप्रकाश सचिदानंद सरस्वती स्वामीजी अध्यक्षता करेंगे। पत्रकार ए. सूर्यप्रकाश पंडित और प्रसिद्ध स्तंभकार तनवीर अहमद उल्लाह व्याख्यान देंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत, चेन्नई के श्रीदेवी नृत्यालय के कलाकारों द्वारा विदुषी डॉ. शीला उन्नीकृष्णन के निर्देशन में रात 8.30 बजे से भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। कांचीमारु कट्टे उत्सव रात्रि में आयोजित किया जाएगा। 19 नवंबर को शाम 5 बजे, साहित्योत्सव के 93वें सत्र का उद्घाटन वरिष्ठ लेखक एवं स्तंभकार पू. प्रेमशेखर करेंगे। पत्रकार विश्वेश्वर भट्ट अध्यक्षता करेंगे। लेखिका शांता नागमंगला, पत्रकार डॉ. रघु वी. और धारवाड़ के लेखक डॉ. बी.एम. शरभेंद्र स्वामी व्याख्यान देंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत, रात 8.30 बजे से बेंगलूरु से आए राहुल वेल्लाल और उनकी टीम द्वारा संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। रात 9.45 बजे से दक्षयज्ञ यक्षगान का आयोजन किया गया है। रात 12 बजे के बाद, गौरी मार्केट उत्सव के साथ-साथ लक्षदीपोत्सव का आयोजन होगा। देश भर से एक लाख से अधिक श्रद्धालु आएंगे और लक्षदीपोत्सव कार्यक्रम 20 नवंबर की सुबह संपन्न होगा। केएसआरटीसी ने राज्य के विभिन्न शहरों से धर्मस्थल के लिए विशेष बस सुविधा की व्यवस्था की है।

बेंगलूरु एयरपोर्ट पर नमाज का वीडियो वायरल होने पर भाजपा ने सरकार को घेरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर कथित तौर पर लोगों के एक समूह द्वारा नमाज (इस्लामी प्रार्थना) अदा करने का एक वीडियो सामने आया है, जिसने कर्नाटक में राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। विपक्षी भाजपा ने इस घटना पर आपत्ति जताई है और राज्य सरकार से जवाबदेही की मांग की है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में, पास में खड़े सुरक्षाकर्मी नमाज अदा कर रहे लोगों को देख रहे हैं। भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रवक्ता विजय प्रसाद ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और आरडीपीआर मंत्री प्रियांक खड़गे से पूछा कि क्या सार्वजनिक

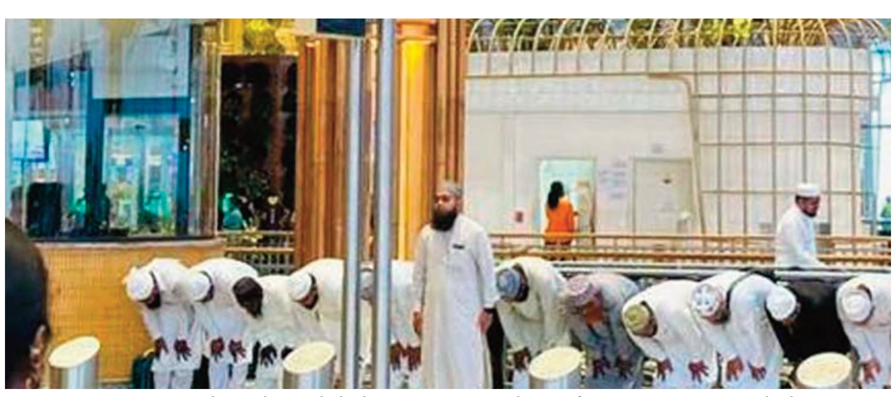

स्थान पर नमाज अदा करने वालों ने राज्य सरकार द्वारा हाल ही में बनाए गए नियम के अनुसार पूर्व अनुमति ली थी। प्रसाद ने पूछा बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 के अंदर इसकी अनुमति कैसे दी जा सकती है? मुख्यमंत्री और मंत्री क्या आप इसे स्वीकार करते हैं? क्या इन लोगों ने उच्च सुरक्षा वाले हवाई अड्डे के क्षेत्र में नमाज अदा करने की पूर्व अनुमति ली थी? भाजपा द्वारा राज्य में आरएसएस की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिए बनाए गए नियमों का हवाला देते हुए, प्रसाद ने कहा ऐसा क्यों है कि जब आरएसएस संबंधित अधिकारियों से उचित अनुमति प्राप्त करने के बाद पथ संचलन (रूट मार्च) करता है, तो सरकार आपत्ति क्यों करती है, लेकिन प्रतिबंधित सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसी गतिविधियों पर आंखें मूंद लेती है? भाजपा प्रवक्ता ने जानना चाहा कि क्या ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में यह गतिविधि एक गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है।

परप्पना अग्रहारा जेल के वीडियो को लेकर कर्नाटक सरकार की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व गृह मंत्री और तीर्थहल्ली के विधायक अरगा ज्ञानेंद्र ने बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार के कैदियों द्वारा मोबाइल फोन और अन्य सुविधाओं का उपयोग करने वाले वीडियो को लेकर कर्नाटक सरकार की आलोचना की है। भाजपा नेताओं ने वायरल वीडियो के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें दिखाया गया है कि सीरियल बलात्कारी कैदी उमेश रेड्डी अपनी कोठरी में टेलीविजन के साथ मोबाइल फोन का उपयोग कर रहा है, जबकि सोने की तस्करी के एक आरोपी तरुण राजू और एक कथित आईएसआईएस कार्यकर्ता के पास बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार

के अंदर मोबाइल फोन की सुविधा है। शिवमोग्गा में सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज्ञानेंद्र ने कहा कि गृह मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की थी। उन्होंने कहा हमने कई सालों से जेल में काम कर रहे अधिकारियों का तबादला कर दिया था। हालांकि, अब वे फिर से उसी जगह पर आ गए हैं। इससे पता चलता है कि सरकार इस मुद्दे पर कितनी गंभीर है। उन्होंने कहा आतंकवादी गतिविधियों का आरोपी और सिलसिलेवार हत्याओं का दोषी एक व्यक्ति जेल में सुविधाओं का आनंद ले रहे हैं। एक सीरियल किलर अपनी बैरक में रंगीन टीवी कैसे रख सकता है? कुछ लोगों के लिए, जेल एक विश्राम गृह बन गई है। एक वीडियो में सीरियल बलात्कारी उमेश रेड्डी और सोना तस्करी के आरोपी बेंगलूरु की केंद्रीय जेल के अंदर फोन और टीवी का इस्तेमाल करते दिखाई दे रहे हैं। भाजपा नेता ने टिप्पणी की कि कर्नाटक में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। लीक हुए वीडियो से पता चलता है कि जेल अब सुधार केंद्र नहीं रहे। इसके बजाय, ये अपराधियों को उनके आपराधिक कृत्यों को जारी रखने का केंद्र बन गए हैं। उन्होंने राज्य सरकार से सख्त कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि कैदियों को ऐसी सुविधाएँ न मिलें जिनके वे हकदार नहीं हैं। शिवमोग्गा से लोकसभा सदस्य बी.वाई. राघवेंद्र, विधायक एस.एन. चन्नबसप्पा, डॉ. धनंजय सरजी और अन्य उपस्थित थे।

विधान सौधा में मौजूद लोग और परप्पना अग्रहारा में मौजूद आतंकवादी में कोई अंतर नहीं: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि विधान सौधा में मौजूद लोग और परप्पना अग्रहारा में मौजूद आतंकवादी में कोई अंतर नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधान सौधा में मौजूद लोग कौन है, यह मीडिया मुझसे बेहतर जानता है। विधान सौधा में मौजूद लोग उनसे कहीं ज्यादा खतरनाक है। लोग इस बारे में बात करते हैं। जेल में कैदियों को शाही आतिथ्य प्रदान करने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जेल में दी जाने वाली सुविधाओं को लेकर चर्चा होती रहती है और यह कोई नई बात नहीं है। पहले वरिष्ठ अधिकारियों को लेकर टकराव होता था। अधिकारियों के बीच राजनीति हो रही है। गृह मंत्री किसकी जांच करते हैं? मीडिया ने वहां उपलब्ध सुविधाओं को दिखाया है। अब दोबारा जांच करने के बाद वे क्या करेंगे? क्या वे सिर्फ समय बर्बाद कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और गृह मंत्री से इस सब के बारे में पूछा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार में शासन की विफलता साफ दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा में कोई सम्मान नहीं है, लेकिन क्या अब आपके पास है? ऐसा लग रहा है जैसे मुख्यमंत्री जानकारी मिलने के बाद बोल रहे हैं। क्या उनके पास बुद्धि है? क्या यह दबाव में आकर तुरंत इस्तीफा देने का समय है? किन राजनेताओं में इतनी नैतिकता है? कुमारस्वामी ने गृह मंत्री के इस्तीफे के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। हवाई अड्डे पर नमाज पढ़ने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित हो गया है। बहुत से लोग आते हैं। उन्हें दूसरे देशों में अलग कमरे दिए जाते हैं। कई धर्मों के लोग यहां आते हैं। उन्हें अपने धर्म का पालन करना चाहिए। हमें छोटापन नहीं दिखाना चाहिए, हमें उन्हें एक कमरा देना चाहिए।

सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं, बीन्स शतक के करीब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
किराना सामान की बढ़ती कीमतों से परेशान उपभोक्ताओं को अब सब्जियों की बढ़ती कीमतों का झटका लगा है। कुछ दिन पहले आए चक्रवाती तूफान मोंथ का असर राज्य पर भी पड़ा है और मैदानी इलाकों में जहां सब्जियां उगाई जाती हैं, वहां भारी बारिश के कारण फसलें नष्ट हो गई हैं और बाजार में तय मात्रा में माल नहीं पहुंच पाया है, जिससे मांग में वृद्धि हुई है और कीमतों में भी उछाल आया है। एक ओर, बारिश के प्रभाव से ग्रामीण इलाकों में व्यापक वर्षा हुई है, वहीं दूसरी ओर सब्जियों की फसलों के लिए अनुकूल परिस्थितियां न होने से पैदावार कम हुई है। सूखे की स्थिति बढ़ने के साथ-साथ बीमारियों के कारण भी पैदावार कम हुई है। कार्तिक माह में शुभ कार्यों के चलते बाजार में सब्जियों की मांग बढ़ गई है। इससे कीमतों में भी तेजी आई है। बीन्स शतक के निशान की ओर बढ़ रही हैं। बाजार में जहां एक किलो बीन्स 80 से 90 रुपये में बिक रही हैं, वहीं खुदरा विक्रेताओं ने शतक के निशान को छू लिया है। रिंग बीन्स 10 रुपये प्रति किलो बिक रही हैं। टमाटर 30 रुपये, मटर 100 रुपये किलो, गाजर 80 रुपये, आलू 50 रुपये, चुकंदर 70 रुपये, हरी मटर 250 से 270 रुपये, मैसूरु बैंगन 50 से 60 रुपये, शिमला मिर्च 100 रुपये, तोगरिकाई 60 रुपये, हरी मिर्च 100 से 120 रुपये तक बिक रही है। साग के दाम भी बढ़ गए हैं। धनिया 50 रुपये प्रति डंडी, मेथी 40 रुपये, पालक 30 रुपये, सब्बक्की 30 रुपये और पुदीना 10 रुपये प्रति डंडी बिक रहा है। उपभोक्ता सब्जियों की कीमत देखकर हैरान हैं और जो लोग पहले किलोग्राम में खरीदते थे, वे अब चौथाई किलोग्राम और ग्राम में खरीद रहे हैं।

जेल में शाही आतिथ्य मामले में दो अधिकारी निलंबित: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेलों में शाही आतिथ्य मामले की व्यापक समीक्षा करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एडीजीपी स्तर के एक अधिकारी के नेतृत्व में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया गया है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने बताया कि मौजूदा घटना के संबंध में एक अधिकारी का तबादला कर दिया गया है और दो अन्य को निलंबित कर दिया गया है। कारागार एवं सुधार सेवा कार्यालय में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) आर. हितेंद्र को इस उच्चाधिकार प्राप्त समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया है। महानिरीक्षक संदीप पाटिल, पुलिस अधीक्षक अमरनाथ रेड्डी और रिशांत की चार सदस्यीय समिति का गठन किया गया है और उन्हें एक महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि संबंधित जिलों के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक भी इस समिति के सदस्य होंगे। उन्होंने कहा कि यह समिति राज्य की सभी जेलों में कमियों की पहचान करेगी और मौजूदा स्थिति की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। बेंगलूरु की परप्पना अग्रहारा जेल मामले में मुख्य जेल अधीक्षक के. सुरेश का तबादला कर दिया गया है और अब इस पद पर एक आईपीएस अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। अब से, परप्पना अग्रहारा जेल का प्रबंधन एक आईपीएस अधिकारी संभालेंगे। उन्होंने बताया कि जेल अधीक्षक मगेरी और सहायक अधीक्षक अशोक भजंत्री को निलंबित कर दिया गया है।

पशुओं और सब्जियों में जहर डालने का खतरनाक धंधा : अड्डा लखनऊ

चीन के पाउडर से बना लाखों ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन जब्त

राजधानी लखनऊ और आसपास के जिलों में फैला है नेटवर्क

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने गोमतीनगर के उजरियांव स्थित विजय खंड-1 में एक घर पर छापा मारकर लाखों रुपए कीमत का मिलावटी ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन और उसे बनाने का कच्चा माल बरामद किया। आरोपी किराए पर कमरा लेकर यह धंधा कर रहे थे। टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। टीम ने दो संदिग्ध औषधियों का नमूना एकत्र करके जांच के लिए भेजा है।

सहायक मंडल आयुक्त ब्रजेश और एसटीएफ के डीएसपी दीपक सिंह के नेतृत्व में टीम ने छापा मारी की थी। टीम ने मौके से 1018 शीशी ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन, 27 लीटर सिरका, 70 लीटर फिनायल, 16500 खाली शीशी, नमक, सिलर, गैलन बरामद किया। जब्त की गई ऑक्सीटोसिन की बाजार में कीमत 48.56 लाख रुपए बताई गई है। टीम ने मौके से त्रिवेणीनगर तृतीय के शिवलोक कॉलानी निवासी कयूम अली और डालीगंज के कदम रसूल निवासी मोहम्मद इब्राहिम को गिरफ्तार किया।

बताया गया कि धंधेबाज गाजियाबाद के लोनी से चीन में निर्मित ऑक्सीटोसिन पाउडर मंगवाते थे। इसमें मिलावट कर इंजेक्शन की खेप तैयार की जाती थी। कच्चा माल वाला पाउडर 25 हजार रुपए में 10 ग्राम मिलता है। 10 ग्राम पाउडर से एक लाख से अधिक इंजेक्शन तैयार किए जाते थे। पकड़े गए अभियुक्तों ने बताया कि वह गाजियाबाद के लोनी और धर्मवारी से कच्चा माल मंगवाते थे। यहां पर इंजेक्शन तैयार करके उसे बेचा जाता था। यह इंजेक्शन जानवरों के लिए बनाया जाता है। डेयरी संचालकों में इसकी बहुत मांग है। एक इंजेक्शन 100 रुपए में डेयरी संचालकों को बेचा जाता है। यह दवा जानवरों के अत्यंत खतरनाक है, लेकिन पशुओं में इसका इंजेक्शन लगाने से उनका दूध अपने आप निकलने लगता है। सब्जी और फलों का आकार बढ़ाने में भी इस खतरनाक इंजेक्शन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

आरोपी थोक में 20 रुपए में 100 मिलीलीटर की दर से ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन खरीदते हैं। इसके

बाद इसमें मिलावट कर 80 रुपए में बेचते हैं। गिरोह के लोग फुटकर में किसानों और डेयरी संचालकों को यही इंजेक्शन 200 रुपए में सप्लाई करते हैं। सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई, बलरामपुर, बहराइच, उन्नाव समेत आसपास के कई जिलों में ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की कालाबाजारी हो रही है। सब्जी और फलों का आकार बढ़ाने के लिए इसका ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है।

ड्रग विभाग के अधिकारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने अपना नेटवर्क आसपास के जिलों में फैला रखा था। बाराबंकी, सीतापुर, लखीमपुर, अयोध्या, कानपुर, हरदोई समेत अन्य जिलों में इस इंजेक्शन की आपूर्ति हो रही थी। आरोपियों ने बताया कि वह सरकारी बस या निजी वाहन से इंजेक्शन ले जाकर आपूर्ति करते थे। दरअसल, ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बच्चों के जन्म के समय गर्भाशय संकुचन बढ़ाने के लिए दिया जाता है। इससे प्रसव शुरू करने में मदद मिलती है। यह दूध निकालने के प्रक्रिया में प्रारंभिक हार्मोन के रूप में काम करता है। इसी वजह से पशुओं को ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन देने से दूध उत्पादन बढ़ता है, लेकिन इस इंजेक्शन के देने के बाद निकाला गया दूध हानिकारक होता है। इसी वजह से जानवरों पर इसका प्रयोग प्रतिबंधित है।

सब्जी और दूध के लिए प्रयोग किया गया ऑक्सीटोसिन आम आदमी की सेहत के लिए खतरनाक होता है। इससे लोगों के हार्मोन पर प्रभाव पड़ता है। साथ ही पेट से जुड़ी दिक्कतें भी बढ़ती हैं। इसके सेवन से लोगों में चिड़चिड़ापन और तनाव भी होता है। यह एलर्जी की समस्या का सबसे बड़ा कारण है। दूध में ऑक्सीटोसिन की मिलावट की वजह से शरीर के किसी भी हिस्से में खुजली, सूजन या फिर सांस लेने में समस्या आ सकती है। इससे बांझपन की समस्या भी हो सकती है।

विदेशियों को भाया आगरा का जूता, 18500 करोड़ की बुकिंग हुई

मीट एट आगरा में शामिल हुए आठ हजार उद्यमी

आगरा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ के बीच मीट एट आगरा में 18,500 करोड़ रुपए के जूता कारोबार सुनिश्चित हुआ। बीते साल के मुकाबले इस बार विदेशी उद्यमी अधिक आए। जूता, सोल, धागा समेत कई तरह की सामग्री की बुकिंग हुई। आगरा मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चैंबर (एफमेक) के सींगना स्थित आगरा ट्रेड सेंटर में तीन दिवसीय मीट एट आगरा के समापन पर रविवार को उद्यमियों को पुरस्कृत भी किया गया।

एफमेक अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के कारण जूता कारोबार प्रभावित हुआ है। ऐसे में मीट एट आगरा में अन्य देशों की प्रतिभागिता बढ़ी। इस बार बीते साल के मुकाबले 3,500 उद्यमी अधिक आए। विजिटर की संख्या भी एक हजार से अधिक बढ़ी है। जूता, सोल, धागा, फुटबेड, केमिकल समेत कई तरह की सामग्री में विदेशियों ने रुचि दिखाई है। इससे 18,500 करोड़ रुपए के कारोबार होने की उम्मीद है। मीट एट आगरा का 18वां संस्करण अगले साल 3-5 अक्टूबर तक होगा।

फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग विकास परिषद के अध्यक्ष पूरन डावर ने बताया कि जीएसटी कम होने के बाद मीट एट आगरा से जूता उद्यम को गति मिलेगी। इस आयोजन से जूता से जुड़े 15 से अधिक उद्यम का भी कारोबार बढ़ेगा। उपाध्यक्ष राजीव वासन और कैप्टन एएस राणा ने कहा कि विशेषज्ञों ने जूते की डिजाइन, तकनीक समेत अन्य के बारे में भी प्रशिक्षण दिया, जिससे बाजार के बदलते ट्रेंड के हिसाब से उत्पाद बन सकेंगे। महासचिव प्रदीप वासन ने बताया कि भारत दुनिया का तीसरा जूता उत्पादक है। इस साल 10 फीसदी अधिक निर्यात की उम्मीद है। द आगर शू फैक्टर्स फेडरेशन के अध्यक्ष विजय सामा ने बताया कि मीट एट आगरा में पहली बार घरेलू जूता कारोबार को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों को भी नई तकनीक के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष दलजीत सिंह, उपेंद्र सिंह लवली, सुनील जोशन, अनिरुद्ध तिवारी, चंद्रमोहन सचदेवा, माला खेड़ा, संकल्प अग्रवाल आदि मौजूद रहे। फ्रैटरनिटी ऑफ आगरा फुटवियर के अध्यक्ष कुलदीप कोहली ने बताया कि अगले साल 17 अप्रैल से चार दिवसीय फुटवियर फेयर आयोजित होगा। पहले तीन दिन बिजनेस टू बिजनेस (बीटूबी) और अंतिम दिन बिजनेस टू कंज्यूमर (बीटूसी) होगा। इससे स्थानीय लोग भी जूता-चप्पल समेत अन्य उत्पादों की खरीद कर सकेंगे। इसके लिए स्थान जल्द तय करेंगे।

यूपी में बिजली की खरीद पर मचा बवाल

खरीद प्रस्ताव पर नियामक आयोग ने रोक लगाई

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बिजली की खरीद को लेकर नया बवाल मच गया है। नवंबर माह में तीन हजार मेगावाट बिजली खरीद समझौता पत्र पर पावर कारपोरेशन अनुमति को नियामक आयोग ने रोक दिया है। कार्पोरेशन से खरीद संबंधी पूरा ब्यौरा तलब किया गया है।

उत्तर प्रदेश में करीब दो साल के अंदर 21 हजार मेगावाट बिजली खरीद संबंधी समझौता पत्र तैयार किए गए हैं। इसमें कुछ की टेंडर प्रक्रिया चल रही है तो कुछ लंबित हैं। इसी बीच पावर कार्पोरेशन ने नियामक आयोग में एक हजार मेगावाट मध्यम पीक समर और दो हजार लांग टर्म पीक समर के लिए खरीद संबंधी समझौता पत्र पेश किया। कार्पोरेशन ने खरीद के लिए अनुमति मांगी। मामले पर सुनवाई करते हुए नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने खरीद समझौता पत्र पर रोक लगा दी है। अब तक बिजली खरीद के लिए तैयार किए गए प्रस्ताव, प्रक्रिया, जरूरत सहित सभी पहलुओं पर जवाब तलब किया है। पूछा है कि पहले पावर कार्पोरेशन बताएं कि इस खरीद का औचित्य क्या है? बिजली खरीद के लिए स्पष्ट योजना क्या है ? सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी की स्वीकृत ली गई है या नहीं। आयोग ने साफ कहा है कि पूरे मामले में पर्याप्त योजना और समुचित विस्तृत कार्ययोजना बनाकर आयोग के सामने प्रस्तुत किया जाए। खरीद समझौता पत्र पर रोक लगाने का आदेश जारी होते ही पावर कार्पोरेशन में हलचल मची हुई है। क्योंकि बिजली की खरीद निजी कंपनियों से होती है। इस बीच कभी मरम्मत के नाम पर तो कभी अन्य कारण दिखाकर उत्पादन निगम की इकाइयों को बंद रखा गया है। प्रदेश में करीब दो साल के अंदर 21 हजार मेगावाट बिजली खरीद का प्रस्ताव तैयार किया गया। इसमें कुछ परियोजनाओं के लिए खरीद समझौता पत्र पर हस्ताक्षर होते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कुछ परियोजनाएं अभी पाइप लाइन में हैं। जिन

परियोजनाओं पर टेंडर प्रक्रिया चल रही है, उनमें प्रमुख रूप से 2000 मेगावाट सोलर प्लांट, 2000 मेगावाट पंप स्टोरेज प्लांट, 1600 मेगावाट डीबीएफवो, 375 मेगावाट बैटरी स्टोरेज, 250 मेगावाट बैटरी स्टोरेज, 4000 मेगावाट डीबीएफवो, 3000 मेगावाट पंप स्टोरेज प्लांट, 4000 मेगावाट हाइड्रो पावर शामिल है। अब 1000 मेगावाट मीडियम पावर गर्मी और 2000 मेगावाट लॉन्ग टर्म पीक गर्मी सीजन खरीद संबंधी संबंधी प्रस्ताव तैयार किया गया है।

बिजली खरीद मामले पर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक तरफ 42 जिलों का निजीकरण करने की तैयारी है तो दूसरी तरफ 25 साल के लिए 21 हजार मेगावाट बिजली खरीदी जा रही है। निश्चित तौर पर यह सरकारी धन की बंदरबांट है। उन्होंने पूरे मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सीबीआई अथवा अन्य एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। यह भी कहा है कि आखिर मनमानी तरीके से प्रदेश में बिजली खरीद की जरूरत क्यों पड़ रही है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा लॉन्ग टर्म बिजली खरीद के प्लान के लिए सभी राज्यों को निर्देश किया है। उसके तहत विद्युत नियामक आयोग ने एक कानून भी बनाया है, लेकिन कार्पोरेशन मनमानी तरीके से बिजली खरीद कर रहा है, जिसका खामियाजा किसी न किसी रूप में उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ेगा।

50 हजार का इनामी अपराधी एनकाउंटर में ढेर

हापुड़, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में सोमवार तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें 50 हजार रुपए का इनामी अपराधी हसीन मारा गया। मुठभेड़ कपूरपुर थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ गौकश प्रतिबंधित पशुओं की तस्करी की तैयारी में हैं।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विनोद पांडेय की टीम ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी की। खुद को पुलिस से घिरा पाकर हसीन ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे उपचार के लिए सीएचसी धौलाना ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अपराधी हसीन संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के मैनौटा गांव का रहने वाला था। वह एक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर था और उस पर गौहत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट सहित दो दर्जन से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज थे। हसीन के खिलाफ हापुड़, संभल, मुजफ्फरनगर, अमरोहा और गौतमबुद्धनगर जिलों में कई मामले चल रहे थे।

अपराधी हसीन की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने मौके से पिस्टल, हथियार और एक वाहन भी बरामद किया है। एसपी ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि यह मुठभेड़ गौकशी के खिलाफ चल रहे अभियान की बड़ी सफलता है, जिससे क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के हौसले पस्त होंगे।

प्राथमिक शिक्षकों की हाजिरी के लिए बनी कमेटी

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों पर डिजिटल अटेंडेंस का नियम लागू हो सकता है। शिक्षक समय से आएं इसके लिए हाईकोर्ट के निर्देश पर एक कमेटी गठित की गई है। यह कमेटी शिक्षकों की नियमित हाजिरी सुनिश्चित करेगी। शिक्षकों ने कहा है कि उन्हें डिजिटल अटेंडेंस या ऐसी कोई अन्य व्यवस्था से परहेज नहीं है। लेकिन नियम लागू करने के साथ निर्धारित सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाएं। यूपी बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि शिक्षकों को ईएल, सीएल, हाफ डे, चिकित्सा सुविधा लागू की जाए ताकि कभी विपरीत परिस्थिति में शिक्षक समय से स्कूल न पहुंचे तो इन छुट्टियों का प्रयोग कर सके।

दूसरी तरफ, टीईटी अनिवार्यता के विरोध में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने 11 दिसंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने की घोषणा की है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने संगठन के पदाधिकारियों को पत्र जारी कर जनसंपर्क करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि 11 दिसंबर तक केंद्र सरकार ने अगर कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो जंतर मंतर धरने के बाद फरवरी 2026 में रामलीला मैदान से संसद तक रैली निकाली जाएगी। इसमें पूरे देश के शिक्षक शामिल होंगे।

दंगे का आरोपी सपा सांसद दे रहा वंदे मातरम् पर बेजा बयान

संभल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी का सांसद जियाउर्रहमान बर्क वंदे मातरम् पर विवादित और बेजा बयान दे रहा है। बर्क ने कहा कि वह वंदे मातरम् नहीं गाते क्योंकि यह उनके मजहब के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि इस्लाम एक खुदा की इबादत की इजाजत देता है, इसीलिए वह वंदे मातरम् का विरोध करते हैं।

सांसद बर्क ने साफ कहा कि वंदे मातरम् के विरोध की यह सोच उनकी खुद की नहीं है, बल्कि उनके परिवार का हमेशा से यह रुख रहा है। बर्क ने बताया कि उनके दादा भी हमेशा से इस गीत का विरोध करते आए थे। बता दें कि बसपा सरकार के दौरान बर्क के दादा शफीकुर्रहमान बर्क ने विधानसभा में वंदे मातरम् बजते ही सदन का बहिष्कार कर दिया था। सपा सांसद बर्क ने कहा, किसी को वंदे मातरम् कहने या फिर गाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। दूसरी तरफ बर्क ने यह भी कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत अलग-अलग है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान के शब्दों में कोई आपत्तिजनक बात नहीं है इसीलिए उसे स्कूलों और मदरसों में भी गाया जाता है। यानि, बर्क की नजर में वंदे मातरम् आपत्तिजनक है। सांसद जियाउर्रहमान बर्क की शिक्षा-दीक्षा का यही स्तर है कि उसे देशभक्ति का प्रतीक गीत उसकी संकुचित और कुंठित धार्मिक सोच में नहीं अंटता।

सरकारी गलियारे में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ सार्थक पहल

समाज कल्याण विभाग के चार भ्रष्ट अफसर बर्खास्त

तीन रिटायर्ड भ्रष्ट अफसरों की पेंशन से कटेगी घोटाले की रकम

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग ने भ्रष्टाचार के आरोप में चार जिला समाज कल्याण अधिकारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने भी बर्खास्तगी को औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसमें से कुछ मामले डेढ़ दशक से दबे हुए थे। भ्रष्टाचार के आरोपी अन्य तीन सेवानिवृत्त हो चुके अधिकारियों की पेंशन से घोटाले की रकम काटी जाएगी। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सभी मामलों में एफआईआर कराने के निर्देश भी दे दिए हैं।

इन सभी अधिकारियों के खिलाफ जांच समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण की निगरानी में हुई। बर्खास्त होने वाले अधिकारियों में श्रावस्ती की तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव, मथुरा के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी करुणेश त्रिपाठी, हापुड़ के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय कुमार ब्यास और शाहजहांपुर के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार शामिल हैं। मीना श्रीवास्तव वर्तमान में भदोही में तैनात थीं, जबकि एसके ब्यास, राजेश कुमार और करुणेश त्रिपाठी निलंबित चल रहे थे और मुख्यालय से संबद्ध थे।

मीना श्रीवास्तव मार्च 2008 से अप्रैल 2012 तक श्रावस्ती में जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद पर तैनात रहीं थी। तैनाती के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री महामाया गरीब आर्थिक मदद योजना के

अंतर्गत प्राप्त आवेदनों को बिना सक्षम स्तर से स्वीकृत कराए डाटा फीडिंग कराई। शादी बीमारी योजना में लाभार्थियों की स्वीकृत सूची में उनके खाता संख्या में हेरफेर हुई। छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि को हड़पने में भी उनकी संलिप्तता मिली।

इसी तरह से मथुरा के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी करुणेश त्रिपाठी ने वहां तैनाती के दौरान निजी प्राइवेट आईटीआई संस्थानों को अनियमित तरीके से छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान कर गंभीर वित्तीय अनियमितता की। 11 मान्यताविहीन संस्थानों को 2.53 करोड़ की राशि का भुगतान छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में किया गया। निजी आईटीआई में 2 वर्ष आयु के बच्चों से लेकर 51 वर्ष तक की आयु वाले व्यक्तियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिला कर धनराशि हड़पी गई। बर्खास्तगी के साथ ही उनसे 19.25 करोड़ रुपए की वसूली के निर्देश भी दिए गए हैं।हापुड़ के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय कुमार ब्यास ने वित्त वर्ष 2012-13 में शासनादेश में दिए गए निर्देशों की अवहेलना करते हुए शिक्षण संस्थाओं से डेबिट अथॉरटी लेटर लेकर छात्रवृत्ति के 2.74 करोड़ रुपए छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में न भेजकर शिक्षण संस्थाओं के बैंक खाते में सीधे भेज दिए। हापुड़ में दशमोत्तर छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति की विभागीय वेबसाइट पर छात्र-छात्राओं के अपलोड विवरण में से सूची प्रिंट कर उसमें फ्ल्यूड लगाकर अभिलेखों में फर्जीवाड़ा किया। बर्खास्तगी के साथ 3.23 करोड़ रुपए की वसूली का निर्देश दिया गया है। शाहजहांपुर के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार ने तैनाती के दौरान वित्त वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के बैंक खाते बदलकर अपात्रों को लाभ पहुंचाया। बर्खास्तगी के साथ 2.52 करोड़ रुपए की वसूली की जाएगी।

इसके अलावा अब सेवानिवृत्त हो चुके औरैया के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीभगवान से गबन की धनराशि 33 लाख 47 हजार 400 रुपए में से 20 लाख रुपए की वसूली अधिकारी के देयकों से किये जाने और उनकी पेंशन से स्थाई रूप से 10 प्रतिशत की कटौती किए जाने का निर्देश दिया गया है। श्रीभगवान वर्ष 2018 से 2020 तक जिले में कार्यरत रहे और वहीं से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने वृद्धावस्था पेंशनरों के खातों के नाम में भिन्नता होने पर भी वेरिफाई किया। 251 लाभार्थियों के खाते बदलकर अन्य व्यक्तियों के खाते में पेंशन की राशि भेजी गई।

मथुरा के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी विनोद शंकर तिवारी ने वर्ष 2015-16 से 2019-20 तक 11 मान्यताविहीन संस्थानों को 2.53 करोड़ की धनराशि का भुगतान छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के मद में किया। वर्ष 2018-19 में 20 शिक्षण संस्थानों व वर्ष 2017-18 में 8 शिक्षण संस्थानों के कुल 5133 छात्रों ने बिना परीक्षा में शामिल हुए छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में 9.69 करोड़ रुपए प्राप्त किए। इनसे भी पेंशन से 50 प्रतिशत स्थाई रूप से कटौती किए जाने के साथ ही 1 .96 करोड़ रुपए की वसूली के निर्देश दिए गए हैं।

मथुरा के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी और अब सेवानिवृत्त हो चुके उमा शंकर शर्मा ने वर्ष 2015-16 से 2019-20 तक 11 मान्यताविहीन संस्थानों को 2.53 करोड़ की राशि का भुगतान छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में किया। संस्थाओं ने आईटीआई पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीट के सापेक्ष 5526 अधिक छात्रों की राशि का भुगतान अनियमित तरीके से प्राप्त किया। उनकी पेंशन से 50 प्रतिशत की स्थाई रूप से कटौती के साथ 88 लाख 94 हजार 40 रुपए की वसूली का निर्देश दिया गया है।

पीएम मोदी के खिलाफ फर्जी खबरें बनाने वाला बीबीसी फिर विवाद में

ट्रंप के भाषण से बीबीसी ने की आपराधिक छेड़छाड़

वॉशिंगटन/लंदन, 10 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के खिलाफ फर्जी खबरें प्रसारित करने वाला लंदन का मीडिया संस्थान बीबीसी फिर विवाद में है। बीबीसी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के साथ आपराधिक छेड़छाड़ करने के बाद उसे प्रसारित किया। डोनाल्ड ट्रंप ने इस गंभीर प्रतिक्रिया जाहिर की और बीबीसी के पत्रकारों को चोर पत्रकार बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति के तीखे तेवर से घबराए बीबीसी ने चैनल के डायरेक्टर जनरल टिम डेवी और समाचारों के प्रभारी सीईओ डेबोरा टर्नस को बर्खास्त कर दिया है। हालांकि जाहिरा तौर पर कहा जा रहा है कि दोनों ने इस्तीफा दिया है। लेकिन अंदर की खबर यह है कि डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के प्रसारण से जुड़ी पूरी टीम को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इन हरकतों से दुनियाभर में बीबीसी की थू-थू हो रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीबीसी द्वारा उनका छेड़छाड़ किया गया भाषण प्रसारित करने

के विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए बीबीसी के जिम्मेदार अधिकारियों को लताड़ा और उन्हें बेईमान और चोर कहा। बीबीसी ने साल 2021 में ट्रंप द्वारा दिए गए एक भाषण में अपनी पसंद से काट-छांट कर उसे प्रसारित किया। इसके प्रसारण के बाद हंगामा खड़ा हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, बीबीसी के शीर्ष लोग, जिनमें टिम डेविड, जो बॉस थे, और अन्य सभी ने इस्तीफा दे दिया है या उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है, क्योंकि वे मेरे 6 जनवरी के अच्छे भाषण से छेड़छाड़ करते पाए गए। इन भ्रष्ट पत्रकारों का भंडाफोड़ करने के लिए टेलीग्राफ का धन्यवाद। इन बेईमान लोगों ने राष्ट्रपति चुनाव में दखल देने की कोशिश की। सबसे बड़ी बात ये लोग उस देश से हैं, जो हमारा सबसे करीबी सहयोगी है। लोकतंत्र के लिए यह कितनी भयावह बात है।विवाद यह है कि बीबीसी ने 6 जनवरी 2021 को दिए गए ट्रंप के उस भाषण का संपादित संस्करण प्रसारित किया था, ▶10 पर

ईमानदारी के साथ चुनाव कराना हमारे राष्ट्रीय संकल्प का सबूत है : ज्ञानेश कुमार

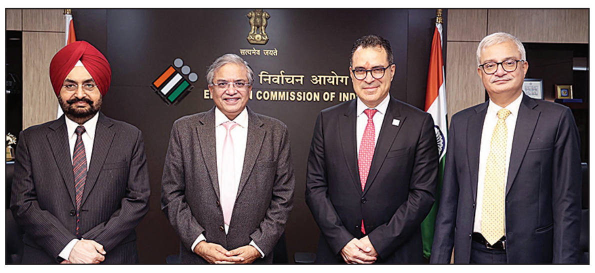

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (आईडीईए) के डेलिगेशन से मुलाकात की। इस डेलिगेशन का नेतृत्व आईडीईए के महासचिव केविन कैसास जमोरा कर रहे थे। उनके साथ चीफ ऑफ स्टाफ जेसिका केहेस और सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज भी मौजूद थे। यह पहल सीईसी के जून में स्टॉकहोम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में की-नोट एड्रेस देने के कुछ महीने बाद हुई है।इंटरनेशनल आईडीईए द्वारा होस्ट किए गए इस ग्लोबल फोरम में बोलते हुए, सीईसी ने आयोग की ईमानदारी से चुनाव कराने और इलेक्शन मैनेजमेंट बॉडीज (ईएमबी) के लिए ग्लोबल कैपेसिटी-बिल्डिंग पहलों को सपोर्ट करने की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया।इस कॉन्फ्रेंस में लगभग 50 देशों के ईएमबी का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।उन्होंने कहा कि पूरी ईमानदारी के साथ चुनाव कराना हमारे राष्ट्रीय संकल्प का सबूत है। साथ ही, उन्होंने चुनावी तरीकों में ईसीआई की ग्लोबल लीडरशिप पर भी जोर दिया।भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर जोर देते हुए कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव राजनीतिक पार्टियों, उम्मीदवारों, ऑब्जर्वर, मीडिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की निगरानी में होते हैं, जिससे हर स्टेज पर ऑडिट जैसी ट्रांसपेरेंसी बनी रहती है।उन्होंने कहा कि आम चुनावों के दौरान, चुनाव आयोग 2 करोड़ से ज्यादा लोगों को इकट्ठा करता है, जिसमें पोलिंग स्टाफ, पुलिस, ऑब्जर्वर और पॉलिटिकल एजेंट शामिल होते हैं।

नए उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे हैं शहरी सहकारी बैंक क्षेत्र : शाह

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पिछले 3-4 साल में देश का शहरी सहकारी बैंक क्षेत्र और सहकारी क्रेडिट सोसायटी क्षेत्र नए उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

श्री शाह ने आज यहां शहरी सहकारी ऋण क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'को-ऑप कुंभ-2025' कार्यक्रम में कहा कि अर्बन सहकारी बैंक और क्रेडिट सोसायटी के सहकारिता कुंभ का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में हो रहा है। पिछले 3-4 साल में देश का अर्बन कोऑपरेटिव बैंक क्षेत्र और कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी क्षेत्र नए उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे हैं। को-ऑप कुंभ 2025 के दौरान पॉलिसी, तकनीक और नवाचार के विषय पर इस क्षेत्र से जुड़ी कई संभावनाओं का दोहन करने के लिए विचार होगा।

उन्होंने कहा कि को-ऑप कुंभ 2025 के ज़रिए अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों के विस्तार का हमारा स्वप्न बहुत जल्दी पूरा होगा। आज यहां सहकार डिजी-पे और सहकार डिजी-लोन को अंब्रेला संगठन द्वारा लांच किया गया है। सहकार डिजी-पे एप्प के माध्यम से छोटे से छोटे अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों को भी डिजिटल पेमेंट की सुविधा प्राप्त हो सकेगी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद से मोदी सरकार ने कोऑपरेटिव से जुड़े हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन करने के लिए कई महत्वपूर्ण नीति विषयक निर्णय लिए हैं। इसके साथ-साथ, सहकारिता क्षेत्र को मॉडर्नाइज करने, इसकी कठिनाइयों के निवारण और कोऑपरेटिव की पहुंच बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने कहा अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों को अपना कोर काम मल्टी-सेक्टर अप्रोच के साथ देश के युवा उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और कमजोर तबके के लोगों के सशक्तिकरण के लिए करना होगा। हमारा लक्ष्य कोऑपरेटिव को मजबूत करने के साथ-साथ कमजोर तबके के लोगों को भी मज़बूत करना है और अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों के सिवा यह काम कोई और नहीं कर सकता। अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के माध्यम से कमजोर व्यक्ति का सशक्तीकरण करना भी हमारा लक्ष्य होना चाहिए।केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा , हमने पिछले दो साल में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ (एनपीए) को 2.8 प्रतिशत से घटाकर 0.06 प्रतिशत करने में सफलता प्राप्त की है। हर शहर में एक अर्बन कोऑपरेटिव बैंक बनाना तभी संभव है जब हम कोऑपरेटिव सोसायटी को बैंक में परिवर्तित करने का प्रयास करें।उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े हमारी प्रगति के द्योतक नहीं हो सकते, इसके साथ -साथ यह प्रयास भी होना चाहिए कि हर व्यक्ति को कुछ काम मिले और उसका जीवन स्तर बढ़े और कोऑपरेटिव के बिना यह नहीं हो सकता।श्री शाह ने कहा कि कोऑपरेटिव के कॉन्सेप्ट और महत्व को भारत सरकार और सभी राज्य सरकारें पूरी तरह से समझती है और अब एक नए विश्वास और मेहनत के साथ एक पारदर्शी और परिणामोन्मुखी तरीके से काम करने की ज़रूरत है।

बिहार चुनाव के अंतिम चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान आज

1302 प्रत्याशियों का राजनैतिक भविष्य तय होगा

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में दूसरे और अंतिम चरण के 122 विधानसभा क्षेत्रों में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच होने वाले मतदान में 1302 प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का फैसला लगभग तीन करोड़ 70 लाख मतदाता करेंगे।दूसरे और अंतिम चरण में 11 नवंबर को मतदान का सामान्य समय सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक रहेगा। सुरक्षा कारणों से कटोरिया (सुरक्षित) के 121 मतदान केंद्रों, बेलहर के 140, चैनपुर, चेनारी (सुरक्षित) के 62, गोह के 25, नवीनगर के 26, कुटुंबा (सुरक्षित) के169 ,औरंगाबाद के 57, रफीगंज के 125, गुरूआ के 12, शेरघाटी के 48 , इमामगंज (सुरक्षित) के 361, बाराचट्टी (सुरक्षित) के 36 और बोधगया (सुरक्षित) के 20 मतदान केंद्रों, रजौली (सुरक्षित), गोविंदपुर और जमुई जिले की सभी चार सीटें सिकंदरा (सुरक्षित),जमुई, झाझा और चकाई में मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक ही चलेगा।बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने बताया कि विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान 122 निर्वाचन क्षेत्रों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सुरक्षा बलों की कुल 1650 कंपनियाँ तैनात की गई हैं, जबकि पर्याप्त संख्या में बिहार सैन्य पुलिस (बीएमपी) के जवान भी बिना किसी बाधा के मतदान सुनिश्चित करने के लिए तैनात रहेंगे। उन्होंने

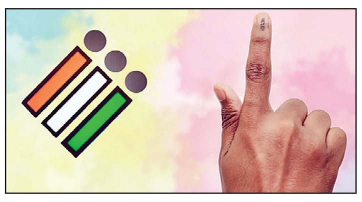

बताया कि मतदान में व्यवधान उत्पन्न करने वाले असामाजिक तत्वों को नदी मार्ग से आवाजाही रोकने के उद्देश्य से नाव से गश्ती के लिये बलो की तैनाती भी की गयी है।डीजीपी ने बताया कि मतदान में गड़बड़ी उत्पन्न करने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। किसी भी घुसपैठ को रोकने के लिए भारत-नेपाल सीमा से लगे सात जिलों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की सीमा से लगे बिहार के जिलों में अतिरिक्त सर्तकता बरती जा रही है। नेपाल के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा को रविवार से 72 घंटे के लिए सील कर दिया गया है।इस बीच, चुनाव कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी मतदान प्रक्रिया की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। आयोग ने कानून-व्यवस्था की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए 122 सामान्य पर्यवेक्षक, 20 पुलिस पर्यवेक्षक और 34 व्यय पर्यवेक्षक को तैनात किया है।दूसरे चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों के मतदान में 45399 मतदान केंद्र पर तीन करोड़ 70 लाख 13 हजार 556 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर 136 महिला और 1165 पुरुष प्रत्याशी और एक अन्य समेत कुल 1302 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद कर देंगे। मतदाताओं में एक करोड़ 95 लाख 44 हजार 41 पुरुष, एक करोड़ 74 लाख 68 हजार 572 महिला और 943 थर्ड जेंडर शामिल हैं।सबसे ज़्यादा 3,67,667 मतदाता हिसुआ विधानसभा सीट पर हैं, जबकि सबसे कम 2,47,574 मतदाता मखदुमपुर सीट पर हैं। पूरी तरह महिलाओं द्वारा प्रबंधित मतदान केंद्रों की संख्या 595 है, जबकि आदर्श मतदान केंद्रों की संख्या 316 है।अस्सी वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 487219 और शतायु मतदाताओं की संख्या 6255 है। दूसरे चरण के चुनाव में सबसे अधिक 22 उम्मीदवार चैनपुर, सासाराम और गया टाउन में, वहीं लौरिया, चनपटिया, रक्सौल, सुगौली, त्रिवेणीगंज और बनमंखी में सबसे कम पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे हैं।दूसरे चरण के चुनाव में राष्ट्रीय जनतंत्रिक गठबंधन (राजग) से जिन दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है, उनमें पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी, पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, बिजेन्द्र प्रसाद यादव,डा. प्रेम कुमार, नीरज कुमार सिंह, श्रीमती लेशी सिंह,नीतीश मिश्रा, सुनील कुमार पिंटू,सुमित कुमार सिंह, जयंत राज, विजय कुमार मंडल,मोहम्मद जमा खान,प्रमोद कुमार, कृष्ण नंदन पासवान,कृष्ण कुमार ऋषि,शीला मंडल, महाबली सिंह, दुलालचंद गोस्वामी,श्रेयसी सिंह, राजू तिवारी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता, अनिल कुमार, हिदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी की बहू दीपा कुमारी और समधन ज्योति देवी समेत अन्य शामिल हैं।इसी तरह महागठबंधन से पूर्व विधान सभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री जय प्रकाश नारायण यादव , पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, अब्दुल जलील मस्तान,बीमा भारती, कौशल यादव, पूर्णिमा यादव,राजेश राम, अजीत शर्मा, समेत अन्य की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुयी है। इन सबके साथ ही ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल ईमान भी दूसरे दौर के चुनावी अखाड़े में जोर आजमाइश के लिए उतरे हैं।दूसरे और अंतिम चरण में राज्य के जिन 122 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव होना है उनमें वाल्मिकी नगर, रामनगर (सुरक्षित), नरकटियागंज, बगहा, लौरिया, नौतन,चनपटिया, बेतिया,सिकटा,रक्सौल, सुगौली, नरकटिया, हरसिद्धि (सुरक्षित), गोविंदगंज, केसरिया, कल्याणपुर, पिपरा, मधुबन, मोतिहारी, चिरैया, ढाका, शिवहर, रीगा, बथनाहा (सुरक्षित)है।

भारत को रक्षा क्षेत्र में वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करें : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सभी 16 डिफेंस पीएसयू देश की आत्मनिर्भरता के मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में भारत ने 1.51 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन किया है। इसमें डिफेंस पीएसयूज का योगदान 71.6 प्रतिशत रहा। रक्षा निर्यात 6,695 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो यह दर्शाता है कि 'मेक इन इंडिया' उत्पादों पर वैश्विक भरोसा बढ़ रहा है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी सैन्य कार्रवाइयों में स्वदेशी रक्षा प्रणालियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि यह भारत की तकनीकी क्षमता और विश्वसनीयता का प्रमाण है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में निर्मित अत्याधुनिक 'डीपीएसयू भवन' का उद्घाटन किया और यह जानकारियां दीं। इस दौरान उन्होंने रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने चार डीपीएसयू म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड, आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड, इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड और हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड को मिनी रत्न (श्रेणी-

1) का दर्जा मिलने पर सम्मानित किया। उन्होंने चारों डीपीएसयूज को मिनी रत्न का दर्जा मिलने पर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इससे इन डिफेंस पीएसयू को अधिक वित्तीय स्वायत्तता, नवाचार और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2021 में ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड के पुनर्गठन के बाद बने सात नए डीपीएसयूज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

कार्यक्रम में तीन महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए। एचएएल और बीडीएल ने यान्त्र इंडिया लिमिटेड के साथ उसके आधुनिकीकरण और नई सुविधा स्थापित करने के लिए एमओयू किया। एचएएल ने 435 करोड़ रुपए की ब्याज-मुक्त अग्रिम राशि देने का निर्णय लिया।

वहीं, मिधानी में मेटल बैंक की स्थापना के लिए एक समझौता किया गया, ताकि राष्ट्रीय रक्षा परियोजनाओं के लिए आवश्यक धातु की आपूर्ति बाधित न हो। राजनाथ सिंह ने एचएएल रिसर्च एंड डेवलपमेंट मैनुअल और डीपीएसयूज की आरएंडडी रोडमैप का भी अनावरण किया। यह दस्तावेज रक्षा क्षेत्र को लाइसेंस आधारित उत्पादन से स्वदेशी डिजाइन एवं विकास की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उन्होंने कहा कि डीपीएसयूज को स्पष्ट आरएंडडी और स्वदेशीकरण रोडमैप बनाकर अगले समीक्षा सत्र में प्रस्तुत करने चाहिए। रक्षा मंत्री ने 'स्वयं सस्टेनेबल एंड ग्रीन डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग' पहल की शुरुआत की। यह डीपीएसयूज में ऊर्जा दक्षता, अक्षय ऊर्जा उपयोग और कार्बन उत्सर्जन में कमी के प्रयासों का संकलन है।

कर्नाटक कांग्रेस ने वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान में लिये 1.21 करोड़ हस्ताक्षर आलाकमान को सौंपे

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कहा है कि पार्टी के 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के तहत प्रदेश में करीब सवा करोड़ लोगों के हस्ताक्षर लिये गये हैं और सभी हस्ताक्षर दिल्ली लाकर पार्टी को सौंपे गये हैं1 श्री कुमार ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ व्यापक स्तर पर 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के तहत 1.21 करोड़ लोगों के हस्ताक्षर एकत्रित किए गए हैं और सभी हस्ताक्षर आलाकमान को सौंपे गये हैं।

उन्होंने कहा कि 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के तहत कराए गये हस्ताक्षर में कर्नाटक पहले स्थान पर है। अभियान को आलाकमान से इशारा मिलने के बाद आगे भी जारी रखा जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इससे जोड़ा जा सके। इसके साथ ही उन्होंने हस्ताक्षरों वाले कागजों के बंडलों को कांग्रेस मुख्यालय में दे दिया है। उनका कहना था कि भाजपा गलती स्वीकार नहीं करती और यही अवधारणा चुनाव आयोग पर भी लागू हो रही है। दोनों 'वोट चोरी' की हकीकत को नकार रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम देश के लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि 'वोट चोरी' हुई है और यह सिलसिला जारी है लेकिन लोगों को समझना है कि वे सतर्क रहें ओर 'वोट चोरी' नहीं होने दें।'कांग्रेस नेता ने कहा कि हस्ताक्षर अभियान में पार्टी के लोगों ने मतदाताओं से निजी स्तर पर भी जानकारी हासिल की है। इसमें सवा करोड़ लोगों के हस्ताक्षर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोगों के घरों पर जाकर करवाए हैं। हर घर जाकर यह हस्ताक्षर कराने का प्रयास किया गया है। इस काम में पार्टी के सभी स्तर के नेताओं ने अपना सक्रिय सहयोग दिया है। यह सारा काम कांग्रेस नेता राहुल गांधी के निर्देश पर हुआ है और जो टास्क उन्होंने कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं को दिया उसे बखूबी पूरा किया गया है।

उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर अभियान में व्यक्ति के नाम के साथ उसके फोन नम्बर को रखा गया है। इस काम के जरिए लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षरों के बंडल कर्नाटक से वह लेकर आये हैं और इसकी सूचना सुबह श्री खरगे से मिलकर वह दे चुके हैं।

धर्मेंद्र की हालत नाजुक : ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती वेंटिलेटर सपोर्ट पर अभिनेता

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड के चमकते सितारे धर्मेंद्र इन दिनों अपनी सेहत को लेकर चर्चा में हैं। वह मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती हैं।आईएएनएस के करीबी सूत्रों की मानें तो उनकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। यह खबर सुनकर उनके प्रशंसक और फिल्म जगत के लोग चिंतित हैं। सूत्रों की जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र रुटीन चेकअप के लिए अस्पताल गए थे, लेकिन कुछ जांचों और चिकित्सकों की सलाह के बाद उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें लाइफ सपोर्ट पर रखा गया है।डॉक्टर लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं और उनके इलाज के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।धर्मेंद्र की बारे में बात करें तो उनका नाम भारतीय सिनेमा में हमेशा एक चमकते सितारे के रूप में लिया जाता रहा है। छह दशक लंबे अपने फिल्मी करियर में उन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया।

त्रिशूल अभ्यास में 30 हजार सैनिकों ने दिखाए जौहर, तीनों सेनाओं के बीच जबरदस्त तालमेल

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में तीनों सेनाओं के अब तक के सबसे बड़े सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' में सेनाओं के बीच बेजोड़ तालमेल, अंतरसंचालन और साझा शक्ति की क्षमता का नमूना देखने को मिला। नौसेना ने सोमवार को बताया कि राजस्थान, गुजरात और उत्तरी अरब सागर में हुए इस संयुक्त अभ्यास में या कि यह संयुक्त अभ्यास में सेना, नौसेना और वायु सेना के 30 हजार से ज़्यादा अधिकारियों तथा सैनिकों ने अपने जौहर दिखाए। अभ्यास में वायु सेना के 40 से ज़्यादा विमानों और सहायक ग्राउंड सिस्टम, और तीनों सेवाओं के स्वदेशी हथियारों तथा प्लेटफॉर्म ने हिस्सा लिया। इसके अलावा तटरक्षक बल, सीमा सुरक्षा बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों की भागीदारी ने अंतर-एजेंसी समन्वय को और मज़बूत किया जो एकजुटता, 'आत्मनिर्भरता' और नवाचार का उदाहरण है।अभ्यास के दौरान सेना ने रण और क्रीक सेक्टर में अभ्यास 'ब्रह्माशिरा' भी किया जिसमें तीनों सेवाओं, भारतीय तटरक्षक बल और सीमा सुरक्षा बल को नागरिक प्रशासन के साथ सहज समन्वय में एक साथ लाकर जमीन, समुद्र और हवा में एकीकृत क्षमताओं को प्रमाणित किया गया।

अभ्यास में सेना की एक दशक लंबी परिवर्तन की यात्रा की झलक देखने को मिली जिसमें अत्याधुनिक संयुक्त नियंत्रण केंद्र और बहु-डोमेन संचालन के लिए जरूरी मजबूत संचालन बुनियादी ढांचा शामिल था। इसमें नई संरचनाओं, उन्नत प्रौद्योगिकियों और बदलती परिस्थितियों में युद्ध क्षमताओं का भी प्रदर्शन किया गया।

अभ्यास ब्रह्माशिरा सैन्य-नागरिक तालमेल और 'संपूण राष्ट्र' के दृष्टिकोण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दिखाता है जो सशस्त्र बलों की सभी क्षेत्रों में त्वरित समन्वित निर्णायक जवाबी कार्रवाई की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

संपादकीय

घुसपैठियों के 'सेवा सदन'

प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और बिहार चुनाव के प्रभारी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान विदेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर कुछ भी बयान देते रहें, पांच साल में बिहार को घुसपैठिया-मुक्त करने के दावे करते रहें, लेकिन 11 साल की भारत सरकार में उन्होंने कितने घुसपैठियों को चिह्नित किया और उनके देश वापस भेजा है, इसकी सही संख्या बताने को कोई तैयार नहीं है। भाजपा 1989 से संयुक्त बिहार में घुसपैठियों का मुद्दा उठाती रही है, लेकिन आज भी वह उतना ही प्रासंगिक है। चूंकि बिहार में दूसरे चरण के मतदान से पहले गांवों-कस्बों में 'जातीय गोलबंदी' कसती जा रही है, लिहाजा प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के बड़े नेताओं को मजबूरन 'घुसपैठ, घुसपैठ' चिल्लाना पड़ रहा है। 'जातीय गोलबंदी' की काट के लिए 'हिंदू-मुसलमान' का राग अलापना पड़ा है। घुसपैठियों के स्थूल मायने हैं कि वे मुसलमान ही होंगे, लिहाजा इस तरह भाजपा हिंदू वोट बैंक को लामबंद करने की राजनीति खेल रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने तो यहां तक कह दिया कि राहुल बाबा और लालू के बेटे को वोट की खातिर 'घुसपैठिया यात्रा' निकालनी पड़ी। वे उन्हें देश के नागरिक बनाने पर आमादा हैं, लेकिन हम घुसपैठियों को चुन-चुन कर देश से बाहर निकालेंगे। मई, 2014 से पहले लगातार 10 साल तक केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। उस दौरान 2005 से 2013 तक कुल 88,792 विदेशी घुसपैठियों की धरपकड़ की गई। उन्हें उनके मूल देश वापस भी भेजा गया होगा, लेकिन मौजूदा भाजपा-एनडीए सरकार के अभी तक 11 साल के कार्यकाल में 2500 घुसपैठियों को भी चिह्नित करके देश से खदेड़ा नहीं जा सका है। यह सरकारी आंकड़ों से ही स्पष्ट है। इस साल अक्तूबर, 2025 तक का आंकड़ा मात्र 235 है, जबकि करीब 1100 घुसपैठिए दिल्ली के 'सेवा सदनों' में हिरासत में कैद हैं, लेकिन रोटियां फाड़ रहे हैं और सरकारी मलाई चाट रहे हैं। दरअसल मोदी सरकार की एक नई सोच, रणनीति, दृष्टि सामने आई है, जिसे देश शायद ही जानता होगा! केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक गजट अधिसूचना के जरिए राज्यों और संघशासित प्रदेशों को आदेश जारी किए हैं कि वे अवैध, विदेशी घुसपैठियों के लिए 'डिटेंशन सेंटर' (हिरासत केंद्र) स्थापित करें। गृह मंत्रालय का तर्क है कि ये हिरासत केंद्र बनाना इसलिए जरूरी है, ताकि घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने से पहले उनकी देश के भीतर आवाजाही प्रतिबंधित की जा सके। मोदी सरकार अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरह घुसपैठियों को हथकड़ी और बेडियों में बांध कर देश-निकाला क्यों नहीं दे सकती? अमरीका ने तो भारतीय अवैध प्रवासियों को इस तरह भेजा था, लेकिन मोदी सरकार एक लंबी प्रक्रिया के तहत इस समस्या को बरकरार रखना चाहती है। गृह मंत्रालय ने ये आदेश भी जारी किए हैं, जिनकी परिधि में निजी क्षेत्र भी है। आदेश के अनुसार, कोई भी विदेशी, जिसके पास भारत में रोजगार करने का वैध वीजा है, वह नागरिक प्राधिकरण की अनुमति के बिना, बिजली या पानी की आपूर्ति अथवा पेट्रोलियम क्षेत्र में कार्यरत निजी क्षेत्र के किसी भी उपक्रम में, काम नहीं कर सकेगा। रक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा या मानवाधिकार अथवा इस संबंध में निर्दिष्ट किसी अन्य निजी क्षेत्र के उपक्रम में, केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति के बिना, ऐसे विदेशियों को रोजगार पर नहीं रखा जा सकता। सवाल है कि विदेशी घुसपैठियों के मद्देनजर यह सब कुछ करना क्यों जरूरी समझा गया? क्या घुसपैठियों को चिह्नित करने, उन्हें सजा देने, अंततः उनके मूल देश वापस भेजने में भारत सरकार को दिक्कतें पेश आ रही हैं? अब तो ब्रिटेन ने भी भारतीय अप्रवासियों के करीब 98,000 वीजा दोबारा चैक करने का फैसला लिया है। जाहिर है कि वह भी अवैध घुसपैठियों को देश से निकालने की राह पर चल पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही घुसपैठियों के लिए तीन 'सेवा सदन' स्थापित हैं। ये उन हिरासत केंद्रों के नाम हैं, जहां बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को कैद करके रखा गया है। दरअसल घुसपैठ पर मोदी सरकार की नीति स्पष्ट और पारदर्शी नहीं है। असम में घुसपैठियों को लेकर जो अभियान चलाया गया था, उसमें अधिकतर गैर-मुस्लिम निकले, लिहाजा अभियान को रोक देना पड़ा। घुसपैठियों पर सख्ती जरूरी है, क्योंकि कोई भी विदेशी भारत को 'धर्मशाला' समझ कर नहीं घुस सकता। अवैध घुसपैठ पर जल्द से जल्द रोक लगनी चाहिए।

पांच साल में बिहार को घुसपैठिया-मुक्त करने के दावे करते रहें, लेकिन 11 साल की भारत सरकार में उन्होंने कितने घुसपैठियों को चिह्नित किया और उनके देश वापस भेजा है, इसकी सही संख्या बताने को कोई तैयार नहीं है। भाजपा 1989 से संयुक्त बिहार में घुसपैठियों का मुद्दा उठाती रही है, लेकिन आज भी वह उतना ही प्रासंगिक है। चूंकि बिहार में दूसरे चरण के मतदान से पहले गांवों-कस्बों में 'जातीय गोलबंदी' कसती जा रही है, लिहाजा प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के बड़े नेताओं को मजबूरन 'घुसपैठ, घुसपैठ' चिल्लाना पड़ रहा है। 'जातीय गोलबंदी' की काट के लिए 'हिंदू-मुसलमान' का राग अलापना पड़ा है। घुसपैठियों के स्थूल मायने हैं कि वे मुसलमान ही होंगे, लिहाजा इस तरह भाजपा हिंदू वोट बैंक को लामबंद करने की राजनीति खेल रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने तो यहां तक कह दिया कि राहुल बाबा और लालू के बेटे को वोट की खातिर 'घुसपैठिया यात्रा' निकालनी पड़ी। वे उन्हें देश के नागरिक बनाने पर आमादा हैं, लेकिन हम घुसपैठियों को चुन-चुन कर देश से बाहर निकालेंगे। मई, 2014 से पहले लगातार 10 साल तक केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। उस दौरान 2005 से 2013 तक कुल 88,792 विदेशी घुसपैठियों की धरपकड़ की गई। उन्हें उनके मूल देश वापस भी भेजा गया होगा, लेकिन मौजूदा भाजपा-एनडीए सरकार के अभी तक 11 साल के कार्यकाल में 2500 घुसपैठियों को भी चिह्नित करके देश से खदेड़ा नहीं जा सका है। यह सरकारी आंकड़ों से ही स्पष्ट है।

कुछ अलग

प्रेम का प्रसाद

वृंदावन के संत, माधवदास, पैदल चलकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन को निकले। मन में बस प्रभु के दर्शन की आशा थी। जब वे ओडिशा के रेमुणा पहुंचे, तो उन्होंने गोपीनाथ जी का भव्य मंदिर देखा और सोचा, 'आज यहीं दर्शन कर लूं, शायद प्रसाद मिल जाए।' मंदिर में रोज सात कसोरों में खीर चढ़ाई जाती थी, जिसे भक्तों में बांट दिया जाता था। माधवदास भी लाइन में लगे, लेकिन जब उनका नंबर आया, तो खीर खत्म हो चुकी थी। वे बाहर पेड़ के नीचे बैठ गए और बोले, 'प्रभु, आप अन्नदाता हैं, द्वार पर आकर भी भूखे लौटूं? यह आपकी लीला है?' रात को पुजारी को स्वप्न में भगवान गोपीनाथ प्रकट हुए और कहने लगे, 'उठो, मेरा एक भक्त भूखा है, पेड़ के नीचे बैठा है, उसकी खातिर खीर लाओ।' पुजारी ने कहा, 'सारा प्रसाद तो बांट चुका हूं।' भगवान मुस्कुराए, 'सात कसोरों में से एक मैंने मंदिर में रखा है।' पुजारी दौड़ते हुए पहुंचे, और वाकई एक गर्म और ताजा खीर से भरा कसोरा वहां था। वे भावुक होकर खीर लेकर माधवदास के पास गए और बोले, 'प्रभु ने आपके लिए खीर भेजी है।'

स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का अंतिम लक्ष्य 2047 तक आम आदमी के विकास के साथ विकसित भारत का निर्माण करना

स्वदेशी, आत्मनिर्भरता व आर्थिक सुधार

डा. जयंती लाल भंडारी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने एसबीआई कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से स्वदेशी आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुधार देश की अर्थव्यवस्था बड़ा सहारा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है, जो अपने लिए और दुनिया के लिए डिजाइन, उत्पादन और नवाचार करता है। साथ ही एक ऐसी अर्थव्यवस्था की है, जो आत्मविश्वास, उद्यमिता और संवेदनशीलता से प्रेरित हो। आत्मनिर्भर भारत के पांच प्रमुख आयाम हैं, जिसमें आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक आत्मनिर्भरता, तकनीकी आत्मनिर्भता, सामरिक आत्मनिर्भरता और ऊर्जा आत्मनिर्भरता शामिल हैं। सीतारमण ने कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग-थलग रहना नहीं है, बल्कि यह एक मजबूत और सक्षम परस्पर निर्भरता है, जो घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ वैश्विक वैल्यू चेन से जुडने की क्षमता रखती है।

हाल ही में 7 नवंबर को प्रकाशित विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है। अब भारत को 2047 तक 30000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए आर्थिक-वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2017 में पिछले एफएसए के बाद से भारत की वित्तीय प्रणाली अधिक मजबूत, विविध और समावेशी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्तीय क्षेत्र में सुधारों ने भारत को 2010 के दशक के विभिन्न संकटों और महामारी से उबरने में मदद की। रिपोर्ट में खाता उपयोग को और बढ़ावा देने और व्यक्तियों तथा एमएसएमई के लिए वित्तीय उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच को आसान बनाने के सुझाव भी दिए गए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने एसबीआई कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से स्वदेशी आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुधार देश की अर्थव्यवस्था बड़ा सहारा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है, जो अपने लिए और दुनिया के लिए डिजाइन, उत्पादन और नवाचार करता है। साथ ही एक ऐसी अर्थव्यवस्था की है, जो आत्मविश्वास, उद्यमिता और संवेदनशीलता से प्रेरित हो। आत्मनिर्भर भारत के पांच प्रमुख आयाम हैं, जिसमें आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक आत्मनिर्भरता, तकनीकी आत्मनिर्भता, सामरिक आत्मनिर्भरता और ऊर्जा आत्मनिर्भरता शामिल हैं। सीतारमण ने कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग-थलग रहना नहीं है, बल्कि यह एक मजबूत और सक्षम परस्पर निर्भरता है, जो घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ वैश्विक वैल्यू चेन से जुडने की क्षमता रखती है। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का अंतिम लक्ष्य 2047 तक आम आदमी के विकास के साथ विकसित भारत का निर्माण करना है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में भारत स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के साथ अपने आर्थिक, वित्तीय और अन्य सुधारों के दम पर वैश्विक चुनौतियों के बीच मजबूती से आगे बढ़ा है।

साथ ही भारत की घरेलू खपत भी भारत की आर्थिक शक्ति बन गई है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और व्यापार तनाव के बीच वैश्विक वृद्धि दर धीमी है, इसके बावजूद भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओ में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है। साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। इसी तरह एसबीआई कैपिटल मार्केट्स की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय वैश्विक व्यापार की चुनौतियों और ट्रंप के 50 फीसदी उच्च टैरिफ के चलते भारत की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्टूबर से मार्च के बीच मजबूत घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत व्यय अर्थव्यवस्था को सहारा देते हुए दिखाई देंगे। बीते माह अक्टूबर 2025 में घरेलू खपत तेजी से बढ़ी है। निःसंदेह स्वदेशी और आत्मनिर्भरता से भारत की नई आर्थिक अनुकूलताओं और विकास की नई संभावनाओं का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। इस समय महंगाई घटने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से भारत की घरेलू खपत तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रही है। पिछले दिनों दिवाली के त्योहारी बाजार में बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर रही है। ई-कॉमर्स ने दमदार उछाल दर्ज की है। यह भी महत्वपूर्ण है कि फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक जहां वर्ष 2023 में दिवाली के त्योहारी बाजार में 3.75 लाख करोड़ रुपये और वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपये की खरीददारी हुई थी, वहीं इस बार त्योहारी सीजन के तहत खरीददारी छह लाख करोड़ रुपये के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई। निश्चित रूप से इस वर्ष 2025 में कर संरचना को सरल बनाने वाले जीएसटी तथा आयकर सुधारों के बाद अब सरकार अगली पीढ़ी के सीमा शुल्क सहित अन्य सुधारों की डगर पर तेजी से काम कर रही है। इसी के आधार पर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी भारतीय अर्थव्यवस्था जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए दिखाई दे सकेगी। ऐसे में अब कई अहम बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। पेट्रोल और डीजल को भी जीएसटी व्यवस्था में शामिल करने की तैयारी करनी होगी। एक बार जब पेट्रोल और डीजल को जीएसटी प्रणाली में शामिल कर लिया जाएगा, तो इनके उपभोक्ताओं को तो लाभ होगा ही, लेकिन इनका उपयोग करने वाली प्रत्येक कंपनी को भी लाभ होगा, क्योंकि वे इन उत्पादों पर दिए गए कर को अपने अंतिम कर भुगतान के विरुद्ध समायोजित कर लाभ ले सकेंगी। अब जीएसटी कर मूल्यांकन प्रणाली को व्यवस्थित करना भी आवश्यक है। इस बात पर ध्यान देना होगा कि जिस प्रकार इनकम टैक्स मूल्यांकन प्रणाली अब पूरी तरह से ऑनलाइन हो चुकी है और इसमें आम तौर पर किसी मानव हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती, वैसा ही अब जीएसटी प्रणाली को पूरी तरह ऑनलाइन और फेसलेस बनाने के लिए आगे बढ़ा जाना होगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि लोगों के जीवन को आसान बनाने व आर्थिक मजबूती के लिए अब सरकार को आगामी पीढ़ी के सुधार एजेंडा पर तेजी से आगे बढना होगा। सरकार को कृषि, बैंकिंग, श्रम, डिजिटलीकरण और वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की डगर पर आगे बढना होगा। डिजिटलीकरण से वित्तीय समावेशन में मदद बढ़ाना होगी। घरेलू बाजार को और मजबूत बनाने के मद्देनजर लॉजिस्टिक लागत घटाने के लिए नई लॉजिस्टिक नीति के अनुरूप तेजी से आगे बढना होगा। इनके साथ-साथ विनिवेश पर नए सिरे से जोर देने की आवश्यकता है। देश में विनिवेश एक नया नहीं बल्कि पुराना एजेंडा है। सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान एक नई रणनीतिक विनिवेश नीति की घोषणा की थी। इस नीति के मुताबिक सरकार केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) में अपनी मौजूदगी न्यूनतम करेगी। इस बारे में कुछ रणनीतिक क्षेत्रों की ओर ध्यान दिया जाना होगा। इनमें बीमा, परिवहन और दूरसंचार, बिजली, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा, पेट्रोलियम, कोयला और अन्य खनिज आदि प्रमुख हैं। साथ ही सरकार को गैर रणनीतिक क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण या उन्हें बंद किए जाने के मोर्चे पर तेजी से आगे बढना होगा। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि विनिवेश से प्राप्त राशि का एक हिस्सा सार्वजनिक ऋण की अदायगी में भी उपयोग किया जा सकता है। ऐसे में सरकार पर ब्याज भुगतान का बोझ कम होगा और राजकोषीय गुंजाइश बढ़ेगी। ऐसी स्थिति सरकार और अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर होगी। उम्मीद करें कि सरकार देश की अर्थव्यवस्था को 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के साथ नए आर्थिक एवं वित्तीय सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी।

देश दुनिया से

मोदी नेतृत्व और सुशासन मॉडलः बिहार में एनडीए की शानदार वापसी तय

यह जीत केवल राजनीतिक नहीं होगी, यह उस जनसंकल्प की जीत होगी जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में बढ़ता जा रहा है। बिहार का जनादेश यह संदेश देगा कि जब जनता को विश्वास और परिणाम दोनों मिलते हैं, तो लोकतंत्र और मजबूत होता है। बिहार की राजनीति भारतीय लोकतंत्र का एक जीवंत उदाहरण है, जहाँ जनता बार-बार यह साबित करती रही है कि वह केवल वादों के आधार पर नहीं, बल्कि काम और परिणाम के आधार पर निर्णय लेती है। इस बार के विधानसभा चुनाव में यह प्रवृत्ति और स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय नेतृत्व और मुख्यमंत्री नीतीश वुमार के सुशासन मॉडल ने मिलकर जिस जनविश्वास की नींव रखी है, वह बिहार में एनडीए की शानदार वापसी की पृष्ठभूमि तैयार कर चुकी है। पिछले एक दशक में बिहार ने विकास और सुशासन के जो मानक स्थापित किए हैं, वे देश के कईं हिस्सों के लिए उदाहरण बन चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वेंद्र सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासके मंत्र को धरातल पर उतारा है, और नीतीश वुमार ने राज्य स्तर पर उसी नीति को सामाजिक समरसता और प्रशासनिक पारर्दशिता के साथ आगे बढ़ाया है। परिणामस्वरूप, बिहार के गाँव, किसान, युवा, महिलाएँ और मजदूर वर्ग इस बदलाव को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर रहे हैं। कभी बिजली, सड़क और शिक्षा के लिए तरसता बिहार अब इन क्षेत्रों में आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है। हर गाँव तक पक्की सड़क, हर घर तक बिजली और अब हर नल से पानी पहुँचाने की योजनाएँ इस परिवर्तन का प्रमाण हैं। वेंद्र और राज्य की समन्वित नीतियों ने यह सुनिति किया है कि विकास का लाभ केवल शहरी इलाकों तक सीमित न रहे, बल्कि गाँवों, दलितों और पिछड़ों तक समान रूप से पहुँचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वैचारिक भी है। उन्होंने जनता को यह भरोसा दिलाया है कि सरकार का अर्थ केवल सत्ता नहीं, सेवा है। उनके नेतृत्व में वेंद्र की योजनाएँ - उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, किसान सम्मान निधि - ने बिहार के करोड़ों परिवारों के जीवन में ठोस बदलाव लाया है। यह पहली बार हुआ है कि विकास की धारा जाति और वर्ग की सीमाओं से ऊपर उठकर हर नागरिक तक पहुँची है। बिहार में नीतीश वुमार का सुशासन मॉडल प्रशासनिक ईमानदारी और सामाजिक सुधार का प्रतीक रहा है। उन्होंने कानून- व्यवस्था को सुदृढ़ किया, महिला शिक्षा और सशत्तिकरण को बढ़ावा दिया, शराबबंदी जैसी सामाजिक पहल के माध्यम से परिवारों में नईं जागरूकता पैदा की। मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना, कन्या उत्थान योजना और हर घर नल का जल जैसी योजनाओं ने ग्रामीण समाज में विकास की नईं चेतना जगाईं है। यह

वह परिवर्तन है जिसने बिहार की राजनीति को जातीय समीकरणों से निकालकर जनकल्याण की राजनीति में परिर्वतित कर दिया। विपक्षी दल इस बार भी पुराने नारों और आरोपों तक सीमित दिखाईं दे रहे हैं। न तो उनके पास स्पष्ट विजन है, न ही ऐसा नेतृत्व जो जनता को भरोसा दिला सके कि वे स्थिर सरकार दे पाएंगे। उनके गठबंधन केवल सत्ता पाने की आकांक्षा पर आधारित हैं, जबकि एनडीए का गठबंधन कार्यं और परिणाम के सिद्धांत पर टिका है। जनता अब यह भलीभाँति समझती है कि विकास और स्थिरता केवल मजबूत नेतृत्व से ही संभव है। बिहार की युवा पीढ़ी और महिलाएँ इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाने वाली हैं। उन्हें पता है कि रोजगार, सुरक्षा और सम्मान की गारंटी उसी सरकार में है जो पारदशा और जवाबदेह है। कौशल विकास मिशन, स्टार्टअप प्रोत्साहन योजनाएँ और महिला उद्यामिता के लिए उठाए गए कदमों ने इस वर्ग में विश्वास जगाया है। यही कारण है कि युवा मतदाताओं का झुकाव स्पष्ट रूप से एनडीए की ओर दिखाईं देता है। आज बिहार केवल पलायन की पहचान वाला राज्य नहीं रहा। उद्योग, वृषि, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में नईं संभावनाएँ उभर रही हैं। वेंद्र से मिली परियोजनाओं ने राज्य में आधारभूत ढाँचे को मजबूत किया है। चाहे वह गंगा नदी पर बने पुल हों या औद्योगिक गलियारे की परियोजनाएँ - सब बिहार को नईं दिशा दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि और नीतीश वुमार का व्रियान्वयन, इन दोनों का संयोजन ही बिहार की बदलती तस्वीर का आधार बना है। अब चुनावी मंचों पर शोर से अधिक जनता का मिज़ाज सुनाईं दे रहा है। लोग अपने अनुभव से जानते हैं कि कौन सरकार स्थिरता दे सकती है, कौन योजनाओं को धरातल तक पहुँचा सकता है। एनडीए की पिछली सरकारों के कामों का ठोस रिकॉर्ड जनता के मन में विश्वास पैदा कर चुका है। यही कारण है कि इस बार भी जनता विकास और स्थिर नेतृत्व को प्राथमिकता देने जा रही है। बिहार का यह चुनाव केवल राज्य की सत्ता का निर्णय नहीं, बल्कि देश की विकास यात्रा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय होगा। प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रीय नेतृत्व और बिहार का सुशासन मॉडल इस बात का प्रतीक है कि जब नीयत साफ हो और दृष्टि व्यापक हो, तो जनता का समर्थन अटूट रहता है। अंततः, बिहार का मतदाता इस बार भी अपने अनुभव और विवेक से निर्णय लेगा। और यह निर्णय विकास, स्थिरता और सुशासन के पक्ष में होगा। एनडीए की यह संभावित शानदार वापसी इस बात का प्रमाण होगी कि बिहार अब बदलाव नहीं, निरंतरता चाहता है - वह स्थिर विकास की ओर अग्रसर रहना चाहता है। यह जीत केवल राजनीतिक नहीं होगी, यह उस जनसंकल्प की जीत होगी जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में बढ़ता जा रहा है। बिहार का जनादेश यह संदेश देगा कि जब जनता को विश्वास और परिणाम दोनों मिलते हैं, तो लोकतंत्र और मजबूत होता है।

आप का नजरिया

विकसित होने का हौसला

विकसित होने की मंशा में हिमाचल का प्रगतिशील चरित्र कमोबेश हर सरकार का गुणगान करता रहा है, तो इसी मुकाम में अब सुक्खू सरकार के हस्ताक्षर भी देखे जाएंगे। कई परियोजनाएं, योजनाएं और सत्ता के फलक पर चिन्हित होते इरादों की एक झलक मुख्यमंत्री द्वारा आहूत विभागीय बैठकें दे रही हैं। छोटे विभागों के विषय बड़े किए जा रहे हैं, तो विभागीय ढांचों में नई ऊर्जा की उत्पत्ति के स्रोत पैदा हो रहे हैं। पुलिस महकमे के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र के विराम तोडने की कई कोशिशें मेडिकल कालेजों में हो रही हैं। रोबोटिक सर्जरी के पहलू में चमत्कारिक परिवर्तन की आशा लिए आईजीएमसी और टीएमसी ने कार्यदक्षता में एक नई भूमिका खोज ली है, लेकिन चिकित्सा विज्ञान की श्रेष्ठता में हर मेडिकल कालेज के लक्ष्य निरूपित होने चाहिए। दरअसल हिमाचल के प्रत्येक मेडिकल कालेज में पीजीआई का दिल धडक़ना चाहिए। यह एक कड़ी परीक्षा, कार्यसंस्कृति और उच्च स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित गुणवत्ता है, जिसके लिए एक बेहतर प्रबंधकीय व्यवस्था व आचरण की जरूरत रहेगी। हिमाचल साढ़े नौ सौ के करीब प्रति वर्ष डाक्टर पैदा करके चिकित्सा के शब्दकोष बदल सकता है, लेकिन इसकी प्रतिष्ठा के लिए मुकम्मल इंतजाम की शर्तें लागू होनी चाहिएं। अभी कई मेडिकल कालेजों में डाक्टर हैं, तो उपकरण नहीं। उपकरण हैं तो तकनीशियन नहीं और तकनीशियन है तो 24 घंटे इन्हें जगाने की संख्या नहीं। बहरहाल मेडिकल कालेजों की इमरजेंसी में सुपर स्पेशियलिटी के 32 सहायक प्रोफेसरों को भेजा जा रहा है। इससे इतर तमाम जिला, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को भी दक्षता के हिसाब से प्राइवेट अस्पतालों से श्रेष्ठ साबित करना पड़ेगा। विकसित होते हिमाचल की क्षमता में शहरी विकास के सपने फिर से जादुई अरमान जगा रहे हैं। हिमुडा अपने इतिहास के पन्नों पर नई सुर्खियां भरने को आमादा हुआ तो इसे चंडीगढ़ के नजदीक और कांगड़ा एयरपोर्ट के पास दो उपग्रह शहर बसाने का हौसला दिया जा रहा है। इससे पहले पर्यटन राजधानी के मंसूबों में आए सपनों का मानचित्र बना और इसी परिप्रेक्ष्य में कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार आंखें खोलने लगा है। भू-अधिग्रहण के तहत 460 करोड़ आबंटित हो चुके हैं, जबकि 1899 करोड़ से इसी कार्रवाई को अब अंजाम तक पहुंचाने की तैयारी है। पर्यटन व कई अन्य क्षेत्रों के विकास को देखते हुए कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार, एक नए युग सरीखा है। हिमाचल को विकास के मार्फत भविष्य दिखाने का यह अर्थ नहीं कि जनता को सिर्फ गुलकंद खिलाया जाए। हर तरह के विकास का अपना साहस और सामर्थ्य तय होना चाहिए, दुर्भाग्यवश हिमाचल में विकास से जो हासिल होना था या इसके जरिए जिस आर्थिक आत्मनिर्भरता की गुंजाइश थी, वह नजरअंदाज हुई है। मसलन हमने कृषि और बागबानी के दो अलग-अलग विश्वविद्यालय तो बना लिए, लेकिन न कृषि और न ही वानिकी आर्थिकी में हम अपना प्रदर्शन सही कर पाए। दरअसल हम हिमाचली विकास का एक रोडमैप बना ही नहीं पाए। हमारी वित्तीय व्यवस्था, आर्थिक ढांचा और विकास की प्राथमिकताएं केवल एक सरकार के प्रदर्शन या सत्ता की दृष्टि में चुनाव के दर्शन करते गुजर गईं। नतीजतन प्रदेश में दूरगामी योजनाओं का श्रीगणेश नहीं हो सकता। हमारे खेत और बागीचे भी क्षेत्रवाद में बंट गए, लिहाजा अब विकास की पगडंडियों पर हम हाई-वे की मंजिलें खोज रहे हैं। अगर प्रदेश को समन्वित विकास का एक बड़ा चित्र बनाना है, तो विकास की जवाबदेही में आर्थिक स्वावलंबन नत्थी करना होगा।

रोबोटिक सर्जरी के पहलू में चमत्कारिक परिवर्तन की आशा लिए आईजीएमसी और टीएमसी ने कार्यदक्षता में एक नई भूमिका खोज ली है, लेकिन चिकित्सा विज्ञान की श्रेष्ठता में हर मेडिकल कालेज के लक्ष्य निरूपित होने चाहिए। दरअसल हिमाचल के प्रत्येक मेडिकल कालेज में पीजीआई का दिल धडक़ना चाहिए। यह एक कड़ी परीक्षा, कार्यसंस्कृति और उच्च स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित गुणवत्ता है, जिसके लिए एक बेहतर प्रबंधकीय व्यवस्था व आचरण की जरूरत रहेगी। हिमाचल साढ़े नौ सौ के करीब प्रति वर्ष डाक्टर पैदा करके चिकित्सा के शब्दकोष बदल सकता है, लेकिन इसकी प्रतिष्ठा के लिए मुकम्मल इंतजाम की शर्तें लागू होनी चाहिएं। अभी कई मेडिकल कालेजों में डाक्टर हैं, तो उपकरण नहीं। उपकरण हैं तो तकनीशियन नहीं और तकनीशियन है तो 24 घंटे इन्हें जगाने की संख्या नहीं। बहरहाल मेडिकल कालेजों की इमरजेंसी में सुपर स्पेशियलिटी के 32 सहायक प्रोफेसरों को भेजा जा रहा है। इससे इतर तमाम जिला, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को भी दक्षता के हिसाब से प्राइवेट अस्पतालों से श्रेष्ठ साबित करना पड़ेगा। विकसित होते हिमाचल की क्षमता में शहरी विकास के सपने फिर से जादुई अरमान जगा रहे हैं। हिमुडा अपने इतिहास के पन्नों पर नई सुर्खियां भरने को आमादा हुआ तो इसे चंडीगढ़ के नजदीक और कांगड़ा एयरपोर्ट के पास दो उपग्रह शहर बसाने का हौसला दिया जा रहा है। इससे पहले पर्यटन राजधानी के मंसूबों में आए सपनों का मानचित्र बना और इसी परिप्रेक्ष्य में कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार आंखें खोलने लगा है।

दृष्टि कोण

पश्चिमी हिमालय में जैव विविधता का महत्त्व

जैव विविधता मानव जीवन और आर्थिक संपन्नता का आधार है। प्रकृति जैव विविधता के माध्यम से ही सृष्टि की एक दूसरे पर आधारित व्यवस्था को चलाती है। हिमालय पारिस्थितिकी तंत्र करोड़ों एशिया वासियों के लिए आजीविका और रोजगार के साधन उपलब्ध करवाता है। भारतीय हिमालय वनस्पति, वन्य प्राणी, ग्लेशियर, बर्फ, पारंपरिक ज्ञान, और पर्वतीय कृषि विविधता के लिए महत्वपूर्ण है। गंगा और सिंध के मैदानों को हरा भरा बनाने वाली नदियां हिमालय से ही निकलती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से हिमालय बहुत संवेदनशील है। यह दुनिया के 34 जैव विविधता के लिए सबसे संवेदनशील स्थलों में से एक है। हिमालय के वन इसकी जैव विविधता के मुख्य आधार हैं। वनस्पति और वन्यप्राणी विविधता स्वस्थ वनों के बिना संभव ही नहीं है। बढ़ती आबादी, वन उत्पादों की बढ़ती मांग, और प्रबन्धन की कमियों के चलते वन संसाधन और वनों पर आधारित जैव विविधता घटते जा रहे हैं, जिससे हिमालय परिस्थिति तंत्र द्वारा दी जाने वाली अनेक पर्यावरणीय सेवाएं भी खतरे में पड़ती जा रही हैं। हिमालय के वनों द्वारा दी जा रही पर्यावरणीय सेवाओं का वार्षिक मूल्य 1150 डॉलर प्रति हेक्टेयर आंका गया है। हिमालय में 18440 वनस्पति प्रजातियां, 1748 जड़ीबूटी प्रजातियां, 675 कंद मूल फल प्रजातियां चिन्हित की गई हैं। हिमालय द्वारा दी जाने वाली मुख्य पर्यावरणीय सेवाएं निम्न हैं : फल, चारा, ईंधन, खाद, रेशा और दवाई, चरागाह और अन्य गैर इमारती वन उत्पाद प्रदान सेवाएं। जलवायु नियमन, वायु की गुणवत्ता नियमन, पानी की मात्रा और गुणवत्ता का नियमन, भूमि कटाव नियंत्रण, परागण, कीट नियंत्रण सेवाएं। मिट्टी निर्माण, उपजाऊ तत्वों का पुनःचक्रीकरण, पानी का चक्रीकरण, बर्फ और ग्लेशियर द्वारा वर्ष पर्यंत जल प्रदान सेवाएं। सांस्कृतिक विविधता, पारंपरिक ज्ञान, पर्यावरण मित्र पर्यटन, सौन्दर्य सेवाएं आदि। जैव विविधता के विनाश से उपरोक्त सभी सेवाएं प्रदान करने की हिमालय की सामर्थ्य क्षीण होती जाएगी जिससे भारतीय महाद्वीप में जीवनयापन के लिए कई समस्याएं पैदा हो जाएंगी जिनका समाधान संभव नहीं होगा। जैव विविधता के लिए खतरों का आकलन करने के लिए हिमालय को 5 हजार फुट से ऊंचे क्षेत्र और 5 हजार फुट से कम ऊंचाई वाले क्षेत्र इन दो भागों में देख सकते हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मुख्य खतरा निम्न कारणों से है, ज्यादा कीमती जड़ी-बूटियों का अति दोहन, कृषि में एकल प्रजाति खेती को प्रोत्साहन, जलवायु परिवर्तन, बड़ी परियोजनाओं के निर्माण कार्य, दुर्लभ वन्य जीवों का शिकार आदि। कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जैव विविधता के लिए मुख्य खतरे निम्न हैं, खरपतवार, वनों में लगने वाली आग, सुधार वानिकी के चलते एकल प्रजाति चीड़ आदि रोपण, अवैज्ञानिक तकनीक से सडक़ निर्माण और अन्य परियोजना निर्माण, सांस्कृतिक एकरूपता के प्रयास, स्थानीय बोलियों और पारंपरिक ज्ञान का ह्रास आदि। इन कारणों से जैव विविधता के ह्रास के चलते जहां

एक ओर ग्लेशियर पिघल रहे हैं और बर्फ रेखा पीछे हट रही है वहीं वनों में विविधता के घटने से जल संरक्षण में भी कमी आ रही है। इसका सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव खेती पर पड़ रहा है। सिंचाई के लिए क्षेत्रीय टकराव बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर खरपतवारों के आक्रमण के कारण बेकार हो चुकी चरागाहों के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में चारे का संकट खड़ा हो गया है। पंजाब-हरियाणा से तूड़ी लाकर कमी पूरी की जा रही है। यह तूड़ी पहाड़ों तक पहंचते 10 से 15 रुपए किलो तक हो जाती है। इतनी महंगी घास से पशुपालन आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बनता जा रहा है। वनों में विविधता के नाश से अन्य वन्य प्राणियों के लिए भी भोजन का संकट पैदा हो गया है, इसलिए मानव-वन्यप्राणी टकराव बढ़ता जा रहा है। विशेषकर बंदर, सूअर, नीलगाय द्वारा फसलों को नुक्सान के चलते किसान कई इलाकों में खेती छोडने पर मजबूर हो चुका है। बेसहारा छोड़े जा रहे पशुओं के पीछे भी चरागाहों में खरपतवार के कारण घास उत्पादन समाप्त होना एक कारण है। जड़ी बूटियों के नष्ट होने से स्थानीय स्तर पर मनुष्यों और पशुओं के ईलाज की पारंपरिक व्यवस्थाएं और ज्ञान भी समाप्त होता जा रहा है। बौद्धिक संपदा कानूनों की जानकारी और जागरूकता के अभाव में बहुत सा पारंपरिक ज्ञान अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक संस्थाओं द्वारा पेटेंट कानूनों का दुरुपयोग करके चुराया जा रहा है। समय की जरूरत है कि जैव विविधता के संरक्षण के लिए गंभीरता से प्रयास किए जाएं। 2002 में संसद ने जैवविविधता कानून पास करके इस दिशा में शुरुआती प्रयास किया है, जिसके तहत राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण, राज्य जैवविविधता बोर्ड और पंचायत स्तर पर जैवविविधता प्रबन्धन समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। जाहिर है कि जमीनी संरक्षण कार्य तो ग्राम पंचायत स्तर पर ही होना संभव है।

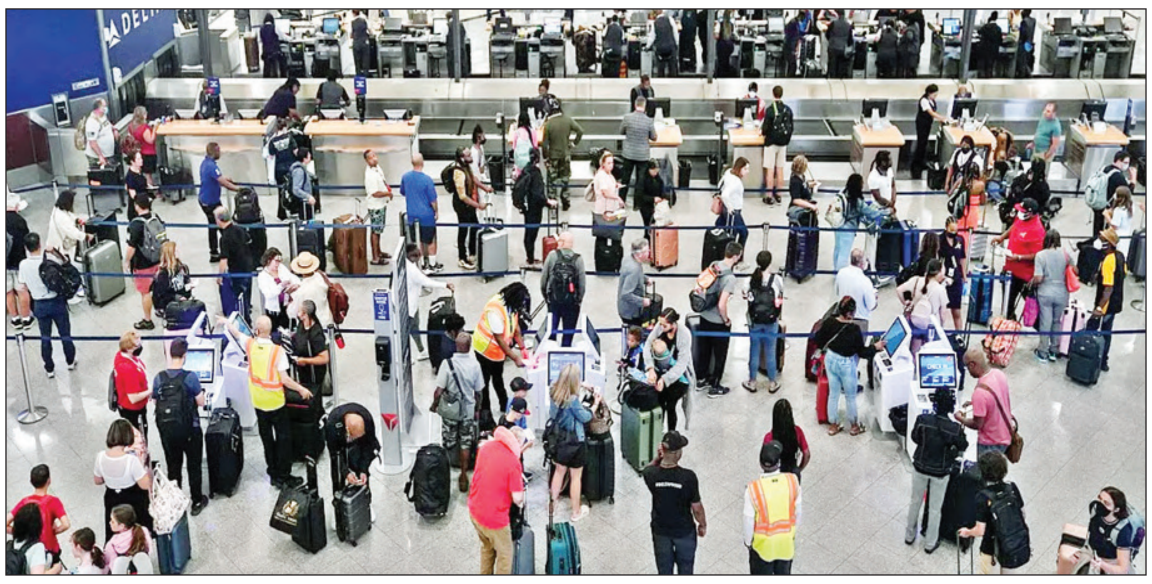

अमेरिका में शटडाउन से हवाई यात्रा में व्यवधान, 2000 उड़ाने हुई रद्द

वाशिंगटन, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन के बीच एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की भारी कमी के कारण हवाई यात्रा में व्यवधान जारी है। रविवार शाम लगभग पांच बजे (पूर्वी समय) तक संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर, अमेरिका में आने वाली या अमेरिका से बाहर जाने वाली 2,000 से ज़्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। अमेरिका की सरकारी एजेंसी संघीय उड्डयन प्रशासन ने इसकी पुष्टि की है। सीएनएन चैनल ने फ्लाइट ट्रैकिंग साइट, फ्लाइटअवेयर के हवाले से यह खबर प्रसारित की। ट्रैकिंग साइट के अनुसार, इसके अलावा 7,000 से ज्यादा उड़ानें विलंबित हुई हैं।

संघीय उड्डयन प्रशासन के उड़ानों में चार प्रतिशत की अनिवार्य कटौती के बाद अमेरिका में हवाई यात्रियों की मुश्किल बढ़ गई है। हालांकि कुछ उड़ानों को खराब मौसम के कारण स्थगित करना पड़ा है। अगर शटडाउन की समस्या खत्म नहीं होती तो विमान कंपनियों को अगले सप्ताह अपने शेड्यूल में धीरे-धीरे कटौती करनी होगी। न्यूयॉर्क शहर, वाशिंगटन, डीसी, अटलांटा, नैशविले, डलास-फोर्ट वर्थ, शिकागो, ऑरलैंडो, ऑस्टिन और फीनिक्स के हवाई अड्डे के कई टर्मिनल बंद हैं। इससे पहले शनिवार को 1,500 से अधिक उड़ानें रद्द हुई और 6,600 से ज्यादा में देरी हुई।

संघीय उड्डयन प्रशासन ने माना कि एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स और फेडरल सिक्योरिटी स्क्रीनर्स का वेतन न मिल पाने के कारण स्टाफ की भारी कमी हुई है। इससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। सीएनएन के अनुसार, न्यूयॉर्क शहर के तीन प्रमुख एयरपोर्ट-नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल, ला गार्डिया और जॉन एफ. कैनेडी इंटरनेशनल में शनिवार को विमानों के आगमन और प्रस्थान में औसतन चार घंटे तक की देरी हुई। अमेरिका के परिवहन सचिव सीन डफी ने कहा कि यदि गतिरोध जल्द नहीं सुलझा तो कटौती 15-20 प्रतिशत तक भी पहुंच सकती है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने बेलारूस के लिए विशेष दूत नामित किया, अधिक कैदियों की रिहाई की मांग की

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि उन्होंने जॉन कोएल को बेलारूस के लिए विशेष दूत के रूप में नामित किया है।

कोएल ने हाल ही में बेलारूस से बंदियों की रिहाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ट्रंप ने कहा कि वे अब अधिक कैदियों की रिहाई के लिए प्रयास जारी रखेंगे। ट्रंप प्रशासन ने हाल के महीनों में बेलारूस के साथ राजनयिक संपर्कों में तेजी लाई है और इस वर्ष मिन्स्क में कई अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। सितंबर में, ट्रंप की अपील के बाद बेलारूस ने 52 कैदियों को रिहा किया था। ट्रंप ने इससे पहले लुकाशेंको से 1,400 बंदियों की रिहाई की मांग की थी, जिन्हें उन्होंने बंधक कहा था। ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' नेटवर्क पर पोस्ट करते हुए लिखा, जॉन कोएल अब तक 100 बंदियों की रिहाई सफलतापूर्वक करा चुके हैं और अब 50 और लोगों की रिहाई के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं बेलारूस के अत्यंत सम्मानित राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको का अग्रिम धन्यवाद करता हूं, जो अतिरिक्त बंदियों की रिहाई पर विचार कर रहे हैं। सितंबर में हुई यह रिहाई लुकाशेंको द्वारा अब तक की सबसे बड़ी कैदी माफी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि लुकाशेंको अमेरिका के साथ संबंध सुधारने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, ताकि वर्षों से चले आ रहे अलगाव और प्रतिबंधों से राहत मिल सके। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2022 में अमेरिका ने मिन्स्क स्थित अपना दूतावास बंद कर दिया था, जब पुतिन ने बेलारूस की जमीन का इस्तेमाल करते हुए यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर सैन्य हमला शुरू किया था।

ट्राइग्लिसराइड्स का बढ़ा स्तर भी दिल के लिए खतरनाक: विशेषज्ञ

लंदन। नाचते, चलते या आराम करते समय अचानक दिल का दौरा पड़ने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। विशेषज्ञों ने लोगों को आगाह किया है कि केवल कोलेस्ट्रॉल नहीं, बल्कि ट्राइग्लिसराइड्स का बढ़ा स्तर भी दिल के लिए उतना ही खतरनाक साबित हो सकता है। चिकित्सकों का कहना है कि ट्राइग्लिसराइड्स एक प्रकार की वसा होती है जो शरीर में ऊर्जा के भंडारण के रूप में काम करती है। भोजन से मिलने वाली अतिरिक्त कैलोरी को शरीर फैट के रूप में जमा कर लेता है, जिसे जरूरत पड़ने पर ऊर्जा में बदला जाता है। मगर जब व्यक्ति शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहता है, तब यही वसा शरीर में जमा होकर हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हाई बीपी और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ट्राइग्लिसराइड्स का बढ़ा स्तर न केवल हृदय को कमजोर करता है, बल्कि पैंक्रियाज में सूजन पैदा कर पैंक्रियाटाइटिस जैसी घातक बीमारी का कारण भी बन सकता है। इसके अलावा यह अथेरोस्क्लेरोसिस यानी धमनियों में वसा जमा होने की प्रक्रिया को तेज कर देता है, जिससे ब्लड फ्लो बाधित होता है और अचानक हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि जिन लोगों को डायबिटीज, थायरॉइड की समस्या या मोटापा होता है, उनमें ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर सामान्य से कहीं अधिक पाया जाता है।

मधेश प्रदेश में सियासी भूचाल: होटल से सीएम नियुक्ति और शपथग्रहण पर हंगामा

काठमांडू। नेपाल में मधेश प्रदेश की राजनीति से लेकर देश की राजधानी काठमांडू तक सोमवार सुबह सियासी हलचल मच गई, जब प्रदेश के राज्यपाल सुमित्रा देवी भण्डारी ने महोत्तरी के बर्दिबास स्थित एक होटल से नेकपा (एमाले) संसदीय दल के नेता सरोज कुमार यादव को प्रदेश का मुख्यमन्त्री नियुक्त कर दिया। के पी शर्मा ओली के प्रधानमन्त्रित्व काल में प्रदेश प्रमुख नियुक्त हुई भण्डारी ने नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को दरकिनार करते हुए संविधान की धारा 168(3) के तहत बर्दिबास होटल में ही यादव को शपथ दिलाई। इस कदम से राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। पूर्व मुख्यमन्त्री जितेन्द्र सोनल, जिन्होंने एक दिन पहले ही इस्तीफा दिया था, ने भण्डारी पर मधेश की जनता के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भण्डारी काठमाण्डू चिकित्सकीय उपचार के बहाने से बाहर जाने का दिखावा कर रही थीं, लेकिन गुपचुप तरीके से यादव को मुख्यमन्त्री बना दिया। उधर, नेपाली कांग्रेस, जो माओवादी केन्द्र और मधेशवादी दलों के साथ मिलकर एमाले गठबंधन से अलग होकर नई सरकार बनाने की तैयारी में थी, ने भी इस घटनाक्रम पर तीव्र आपत्ति जताई है। वहीं, एमाले ने प्रदेश प्रमुख के इस कदम को संविधानसम्मत बताया है।

पाक-अफगान का समझौता कराने में नाकाम रहे कतर और तुर्किए, अब ईरान ने बढ़ाए कदम

तेहरान, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

लंबे समय से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। कई बार झड़प भी हुई है। दोनों देशों के बीच शांति के लिए कतर और तुर्किए ने पूरे प्रयास किए लेकिन कहीं कोई कामयाबी नहीं मिली। अब ईरान ने शांति के लिए मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया है। इसका परिणाम क्या होगा ये आने वाले वक्त में पता चलेगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान लगातार आरोप लगाता है कि अफगानिस्तान अपनी धरती पर पाकिस्तान के दुश्मनों को पनाह दे रहा है, हालांकि अफगानिस्तान लगातार इससे इनकार करता रहा है।

दोनों देशों के बीच एक बार फिर से हिंसा बढ़ने की आशंका है। इन तमाम उठा पटक के बीच अब दोनों का पड़ोसी ईरान मध्यस्थता का प्रस्ताव लेकर आया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने काबुल और इस्लामाबाद के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने में मदद करने की पेशकश की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार रात में पाकिस्तानी विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से बातचीत के दौरान अरागची ने यह प्रस्ताव रखा। चर्चा के दौरान, ईरानी विदेश मंत्री ने ईरान और पाकिस्तान के बीच एक गहरी दोस्ती और ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देते हुए दोनों को साझा हितों से जुड़े दोस्त मुस्लिम राष्ट्र बताया। अफगानिस्तान तालिबान के साथ पाकिस्तान के बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर करते हुए अरागची ने मतभेदों को दूर करके बातचीत के जरिए मुद्दे सुलझाने का आग्रह किया। अरागची ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच शांति पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ-साथ क्षेत्र के लिए भी जरूरी है इस बातचीत के दौरान पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने भी अपने ईरानी समकक्ष को हालिया घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। इसमें उन्होंने इस्तांबुल में संपन्न हुई शांति वार्ता और अन्य कूटनीतिक प्रयासों के बारे में भी बताया, जिन पर दोनों देशों की सहमति नहीं बन पाई थी। हालांकि, डार ने यहां इस बात पर जोर दिया कि वह अफगानिस्तान के साथ बातचीत जारी रखे हुए हैं। इससे पहले, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर विवाद जारी है। पिछले महीने पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर हवाई हमले कर दिए थे, जिसके बाद सीमा पर तनाव बढ़ गया था। अफगानिस्तान तालिबान की तरफ से किए गए हमले में पाकिस्तान के कई दर्जन जवान भी मारे गए थे। हालांकि, इसमें अफगानिस्तान के कई आम नागरिकों की भी जान गई थी। सीमा पर लगातार बढ़ते तनाव के बीच तुर्किए की मध्यस्थता में दोनों देशों के बीच में एक संघर्षविराम हुआ, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं चल सका। पाकिस्तान ने फिर से अफगानिस्तान पर हमला बोल दिया। इसके बाद दोनों देशों के बीच में इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता भी विफल हो गई, और दोनों देश एक-दूसरे को धमकी देते नजर आए।

चीन में लोग मूर्ति को मोबाइल से करते हैं टच ये श्रद्धा दिखाने का नया तरीका

बीजिंग, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

हर दिन सोशल मीडिया पर कभी मजेदार वीडियो, तो कभी अजीब परंपरा या रिवाज के वीडियो वायरल होते रहते हैं। हाल ही में चीन से जुड़ा एक वीडियो इंटरनेट पर छया हुआ है, जिसमें एक शख्स मंदिर में भगवान की मूर्ति के पास जाकर अपने मोबाइल से टच करता दिख रहा है। वीडियो देखने वालों को पहले तो लगा कि शायद वह भगवान से ऑनलाइन पैसे मांग रहा हैं या मूर्ति से मोबाइल चार्ज कर रहा है, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग और दिलचस्प है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन में यह एक आम धार्मिक प्रथा बन चुकी है, जो आधुनिक तकनीक और परंपरा का अनोखा मेल दिखाती है। चीन के कई बौद्ध और ताओवादी मंदिरों में अब डिजिटल दान प्रणाली लागू की गई है। मूर्तियों या मंदिर के दान-पात्रों के पास क्यूआर कोड लगाए गए हैं। भक्त इन कोड्स को अपने फोन से स्कैन करके मंदिर या ट्रस्ट को ऑनलाइन पैसे भेज सकते हैं। ठीक वैसे ही जैसे भारत में लोग यूपीआई, पेटीएम या गूगल पे से दान करते हैं।

कई बौद्ध और ताओवादी मंदिरों में अब डिजिटल दान प्रणाली लागू

पिछले कुछ सालों में चीन में नकदी का इस्तेमाल कम हुआ है। अलीपे और वीचैट पे जैसे ऐप्स ने देश के हर कोने में डिजिटल लेनदेन को आसान बना दिया है। मंदिरों ने भी इसी रफ्तार से अपने तरीकों को आधुनिक बना लिया। भक्तों के लिए दान करना पहले से ज्यादा सुविधाजनक हो गया, न जेब में नकद रखने की झंझट, न छुट्टे की जरूरत। माना जाता है कि यह प्रथा सबसे पहले हांगझोऊ और बीजिंग के कुछ बड़े मंदिरों में शुरू की गई थी। वहां क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद भक्त दान राशि चुन सकते हैं, कुछ युआन से लेकर सैकड़ों युआन तक। इसके बाद स्क्रीन पर एक आशीर्वाद संदेश या शुभकामना कोट भी दिखता है। अब सवाल उठता है, लोग स्कैन करने के बाद मूर्ति को मोबाइल से हल्के से टच क्यों करते हैं यह दरअसल एक प्रतीकात्मक इशारा है।

एंडगेम बॉम्बर: ट्रंप का गुप्त न्यूक्लियर हथियार हो गया उजागर

वाशिंगटन। अमेरिका के हवाई क्षेत्र से छोड़ी जाने वाली न्यूक्लियर क्रूज मिसाइल एजीएम-181 एलआरएसओ की तस्वीरें और विवरण सामने आने के बाद वैश्विक सुरक्षा पर बहस तेज हो गई है। कैलिफ़ोर्निया में एक प्लेनस्पॉटर द्वारा हाल ही में ली गई तस्वीरों ने पेंटागन की उस गोपनीय परियोजना का पर्दाफाश कर दिया जिसे वर्षों से गुप्त रखा गया था। बताया जाता है कि एलआरएसओ को पुराने एजीएम-86बी की जगह आधुनिक न्यूक्लियर वाली क्रूज मिसाइल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह मिसाइल बी-52 बॉम्बर के भीतर लटकती दिखाई गई और इसके बाद बताया गया कि आगे चलकर यह बी-21 रेडर स्टेल्थ बॉम्बर पर भी तैनात की जाएगी। परिमार्जित तौर पर इसका उद्देश्य दुश्मन के एयर डिफेंस को चकमा देकर गुप्त और सटीक हमला करना है। तकनीकी स्पेसिफिकेशन के मुताबिक एलआरएसओ की लंबाई लगभग 6.4 मीटर और वजन लगभग 1,360 किलोग्राम है। यह सबसोनिक गति से उड़ते हुए 2,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर सकती है। मिसाइल में डब्ल्यू80-4 नामक न्यूक्लियर वॉरहेड के प्रयोग की संभावना है, जिसका वेरिएबल यील्ड 5 से 150 किलोटन के बीच बताया जा रहा है, अधिकतम यील्ड पर यह हिरोशिमा बम से कई गुना अधिक विनाशक शक्ति रखती है। मार्गदर्शन के लिए इनर्शियल, जीपीएस और टेरकॉम सिस्टम मौजूद हैं, जबकि मिसाइल के स्टेल्थ फीचर्स और फोल्डिंग विंग इसे रडार में कम दृष्टिगोचर बनाते हैं।

आर्मी कैंटीन में ट्रंप ब्रांड की वाइन की बिक्री पर बवाल, घिरा राष्ट्रपति परिवार

निगरानी समूहों ने की निंदा, इसे संघीय सुविधाओं का मुद्रीकरण बताया

वाशिंगटन, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परिवार पर सत्ता के सहारे अपना कारोबार बढ़ाने के गंभीर आरोप लगे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सैन्य स्टोर में ट्रंप ब्रांड वाली वाइन बेची जा रही है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद विवाद शुरू हो गया। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब एक पत्रिका ने ट्रंप ब्रांड वाली वाइन और साइडर छुट्टियों से पहले वॉशिंगटन डीसी और वर्जीनिया के सेंटरविले में सैन्य कर्मियों के लिए ड्यूटी-फ्री स्टोर्स में पहुंची है। इससे ट्रंप और उनका परिवार कई समूहों के निशाने पर आ गया।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने वाइन बिक्री की पुष्टि की लेकिन इसमें किसी कानून के उल्लंघन को खारिज कर दिया। ट्रंप के प्रतिनिधियों ने जोर देकर कहा कि ये दूसरे ट्रंप ब्रांड वाले उत्पादों की तरह एक लाइसेंसिंग व्यवस्था का हिस्सा है। इसमें राष्ट्रपति की इसमें कोई भूमिका नहीं है। दूसरी ओर निगरानी समूहों ने वाइन बिक्री की निंदा करते हुए इसे संघीय सुविधाओं का मुद्रीकरण बताया, भले ही प्रत्यक्ष कानूनी उल्लंघन साबित ना होता हो।

वॉशिंगटन में नागरिकों के लिए जिम्मेदारी और नैतिकता के प्रवक्ता ने कहा कि यह उन चीजों में से एक है, जहां शायद कोई कानूनी मुद्दा नहीं है। यह एक दृष्टिकोण और नैतिकता का मुद्दा है। अगर सरकार उत्पादों को थोक में खरीदती है तो यह संविधान के पारिश्रमिक खंड का उल्लंघन हो सकता है, जो राष्ट्रपतियों को वेतन से परे अतिरिक्त लाभ से रोकता है। वाइन बिक्री का यह मामला ट्रंप परिवार के अपने कारोबार के लिए हालिया समय में उठाए गए कदमों का ध्यान दिलाता है।

राजनाथ सिंह की नसीहत पर भड़का बांग्लादेश बोला- ये शिष्टाचार के विपरीत

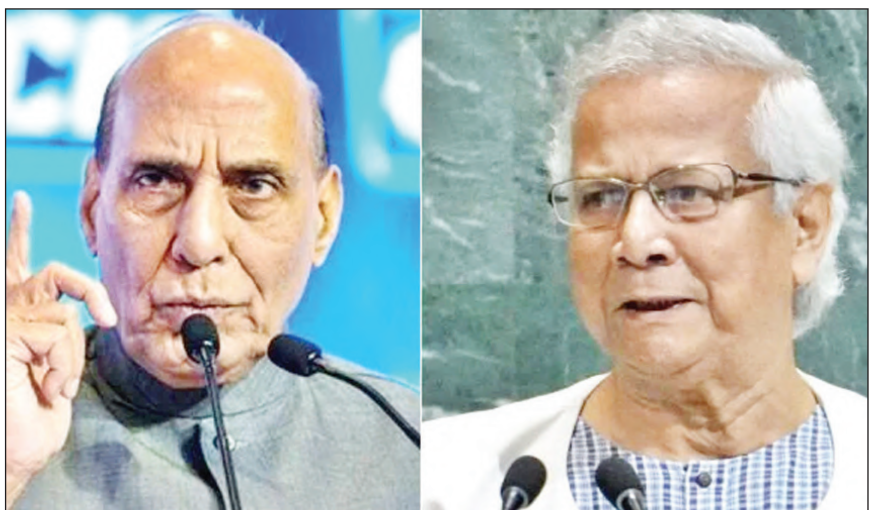

ढाका, 10 नवंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश और भारत के बीच आलोचनाओं का दौर थमने का नाम नहीं ले रह है। अब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की हालिया टिप्पणी को लेकर ढाका ने कड़ी आपत्ति जताई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सिंह के बयानों को गलत और शिष्टाचार के विपरीत करार दिया है। साथ ही, अंतरिम सरकार ने जोर देकर कहा कि वह भारत के साथ आपसी हितों पर आधारित संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बयान दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में आया है, जहां कूटनीतिक स्तर पर खटास साफ नजर आ रही है। बांग्लादेशी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता एसएम महबूबुल आलम के हवाले से बीएसएस ने रिपोर्ट दी कि सिंह की टिप्पणियां गलत और असहयोगपूर्ण हैं। राजनाथ सिंह ने कथित रूप से कहा था कि भारत बांग्लादेश के साथ तनावपूर्ण संबंध नहीं चाहता, लेकिन अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस को अपने बयानों में सावधानी बरतनी चाहिए। आलम ने स्पष्ट किया कि बांग्लादेश संप्रभु समानता, एक-दूसरे के मामलों में गैर-हस्तक्षेप और आपसी सम्मान के सिद्धांतों पर आधारित पारस्परिक लाभकारी संबंधों के लिए समर्पित है। उन्होंने मतभेदों को सुलझाने के लिए रचनात्मक और सम्मानजनक संवाद की वकालत की। उधर, सिंह ने भी दोहराया कि भारत बांग्लादेश से किसी तरह का तनाव नहीं चाहता। यह विवाद दोनों नेताओं के बयानों से उपजा है, जो क्षेत्रीय स्थिरता पर असर डाल सकता है। अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार के पतन और सेना के संरक्षण में अंतरिम सरकार के गठन के बाद से भारत-बांग्लादेश संबंधों में दरार पड़ गई है। हसीना की सत्ता चली जाने से दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक निकटता प्रभावित हुई है। बांग्लादेश अब पाकिस्तान से निकटता बढ़ा रहा है, जो भारत के लिए रणनीतिक चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में पाकिस्तानी युद्धपोत का बांग्लादेश पहुंचना इस बदलाव का प्रतीक है। 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद पहली बार दोनों देशों में इतनी गहराई से नजदीकी देखी जा रही है, जो दक्षेस क्षेत्र में शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकती है। फरवरी में बांग्लादेश में आम चुनाव होने हैं, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं कमजोर पड़ चुकी हैं। पाकिस्तान की तर्ज पर यहां भी संस्थागत मानदंडों का ह्रास हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वर्तमान में भारत में शरण लिए हुए हैं, जबकि उनकी पार्टी आवामी लीग यूनुस सरकार के खिलाफ आंदोलन चला रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि संबंधों में सुधार का एकमात्र व्यावहारिक रास्ता आवामी लीग की सत्ता में वापसी है, जो भारत के साथ पारंपरिक मित्रता को बहाल कर सकती है।

एफआईएच महिला जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम घोषित, ज्योति सिंह करेंगी टीम की अगुवाई

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने सोमवार को एफआईएच महिला जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 25 नवंबर से 13 दिसंबर 2025 तक सैंटियागो (चिली) में खेला जाएगा।

18 खिलाड़ियों और 2 वैकल्पिक खिलाड़ियों से बनी यह 20 सदस्यीय भारतीय टीम अपने कड़े अभ्यास का नतीजा दिखाने और विश्व स्तर पर मजबूत प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। भारत को पूल-सी में रखा गया है, जिसमें जर्मनी, आयरलैंड और नामीबिया जैसी टीमें हैं। भारत अपना पहला मुकाबला 01 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ खेलेगा।

इसके बाद 3 दिसंबर को जर्मनी और 5 दिसंबर को आयरलैंड से भिड़ेगा। प्रत्येक पूल की शीर्ष टीमें 7 से 13 दिसंबर के बीच खेले जाने वाले नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। टीम की कप्तानी एक बार फिर ज्योति सिंह के हाथों में होगी, जबकि मुख्य कोच तुषार खांडेकर टीम की कमान संभालेंगे। मुख्य कोच तुषार खांडेकर ने टीम चयन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं इस टीम से बहुत खुश हूं। हमारा मुख्य फोकस अनुशासन पर रहा है और इसी सोच के साथ हमने यह टीम बनाई है। बीते कुछ महीनों में लड़कियों ने रक्षा और फिनिशिंग दोनों क्षेत्रों में शानदार सुधार दिखाया है। अब वे ज्यादा परिपक्व और आत्मविश्वासी नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा, हम सभी चिली जाने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। टीम का जोश और आत्मविश्वास दोनों ही उच्च स्तर पर हैं, और हमें उम्मीद है कि यह टीम विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करेगी।

टीम इस प्रकार है:

- **गोलकीपर:** निधि, एंगिल हर्षा रानी मिन्ज।
- **डिफेंडर:** मनीषा, लल्थनलुआलांगी, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू, नंदिनी।
- **मिडफील्डर:** साक्षी राणा, ईशिका, सुनेलिता टोप्पो, कप्तान ज्योति सिंह, खैदेम शिलैमा चानू, बिनिमा धान।
- **फॉरवर्ड:** सोनम, पूर्णिमा यादव, कनिका सिवाच, हिना बानो, सुखवीर कौर।
- **वैकल्पिक खिलाड़ी:** प्रियंका यादव, पार्वती टोप्पो।

न्यूज़ ब्रीफ

हरियाणा के राज्यपाल ने किया जूनियर विश्व कप हॉकी ट्रॉफी का अनावरण

चंडीगढ़। 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित होने वाले एफआईएच जूनियर हॉकी विश्वकप से पहले ट्रॉफी चंडीगढ़ पहुंची जिसका राज्यपाल असीम घोष ने अनावरण किया। ये ट्रॉफी राष्ट्रीय टूर और खेल के प्रति उत्साह जगाने के लिए देश भर के दौरे के तहत ही यहां पहुंची। होटल हयात में आयोजित एक समारोह में हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष ने ट्रॉफी का अनावरण किया। राज्यपाल असीम कुमार घोष ने कहा, हॉकी भारत की आत्मा से जुड़ा खेल है। यह केवल खेल नहीं, बल्कि हमारे देश की एकता, अनुशासन और टीम भावना का प्रतीक है। ये विश्कप ट्रॉफी टूर युवाओं में देशभक्ति और खेल भावना को और बढ़ाएगी। मुझे भारतीय टीम के बेहतर प्रदर्शन का भरोसा है। वहीं हॉकी चंडीगढ़ के अध्यक्ष करण गिल्होत्रा ने सभी मेहमानों और खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि ट्रॉफी टूर का लक्ष्य 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित होने वाले विश्व कप से पहले देशभर में हॉकी के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने साथ ही कहा, यह केवल एक ट्रॉफी यात्रा नहीं है, बल्कि हमारे युवा खिलाड़ियों और हॉकी प्रेमियों को प्रेरित करने का भी अवसर है। देश भर में खेल के प्रति उत्साह और जागरुकता फैलाना है लक्ष्य हम चाहते हैं कि युवा इस खेल के प्रति उत्साही हों, अपने कौशल को निखारें और अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल कर देश का मान बढ़ायें।

अरुण बने झारखंड अंडर-19 क्रिकेट टीम के मैनेजर

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) ने चाईबासा के वरिष्ठ खेल प्रबंधक और

पूर्व क्रिकेटर अरुण मूंधड़ा (जिप्पी) को बीसीसीआई की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित कूच बिहार ट्रॉफी के लिए झारखंड अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति पश्चिमी सिंहभूम जिले के लिए गर्व का विषय है। चाईबासा के यूरोपियन क्वार्टर निवासी अरुण मूंधड़ा लंबे समय से क्रिकेट से जुड़े हुए हैं और वे पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ तथा झारखंड राज्य क्रिकेट संघ दोनों के आजीवन सदस्य हैं। पूर्व क्रिकेटर रहे मूंधड़ा को क्रिकेट प्रशासन और प्रबंधन का लंबा अनुभव है। उन्होंने कई वर्षों तक पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया है और जिले में क्रिकेट के विकास के लिए लगातार सक्रिय भूमिका निभाई है। यह दूसरा अवसर है जब जेएससीए ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले वर्ष 2009-10 में वे विवेक सिंह की कप्तानी वाली झारखंड अंडर-16 टीम के मैनेजर रह चुके हैं।

ला लीगा: रयो वायेकानो ने रियल मैड्रिड को गोलरहित ड्रॉ पर रोका एम्बाप्पे रहे बेअसर

मैड्रिड। ला लीगा की शीर्ष टीम रियल मैड्रिड को रविवार को रयो वायेकानो ने कड़ी टक्कर देते हुए 0-0 के ड्रॉ

पर रोक दिया। इस परिणाम से मौजूदा चैंपियन बार्सिलोना को अंकतालिका में अंतर घटाने का मौका मिल गया है। ज़ाबी अलोंसो की टीम अब दूसरे स्थान की विलारियल से पाँच और तीसरे स्थान की बार्सिलोना से छह अंक आगे है। बार्सिलोना अब अपने अगले मैच में सेल्टा विगो से भिड़ेगी। स्थानीय डर्बी मुकाबले में रयो वायेकानो ने शानदार संघर्ष दिखाया। हालांकि रियल मैड्रिड ने बेहतर मौके बनाए, लेकिन रयो की सुदृढ़ रक्षापंक्ति ने किलियन एम्बाप्पे, विनीसियस जूनियर और जूड बेलिंगहैम की प्रभावी जोड़ी को पूरी तरह नियंत्रण में रखा। रियल मैड्रिड हाल ही में लिवरपूल से चैंपियंस लीग में मिली हार के बाद वापसी की उम्मीद कर रही थी, लेकिन इस ड्रॉ के साथ अलोंसो की टीम को इस सीजन में सिर्फ दूसरी बार अंक गंवाने पड़े। मैच के शुरुआती पलों में रयो ने तेज़ी दिखाई। आंद्रेई राटियु ने गोलकीपर थिबाउ कूर्टोआ को शुरुआती टेस्ट दिया, जबकि राउल असेन्सियो और विनीसियस ने गोल के करीब से मौके गंवाए। रयो के गोलकीपर अगुस्टो बताला ने कई महत्वपूर्ण बचाव किए, खासकर विनीसियस और जूड बेलिंगहैम के शॉट्स पर। एम्बाप्पे को ज़्यादातर समय गेंद से दूर रखा गया, और उनका प्रभाव सीमित रहा। हाफटाइम के बाद अलोंसो ने एडर मिलिटाओ को मैदान में उतारा, जबकि जॉर्ज डे फ्रूटोस ने रयो के लिए करीब से गोल का मौका बनाया लेकिन निशाना चूक गए। जूड बेलिंगहैम और फेडे वाल्वरडे के शॉट्स को बताला ने रोक लिया। अंतिम मिनटों में अरदा गुलर के प्रयास को भी रयो डिफेंस ने डिफ्लेक्ट कर कॉर्नर में बदल दिया, जिससे मैच 0-0 पर समाप्त हुआ।

पोर्टिमाओ ग्रां प्री : बेजेकी ने दिखाया दम, मार्केज और एकोस्टा को पछाड़कर दर्ज की शानदार जीत

पोर्टिमाओ, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

मार्को बेज़ेकी (अप्रीलिया रेसिंग) ने रविवार को पोर्टिमाओ में आयोजित पुर्तगाल ग्रां प्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरू से अंत तक रेस में बढ़त बनाए रखी और जबरदस्त जीत हासिल की। 25 लैप्स की इस रेस में बेज़ेकी ने एक भी गलती नहीं की। इस जीत के साथ उन्होंने चैम्पियनशिप में तीसरे स्थान की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वहीं, एलेक्स मार्केज़ (बीके8 ग्रेसिनी रेसिंग मोटोजीपी) और पेड्रो एकोस्टा (रेड बुल केटीएम फैक्ट्री रेसिंग) ने पोडियम पर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बेहतरीन शुरुआत: बेज़ेकी ने संभाली कमान लाइट्स आउट होते ही बेज़ेकी ने पोल पोजीशन से शानदार शुरुआत की, जबकि एकोस्टा ने भी दमदार शुरुआत की लेकिन बढ़त हासिल नहीं कर सके। एलेक्स मार्केज़ तीसरे स्थान पर आए और फिर दूसरे लैप में एकोस्टा को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, फ्रैंको मोर्बिडेली (पार्टामिना इंद्युरो वीआर 46) शुरुआती लैप में टर्न-5 पर टक्कर का शिकार हुए लेकिन उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। इसी बीच जोआन मिर (होंडा एचआरसी कैस्ट्रॉल) तकनीकी खराबी के कारण दूसरे लैप में ही रेस से बाहर हो गए।

बीच की लड़ाई: पेको बान्याया की बदकिस्मती

फ्रांसेस्को बान्याया (डुकाटी लेनेवो टीम) चौथे स्थान पर थे, लेकिन लैप 11 में टर्न 10 पर क्रैश हो गए, जिससे उन्हें लगातार चौथे रविवार को डीड नॉट फिनिश (डीएनएफ) का सामना करना पड़ा। इससे उनके चैम्पियनशिप में तीसरे स्थान की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा। इस दौरान फर्मिन एल्डेगुएर (बीके8 ग्रेसिनी रेसिंग मोटोजीपी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया, जबकि ब्रैड बिंडर (रेड बुल केटीएम) और फैबियो क्वार्टारारो (यामाहा) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

आखिरी लैप्स में रोमांच: एकोस्टा की वापसी

रेस के अंतिम चार लैप्स में पेड्रो एकोस्टा ने अपनी गति बढ़ाई और एलेक्स मार्केज़ के करीब पहुंच गए। हालांकि, आखिरी लैप तक मार्केज़ ने अपनी बढ़त बचाए रखी और दूसरा स्थान हासिल किया। इस बीच, आइ ओगुरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवां स्थान पाया, जो उनके लगातार दूसरे टॉप-10 फिनिश का संकेत है।

अंत में बेज़ेकी का जलवा

अंतिम लैप में भी बेज़ेकी पूरी तरह नियंत्रण में रहे और बेहतरीन अंदाज़ में रेस खत्म की। उन्होंने 2025 सीज़न में अप्रैलिया को तीसरी जीत दिलाई — जो कि पहली बार है जब इस निर्माता ने एक ही सीज़न में तीन जीत दर्ज की हैं। एलेक्स मार्केज़ और एकोस्टा क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

एल्डेगुएर ने चौथा स्थान बनाए रखा, बिंडर पांचवें स्थान पर रहे जबकि क्वार्टारारो छठे स्थान पर रहे — जो उनका 2022 के बाद पुर्तगाल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ओगुरा सातवें, दी जियान्नांटनियो आठवें और जोहान ज़ार्को नौवें स्थान पर रहे। रेड बुल केटीएम टेक 3 के पोल एस्पारगारो शीर्ष 10 में रहे।

जापान ओपन में लय पाने की कोशिश करेंगे लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय

कुमामोटो, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 4,75,000 अमेरिकी डॉलर इनामी कुमामोटो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट में अपनी लय वापस पाने की कोशिश करेंगे। वहीं उभरते खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से उम्मीदों को हकीकत में बदलने की तैयारी में हैं। लक्ष्य सेन ने लंबे समय के फीके प्रदर्शन के बाद शानदार वापसी की है। उन्होंने हांगकांग ओपन में उपविजेता रहकर आत्मविश्वास हासिल किया और उसके बाद डेनमार्क व हायलो ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। अब 24 वर्षीय यह खिलाड़ी, जो पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहा था, इस लय को जारी रखना चाहेगा। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन का पहला मुकाबला जापान के विश्व नंबर 25 कोकी वातानाबे से होगा, जो चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। एचएस प्रणय, जो 2023 विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीत चुके हैं, पिछले कुछ समय से फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं। पेरिस ओलंपिक से पहले चिकनगुनिया ने उनकी तैयारी पर असर डाला था और वे दर्द के बावजूद ओलंपिक में खेले, लेकिन शुरुआती दौर में बाहर हो गए। 33 वर्षीय प्रणय, जिन्होंने पिछले वर्ष मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता था और ऑस्ट्रेलियन ओपन में उपविजेता रहे थे, अब चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। वे पहले दौर में मलेशिया के जुन हाओ लियोंग के खिलाफ उतरेंगे। प्रणय ने कोरिया ओपन में इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो के खिलाफ पहले दौर का मैच बीच में ही रिब की चोट के कारण छोड़ दिया था। करीब एक महीने के आराम के बाद वे अब कोर्ट पर लौटने को तैयार हैं। अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों में आयुष शेठी पर सबकी नजरें रहेंगी, जिन्होंने यूएस ओपन जीता था और हायलो ओपन में पूर्व विश्व चैम्पियन लो कियान यू को हराया था। आयुष का पहला मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावत वितिदसार्न से होगा। इसके अलावा थरुन मन्नेपल्ली, जिन्होंने मकाऊ ओपन सुपर 300 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर प्रभावित किया था, कोरिया के जियॉन ह्योक जिन से भिड़ेंगे।

बारिश ने चौथा टी20 रद्द कराया; न्यूज़ीलैंड का 2-1 की बढ़त के साथ सीरीज़ पर कब्जा बरकरार

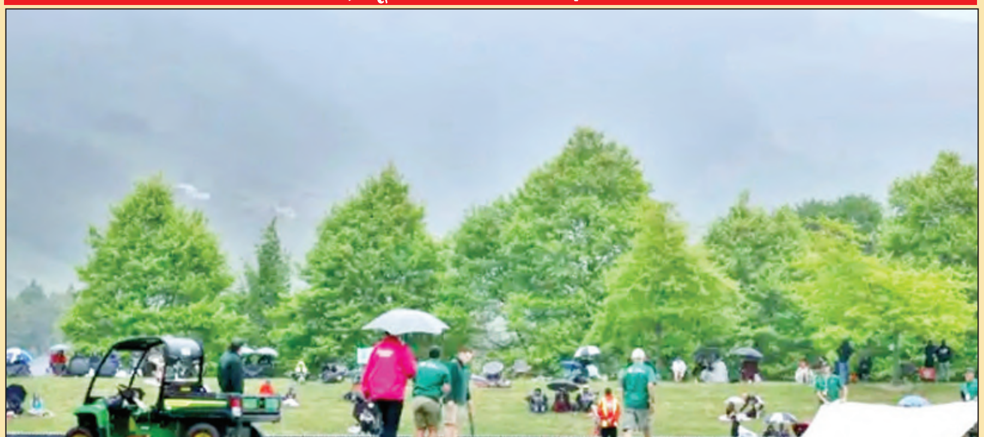

नई दिल्ली। नेल्सन में खेले जा रहे चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में बारिश ने एक बार फिर खलल डाल दिया। सिर्फ 39 गेंदों की खेल के बाद ही मुकाबला रद्द कर दिया गया। इस नतीजे के साथ न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज़ पर 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है। अब वेस्टइंडीज़ के पास गुरुवार को डुनेडिन में होने वाले पांचवें और आखिरी टी20 में सीरीज़ बराबर करने का मौका रहेगा, जबकि न्यूज़ीलैंड उसे 3-1 से जीत सकता है। मैच शुरू होने से पहले ही आसमान में बादल छाए हुए थे और मौसम विभाग ने शाम तक बारिश की संभावना जताई थी। इसके बावजूद टॉस और मैच की शुरुआत तय समय पर हुई। खेल के पांच ओवर पूरे होने के बाद पहली बार बारिश आई और लगभग 30 मिनट का ब्रेक लेना पड़ा। खेल दोबारा शुरू हुआ तो सिर्फ नौ गेंदों के बाद फिर बारिश आ गई और अंततः मैच रद्द घोषित कर दिया गया। जब मैच रद्द किया गया, उस समय वेस्टइंडीज का स्कोर 6.3 ओवर में 1 विकेट पर 38 रन था। जिमी नीशम ने छठे ओवर में एलिक एथनाज़े (18 गेंद 21 रन 2 छक्के एक चौका) को पवेलियन भेज दिया था। आमिर जंगू 12 और साईं होप 3 रन बनाकर नाबाद थे।

ओलंपिक में प्रत्येक क्षेत्र या महाद्वीप से एक ही टीम को प्रवेश मिलेगा : आईसीसी

भारत को अवसर मिलना तय, पाक बाहर होगा

दुबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक से एक बार फिर खेलों के इस महाकुंभ में क्रिकेट की वापसी होगी। इससे पहले अंतिम बार क्रिकेट मुकाबले 1900 में पेरिस ओलंपिक में खेले गये थे। इस बार 6-6 पुरुष और इतनी ही महिला टीमें ओलंपिक में खेलेंगी औ इनमें 28 मैचा होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार इस इवेंट के लिए प्रत्येक क्षेत्र या महाद्वीप से एक ही टीम को प्रवेश मिलेगा। वहीं छठी टीम का फैसला एक ग्लोबल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के जरिए किया जाएगा हाल ही में दुबई में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने ये फैसा किया। एशिया से एक ही टीम भेजे जाने की स्थिति में भारत और पाकिस्तान में से एक ही टीम को अवसर मिलेगा। जिसमें प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम को जगह मिलना तय है। ऐसे में पाक को अवसर नहीं मिलेगा। पहले आईसीसी केवल आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग की शीर्ष छह टीमों को शामिल करने जा रही थी पर बाद में नई क्वालीफिकेशन प्रणाली को तैयार किया गया है जिससे विश्व के सभी हिस्सों की टीमों को इसमें वापसी के लिए अवसर मिल सकेगा। छह टीमें प्रत्येक क्षेत्र/महाद्वीप की शीर्ष टीमें रहेगी। वहीं छठी टीम ग्लोबल क्वालीफायर से आएगी। मौजूदा रैंकिंग के आधार पर एशिया से भारत, ओशिनिया से ऑस्ट्रेलिया, यूरोप से इंग्लैंड और अफ्रीका से दक्षिण अफ्रीका क्वालीफाई करते हैं।

प्रीमियर लीग 2025-26: मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को 3-0 से हराया

गार्डियोला के 1000वें मैच में क्लब को मिली शानदार जीत

मैनचेस्टर, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर सिटी ने अपने मैनेजर पेप गार्डियोला के करियर के 1000वें मैच को यादगार बना दिया, जब उन्होंने रविवार देर रात एतिहाद स्टेडियम में लिवरपूल को 3-0 से मात दी। इस जीत के साथ सिटी ने प्रीमियर लीग तालिका में आर्सेनल की बढ़त को घटाकर चार अंक कर दिया।

शनिवार को आर्सेनल का सुंदरलैंड से 2-2 ड्रॉ होने के बाद सिटी के पास दबदबा दिखाने का मौका था, और गार्डियोला की टीम ने सीज़न का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह मौका भुनाया।

पहले हाफ में एर्लिंग हॉलैंड को पेनल्टी मिली, जिसे लिवरपूल के गोलकीपर जियोर्जी मामरदाशविली ने बचा लिया। लेकिन 29वें मिनट में हॉलैंड ने मैथ्यूस नूनेस के शानदार क्रॉस पर हेडर लगाकर गोल किया और सिटी को बढ़त दिलाई।

लिवरपूल ने बराबरी का गोल किया था जब वर्जिल वैन डाइक ने मोहम्मद सलाह के कॉर्नर पर हेडर मारा, लेकिन एंडी रॉबर्टसन के ऑफसाइड रहने की वजह से गोल रद्द हो गया। कुछ ही मिनटों बाद हाफ टाइम से ठीक पहले निको गोंजालेज़ की शॉट वैन डाइक से टकराकर गोलपोस्ट में चली गई और सिटी 2-0 से आगे हो गई।

दूसरे हाफ में लिवरपूल ने वापसी की कोशिश की, परंतु कोडी गाक्पो ने करीब से आसान मौका गंवा दिया। 63वें मिनट में जेरेमी डोकू ने शानदार व्यक्तिगत कौशल दिखाते हुए इब्राहिमा कोनाटे को छकाया और टॉप कॉर्नर में शॉट लगाकर स्कोर 3-0 कर दिया।

लिवरपूल ने कुछ मौके बनाए—डोमिनिक स्ज़ोबोस्लाई ने दूर से शॉट मारा और सलाह ने वन-ऑन-वन मौका गंवाया—लेकिन सिटी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबला समाप्त किया। इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि लिवरपूल आठवें स्थान पर खिसक गया और उसे इस सीज़न में पहले ही पांचवीं हार झेलनी पड़ी है। गार्डियोला के लिए यह मैच विशेष रहा — यह उनके मैनेजमेंट करियर का 1000वां मुकाबला था और उन्होंने इसमें 716वीं जीत दर्ज की (जिनमें से 388 सिटी के साथ)। हॉलैंड ने हालांकि अपना 100वां प्रीमियर लीग गोल पूरा नहीं किया, लेकिन उन्होंने सिटी के साथ लिवरपूल के खिलाफ लगातार तीसरे होम मैच में गोल दागा। उन्होंने इस सीज़न में अब तक 11 मैचों में 14 गोल किए हैं — जो प्रीमियर लीग इतिहास में इस चरण तक किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सर्वाधिक आंकड़ा है।

जेपी एसोसिएट्स खरीदने की दौड़ में अडाणी सबसे आगे

नीलामी प्रक्रिया में अदाणी ने हासिल की बढ़त

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण के लिए चल रही दिवाला प्रक्रिया में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी बन सकती है। खनन क्षेत्र की बड़ी कंपनी वेदांता ने सितंबर की शुरुआत में 12,505 करोड़ रुपये की बोली लगाकर अदाणी को पीछे छोड़ा था। डालमिया सीमेंट, जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक ने प्रारंभ में बोली नहीं लगाई। ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने सभी बोलीदाताओं की समाधान योजनाओं का मूल्यांकन किया। सीओसी ने अदाणी की योजना को सबसे ऊंचा दर्जा दिया, डालमिया सीमेंट दूसरी और वेदांता तीसरी रैंक पर रही। बैंकों ने सभी प्रस्तावों की व्यवहार्यता और भुगतान शर्तों का विश्लेषण किया। अदाणी समूह ने दो साल के भीतर भुगतान का प्रस्ताव रखा है, जबकि वेदांता ने पांच साल में किस्तों में भुगतान करने की पेशकश की। डालमिया की योजना यमुना एक्सप्रेसवे मामले पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर निर्भर है। सूत्रों के अनुसार, सीओसी अगले दो सप्ताह में समाधान योजना पर मतदान के लिए बैठक कर सकती है। इस प्रक्रिया के बाद ही यह तय होगा कि जेपीएसएल का अधिग्रहण किस कंपनी द्वारा किया जाएगा। पूर्व प्रवर्तक भी बैंकों के सामने प्रस्ताव पेश कर चुके हैं, लेकिन उनके धन के स्रोत अस्पष्ट हैं।

ओला इलेक्ट्रिक ने विदेशी प्रतिस्पर्धियों के बैटरी नवाचार पर आरोप खारिज किए, ओला का 4680 भारत सेल पाउच सेल तकनीक से कहीं अधिक उन्नत है

नई दिल्ली । ओला इलेक्ट्रिक ने दक्षिण कोरिया की एलजी एनर्जी सॉल्यूशन से तकनीक चोरी करने की खबरों को भ्रामक और निराधार बताते हुए खारिज किया। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एलजी के एक पूर्व कार्यकारी ने पाउच सेल तकनीक ओला को देने का प्रयास किया। एलजी ने इस स्थिति को भांपकर तुरंत देश के अधिकारियों को सूचित किया। कंपनी ने स्पष्ट किया कि उसका 4680 भारत सेल बेलनाकार और ड्राई इलेक्ट्रोड तकनीक पर आधारित है और पाउच सेल तकनीक से कहीं अधिक उन्नत है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत में ईवी बाजार: विनफास्ट और बीवायडी ने टेस्ला को टक्कर दी, विनफास्ट ने गुरुग्राम में अपनी 24वीं डीलरशिप खोली

मुंबई। फाडा के आंकड़ों के अनुसार सितंबर और अक्टूबर में टेस्ला की रिटेल बिक्री क्रमश: 69 और 40 वाहन रही। वहीं विनफास्ट ने अक्टूबर में 131 कारें बेचीं, जिससे अक्टूबर में टेस्ला से आगे निकल गई। बीवायडी ने इन महीनों में 1,117 वाहन बेचे, जो टेस्ला और विनफास्ट दोनों से अधिक हैं। विनफास्ट ने गुरुग्राम में अपनी 24वीं डीलरशिप खोली है और 2025 के अंत तक इसे 35 तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। टेस्ला के शोरूम फिलहाल सिर्फ मुंबई और दिल्ली में हैं। बीवायडी अभी भारत में स्थानीय उत्पादन शुरू नहीं कर पाई है। विनफास्ट की वीएफ6 की कीमत 16.4 लाख और वीएफ7 20 लाख रुपये से शुरू होती है, जबकि टेस्ला मॉडल वाय की ऑन-रोड कीमत लगभग 60.99 लाख रुपये है। विनफास्ट तमिलनाडु में स्थानीय असेंबली कर रही है, जबकि टेस्ला पूरी तरह से आयातित वाहन बेचती है। आने वाले महीनों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है।

जियो, एयरटेल और वीआई ने सरकार से की पूरे 6जी स्पेक्ट्रम नीलामी की मांग

मुंबई। रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया ने सरकार से 6 जीएचजेड फ्रीक्वेंसी बैंड को पूरी तरह मोबाइल नेटवर्क (5जी और भविष्य की 6जी सेवाओं) के लिए नीलामी में देने की मांग की है। कंपनियों का कहना है कि यदि इसे वाई-फाई जैसी लाइसेंस-फ्री सेवाओं के लिए विभाजित किया गया, तो भविष्य की मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। उनका तर्क है कि 6 जीएचजेड बैंड मध्य-बैंड की तरह काम करता है, जो बड़े पैमाने पर कवरेज और तेज़ डेटा ट्रांसमिशन के लिए जरूरी है। टेलीकॉम कंपनियों का कहना है कि हर ऑपरेटर को कम से कम 400 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की जरूरत है, लेकिन वर्तमान में चार ऑपरेटरों के लिए केवल 175 मेगाहर्ट्ज उपलब्ध है। यही वजह है कि कंपनियां इसे अपर्याप्त मान रही है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया है कि पूरा 6 जीएचजेड बैंड एक साथ नीलामी के लिए उपलब्ध होना चाहिए। शेष स्पेक्ट्रम 2030 के आसपास ही उपलब्ध होगा, जब सैटेलाइट सेवाओं द्वारा उपयोग किया जा रहा बैंड खाली हो जाएगा। टेलीकॉम कंपनियों ने कहा, हर ऑपरेटर को कम से कम 400 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की जरूरत कंपनियां यह भी चाहती हैं कि स्पेक्ट्रम की वैधता 20 साल से बढ़ाकर 40 साल की जाए, ताकि लंबी अवधि के नेटवर्क निवेश की वापसी सुनिश्चित हो सके। जियो ने कहा कि भारत में जनसंख्या घनत्व अमेरिका और चीन से कई गुना अधिक है, जिससे नेटवर्क पर लोड भी काफी अधिक रहता है।

सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बजट-पूर्व परामर्श बैठक की

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। संसद में 1 फरवरी को बजट पेश किया जाना है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन के अलावा डीईए के वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें शामिल हुए। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि बजट-पूर्व परामर्श, बजट निर्माण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे सरकार को केंद्रीय बजट को अंतिम रूप देने से पहले विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों से विविध दृष्टिकोण प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार नौवां बजट होगा।

इस सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 6 नए आईपीओ, 7 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

सोमवार यानी 10 नवंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में छह कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से चार आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किए गए चार कंपनियों के आईपीओ में भी 10 और 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो सात कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं।

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 11 नवंबर को एमवी फोटोवोल्टिक लिमिटेड का 2,900 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 206 रुपये से लेकर 217 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 69 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 9.87 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 3.48 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 18 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

11 नवंबर को ही एडुटेक फर्म फिजिक्स वाला का 3,480 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 103 रुपये से लेकर 109 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 137 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 28.44 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 3.48 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 18 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी दिन वर्कमेट्स कोर-2-क्लाउड का 69.84 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 200 रुपये से लेकर 204 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27.37 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 5.14 लाख शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 18 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अलावा महामाया लाइफसाइंसेज लिमिटेड का 70.44 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 11 नवंबर को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 108 रुपये से लेकर 114 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 53.29 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 5.40 लाख शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 18 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 12 नवंबर को टेनेको क्लीन एयर का 3,600 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 14 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 378 रुपये से लेकर 397 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 9.06 करोड़ शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 19 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी तरह गुरुवार 13 नवंबर को फूजियामा पावर सिस्टम्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 17 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए अभी इसके साइज, प्राइस बैंड और लॉट साइज का ऐलान नहीं किया गया है। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू 600 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 1 करोड़ शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 20 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इन नए आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा निवेशक पिछले सप्ताह 6 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए फिनबड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के 71.68 करोड़ रुपये के आईपीओ में 10 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 140 रुपये से लेकर 142 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 50.48 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 11 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 13 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। ये आईपीओ अभी तक 1.21 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। इसी तरह पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 7 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए पाइन लैब्स के 3,899.91 करोड़ रुपये के आईपीओ में 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 210 रुपये से लेकर 221 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 67 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 9.41 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 8.23 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 14 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

ट्रंप ने टैरिफ नीति का बचाव किया, विरोधियों को बताया मूर्ख

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर लगाए गए टैरिफ का बचाव करते हुए इसे अमेरिका की सफलता का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि जो लोग टैरिफ के खिलाफ हैं, वे मूर्ख हैं। उनका दावा है कि इस नीति की वजह से अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर और सम्मानित देश बन गया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में महंगाई लगभग नहीं है और स्टॉक मार्केट के मूल्य रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। 401(के) निवेशक भी अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच चुके हैं।

ट्रंप ने कहा, टैरिफ नीति की वजह से अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देश बना

उन्होंने यह भी दावा किया कि टैरिफ से अमेरिका ट्रिलियन डॉलर कमा रहा है, जिससे देश जल्द ही अपने 37 ट्रिलियन डॉलर कर्ज को चुकाना शुरू कर देगा। इसके अलावा उन्होंने हर नागरिक को कम से कम 2,000 डालर का लाभांश देने की घोषणा की, हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि यह भुगतान कैसे किया जाएगा। ट्रंप का कहना है कि टैरिफ के कारण अमेरिका में रिकॉर्ड निवेश हो रहा है और हर जगह नए प्लांट और कारखाने खुल रहे हैं। उनका दावा है कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि टैरिफ से आयातित सामान महंगे हो सकते हैं और महंगाई पर असर पड़ सकता है। स्टॉक मार्केट और निवेश कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करते हैं। वहीं, 37 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को केवल टैरिफ से चुकाना व्यवहार में चुनौतीपूर्ण होगा। ट्रंप की यह पोस्ट टैरिफ नीति पर बहस को और तेज कर सकती है, क्योंकि इसके दावे और वास्तविक प्रभाव पर अभी भी विवाद जारी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अपने ही देश को...

जुड़े डॉक्टर आदिल अहमद को गिरफ्तार किया था। अनंतनाग का रहने वाला डॉक्टर आदिल सहारनपुर के एक नरसिंग होम में काम कर रहा था। लेकिन अंदर ही अंदर वह आतंकी नेटवर्क मजबूत करने में लगा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद ही इसी कड़ी में कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद में किराए पर रह रहे डॉक्टर मुजाहिल शकील के घर पर छापा मारा। कश्मीरी डॉक्टर मुजाहिल शकील फरीदाबाद में किराए पर कमरा लेकर रह रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि डॉक्टर कमरे में कम ही रहता था, उसने केवल सामान रखने के लिए कमरा ले रखा था। इस मामले में चार राज्यों जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और गुजरात से पूरे मामले का कनेक्शन खंगाला जा रहा है। गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने रविवार को तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, कारतूस और रासायनिक जहर बनाने की सामग्री बरामद हुई थी। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों की पहचान डॉ. अहमद मोहिउद्दीन सैयद, मोहम्मद सुहेल और आजाद के रूप में हुई है। हैदराबाद के रहने वाले सैयद अहमद मोहिउद्दीन को अहमदाबाद के अडालज के पास एक टोल प्लाजा पर गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से दो ग्लॉक पिस्टल, एक बेरेटा पिस्टल, 30 जिंदा कारतूस और 4 लीटर अरंडी का तेल बरामद किया गया। सैयद अहमद मोहिउद्दीन ने चीन से एमबीबीएस की पढ़ाई की है। उसकी मंशा एक ऐसी आतंकी गतिविधि को अंजाम देने की थी जिससे भारी नुकसान हो सके। वह कई विदेशियों के संपर्क में था और अबू खदीजा नाम की एक टेलीग्राम आईडी से जुड़ा था, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि वह इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) से संबंधित है। मोहिउद्दीन रेसिन नामक एक अत्यंत घातक रासायनिक जहर बना रहा था, जिसकी एक बूंद भी किसी की जान लेने के लिए काफी होती है। किसी भी व्यक्ति या व्यक्तियों की जान लेने के लिए रेसिन का इस्तेमाल इंजेक्शन लगा कर, खाने में मिला कर या सांस के जरिए किया जा सकता है। दुनिया में इसकी कोई दवा (एंटी डोट) उपलब्ध नहीं है।तीन आतंकियों के पास से रेसिन जैसे घातक रसायन की बरामदगी चर्चा का विषय बनी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 2020 में और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को 2013 में रेसिन जहर के जरिए जान से मारने की कोशिश की जा चुकी है। ओबामा को दो बार लिफाफों में यह जहर भेजा गया था। इस जहर को लिफाफे में खत पर पाउडर छिड़क कर भेजा गया था। रेसिन आसानी से बनाया जा सकने वाला सफेद पाउडर है। इसे इंजेक्शन से, खाने में मिलाकर या सांस के जरिए दिया जा सकता है। सांस के जरिए इसे देने का तरीका सबसे खतरनाक माना जाता है, जिससे एक ही समय में ज्यादा लोगों को निशाना बनाया जा सकता है। इसकी चपेट में आने से किसी व्यक्ति की 48 से 72 घंटे में मौत हो सकती है। खास यह है कि दुनिया में अभी तक इसका कोई एंटीडोट या औषधि नहीं बनी है। एक व्यक्ति को मारने के लिए महज 1.78 मिलीग्राम रेसिन काफी है। रेसिन का जासूसी और युद्ध में इस्तेमाल होता रहा है।

दिल्ली को...

पहाड़गंज एवं गोविंदपुरी में तीन विस्फोट हुए थे, जिसमें 62 लोगों की मौत हुई थी। 22 मई 2005 को लिबर्टी और सत्यम सिनेमा हॉल में दो विस्फोट हुए थे, जिसमे एक आदमी की मौत हुई थी। 14 अप्रैल 2006 को जामा मस्जिद प्रांगण में दो विस्फोट हुए थे। 27 फरवरी 2000 को पहाड़गंज में विस्फोट हुए थे। 16 मार्च 2000 को सदर बाजार में विस्फोट हुआ था। 18 जून 2000 को लाल किले के पास दो शक्तिशाली विस्फोट हुए थे, जिसमे दो लोगों की मौत हुई थी। 30 दिसंबर 1997 को पंजाबी बाग के पास बस में विस्फोट हुआ था, जिसमे चार लोगों की मौत हुई थी। 30 नवंबर 1997 को लाल किले के पास विस्फोट हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी। 26 अक्टूबर 1997 को करोल बाग मार्केट में दो विस्फोट हुए थे जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई थी। 18 अक्टूबर 1997 को रानी बाग मार्केट में जुड़वां विस्फोट हुए और एक व्यक्ति की मौत हुई थी। 10 अक्टूबर 1997 को शांतिवन, कौड़िया पुल और किंग्सवे कैंप इलाकों में तीन विस्फोट हुए थे, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई थी। 01 अक्टूबर 1997 को सदर बाजार के पास दो बम विस्फोट हुए थे। 25 मई 1996 को लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट में बम विस्फोट हुए जिसमें 16 लोगों की मौत हुई थी।

यूपी में मंदिरों और...

डीसीपी ने बताया कि किसी धार्मिक स्थल और आयोजनों में निर्धारित ध्वनि सीमा (55 डेसिबल) से अधिक आवाज से तेज लाउडस्पीकर चलाने पर पुलिस की ओर से कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पुलिस प्रशासन ने बिना अनुमित लगाए गए लाउडस्पीकरों को हटाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अनुमति प्राप्त स्थलों पर भी केवल सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही लाउडस्पीकर बजाने की अनुमति होगी, जिससे आमजन को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े।धर्मस्थलों पर तेज आवाज में बजने वाले सभी लाउडस्पीकर हटाए जा रहे हैं, इसमें मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे सब शामिल हैं। पुलिस मस्जिदों के इमामों और मंदिरों के पुजारियों को यह समझा रहे हैं कि तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर का इस्तेमाल गैर कानूनी है, इसे खुद ही उतार लें। पुलिस की यह कार्रवाई ध्वनि प्रदूषण को रोकने और निर्धारित सीमा का पालन करवाने के लिए की जा रही है।

15 राज्यों के...

मिजोरम और उत्तराखंड भी शामिल हैं। अक्टूबर 2024 में डिपार्टमेंट ऑफ ड्रिंकिंग वाटर एंड सैनिटेशन (डीडीडब्लूएस) ने एक निर्देश जारी कर कहा था कि जल जीवन मिशन के तहत चल रही सभी परियोजनाओं की जमीन पर जाकर समीक्षा की जाए। इससे पहले केंद्र सरकार ने भी एक नोडल अधिकारियों की टीम बनाई थी, जो इस मिशन की प्रगति की निगरानी कर रही है। इसी साल 21 मई को यह उजागर हुआ कि जल जीवन मिशन की गाइडलाइनों में तीन साल पहले किए गए बदलावों के कारण कई परियोजनाओं की लागत काफी बढ़ गई थी। जल जीवन मिशन के तहत चल रही 14,586 योजनाओं में कुल 16,839 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च हुआ।जल जीवन मिशन की शुरुआत मोदी सरकार ने 2019 में की थी, जिसका उद्देश्य था कि 2024 तक हर ग्रामीण घर तक नल से जल कनेक्शन पहुंचाया जाए। यह मिशन 2024 में समाप्त घोषित कर दिया गया था। हालांकि, 1 फरवरी 2025 को बजट पेश करते समय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी कि इस योजना के लिए 2028 तक आर्थिक सहायता जारी रखी जाएगी। लेकिन अब तक कैबिनेट ने इस बजटीय प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी है। वहीं, कुछ राज्यों मसलन, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, नागालैंड, ओडिशा, पुदुचेरी, पंजाब और तमिलनाडु ने इस संबंध में कोई जानकारी साझा नहीं की है। इस सूची में बिहार और तेलंगाना भी शामिल हैं, लेकिन इन दोनों राज्यों में अपने स्तर पर नल कनेक्शन से जुड़ी कुछ योजनाएं अभी भी चल रही हैं।पिछले महीने डीडीडब्लूएस ने कई राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा था कि 20 अक्टूबर तक रिपोर्ट दी जाए। इस रिपोर्ट में यह स्पष्ट करने को कहा गया था कि जल जीवन मिशन में खराब काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई, कितनों पर एफआईआर दर्ज की गई, और रिकवरी एक्शन कहां तक पहुंचा इसका पूरा ब्यौरा दें। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से उन ठेकेदारों और निरीक्षण एजेंसियों का भी विवरण मांगा गया था, जिन पर जुर्माना लगा है। जल शक्ति मंत्रालय ने घटिया काम या धन के दुरुपयोग के मामलों में अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी भी मांगी है। यह निर्देश जल शक्ति मंत्रालय के तहत पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के निर्देश का हिस्सा है, जिसमें मुख्य सचिवों से व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। मिशन की समयसीमा को 2028 तक बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है।

एयरपोर्ट के हाई ...

यह वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेता विजय प्रसाद ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे से पूछा की बेंगलुरु एयरपोर्ट के टी-2 टर्मिनल में नमाज पढ़ने की अनुमति कैसे दी गई? क्या इन लोगों ने नमाज पढ़ने के लिए पहले से कोई अनुमति ली थी? यह एक हाई-सिक्योरिटी जोन है। उन्होंने कहा, कर्नाटक सरकार आरएसएस की पथ संचलन जैसी गतिविधियों पर रोक लगाती है, लेकिन ऐसी घटनाओं पर आंख मूंद लेती है। यह गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है।

पृष्ठ 6 का शेष

ट्रंप के भाषण से ...

जिसके बाद वॉशिंगटन डीसी में कैपिटल हिल (संसद भवन) पर हिंसक हमला हुआ था। आलोचकों का कहना है कि बीबीसी ने ट्रंप के भाषण को गलत तरीके से पेश किया, जिससे बयान का असली संदर्भ बदल गया। लगातार बढ़ती आलोचना और भरोसे पर उठे सवालों के कारण बीबीसी को दोनों शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ी। भाषण के साथ आपराधिक छेड़छाड़ का खुलासा तब हुआ, जब बीबीसी का एक मेमो लीक हुआ और वह ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ के हाथ लग गया। इससे पता चला कि बीबीसी ने एक भ्रामक और काट-छांट किया हुआ ट्रंप का भाषण प्रसारित किया, जिससे ऐसा लगा कि ट्रंप ने लोगों को 6 जनवरी 2021 की हिंसा के लिए सीधे तौर पर उकसाया। टेलीग्राफ ने रिपोर्ट में कहा कि वीडियो में ट्रंप के भाषण को गलत संदर्भ में दिखाया गया, जबकि असल में उन्होंने ऐसा नहीं कहा था।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2021 के भाषण के एडिट संस्करण पर उठे विवाद के बाद बढ़ती आलोचना ने बीबीसी की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक भाषण एडिट मामले में ब्रिटेन के सरकारी प्रसारक बीबीसी (बीबीसी) को बड़ा झटका लगा है। झटका इतना बड़ा है कि बीबीसी को शीर्ष अधिकारी को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। उल्लेखनीय है कि बीबीसी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक फर्जी डॉक्युमेंट्री बना कर ठीक उसी समय प्रसारित की थी जिस वक्त सुप्रीम कोर्ट ने एक लंबी जांच और उचित प्रक्रिया के बाद प्रधानमंत्री मोदी को 2002 के दंगों में मिलीभगत के आरोपों से पूरी तरह दोषमुक्त कर दिया था। बीबीसी के इस शैतानी भरे प्रसारण में नरेंद्र मोदी को गुजरात दंगों का दोषी ठहराया गया था। तब भी यह साबित हुआ था कि बीबीसी की भयावह दुष्प्रचारभरी पत्रकारिता जानबूझकर दर्शकों और श्रोताओं को गलत सूचना देती है और बीबीसी दुर्भावनापूर्ण एजेंडा चलाने वाली पत्रकारिता करता है। बीबीसी के उस शैतानियत से भरी डॉक्युमेंट्री पर ब्रिटिश भारतीय लॉर्ड रामी रेंजर ने कहा था, बीबीसी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के दो बार लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री के खिलाफ एक झूठी कहानी बना रहा है। यह तब आता है जब हिंदू फोरम ऑफ ब्रिटेन (एचएफबी) ने बीबीसी ब्रॉडकास्टर के हिंदू विरोधी पूर्वाग्रह के खिलाफ बीबीसी के सीईओ डेबोरा टर्नस को कड़ा पत्र लिखा था। वही डेबोरा टर्नस, जिसे डोनाल्ड ट्रंप के भाषण से छेड़छाड़ के कारण बीबीसी से निकाल बाहर किया गया।

आज से 11 मार्च तक वक्री रहेंगे देवगुरु बृहस्पति

गुरु को ज्योतिष शास्त्र में शुभ और बड़ा ग्रह माना जाता है। गुरु एक निश्चित अंतराल पर राशि बदलते हैं जिसके कारण कई राशियों पर प्रभाव पड़ता है। गुरु इस साल अतिचारी होकर अभी अपनी उच्च राशि कर्क में हैं। 18 अक्तूबर को गुरु मिथुन से कर्क राशि में प्रवेश किया था। वहीं अब गुरु 11 नवंबर को कर्क राशि में रहते हुए वक्री होंगे । गुरु 05 दिसंबर तक कर्क राशि में वक्री रहेंगे। इसके बाद मिथुन राशि में वक्री हो जाएंगे। ज्योतिष शास्त्र की गणना के अनुसार गुरु का कर्क राशि में रहते हुए उल्टी चाल से चलना कुछ राशि वालों के लिए बहुत ही शुभ साबित होंगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि 11 नवंबर 2025 की रात 10:11 बजे से गुरु ग्रह कर्क राशि में वक्री होंगे। कर्क उनकी उच्च राशि है, इसलिए यह आत्ममंथन और विचारों की दिशा बदलने का समय साबित हो सकता है। गुरु ज्ञान, धर्म, और न्याय के प्रतीक हैं। इसलिए वक्री गुरु आत्मनिरीक्षण और सोच में गहराई लाएंगे। देवगुरु बृहस्पति 11 नवंबर से 11 मार्च तक वक्री रहेंगे और 11 मार्च को सुबह 9:00 बजे मार्गी यानी सीधी चाल से चलने लगेंगे।

गुरु की अतिचारी चाल

ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक ज्योतिष के अनुसार, अतिचारी चाल का मतलब है कि बहुत तेज चलना और त्वरित होना। यहां गुरु की अतिचारी चाल का अर्थ है कि गुरु जिस राशि में मौजूद हैं, वहां सामान्य चाल ना चलकर बहुत तेजी से गोचर कर रहे हों। आमतौर पर गुरु एक राशि से दूसरी राशि में 12 से 13 महीने तक मौजूद रहते हैं लेकिन अतिचारी होते हैं, तब वह जल्दी राशि परिवर्तन करते हैं और जीवन के सभी क्षेत्रों में जैसे करियर, पारिवारिक जीवन, लव लाइफ, तरक्की आदि समेत सभी महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। ज्योतिष में गुरु ग्रह ज्ञान, करियर, शिक्षा, भाग्य, धर्म, संतान, धन, वैवाहिक जीवन आदि के कारक ग्रह हैं।, जब गुरु अतिचारी चाल चलते हैं तब इनके जल्दी प्रभाव देखने को मिलते हैं।

गुरु साल 2025 में 3 बार बदलेंगे चाल

ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गुरु ग्रह 14 मई को अचितारी चाल से मिथुन राशि में गोचर करेंगे और फिर 11 नवंबर को वक्री चाल चलते हुए फिर 5 दिसंबर को मिथुन राशि में फिर से गोचर कर जाएंगे। गुरु अतिचारी चाल में तीन गुणा अधिक तेजी के साथ चलते हैं और बहुत कम समय में राशि परिवर्तन करके वक्री अवस्था लौट जाते हैं। ऐसे में साल 2025 में गुरु तीन बार अपनी चाल बदलने वाले हैं। गुरु की अतिचारी चाल से मेष राशि, सिंह राशि, कन्या राशि, तुला राशि, कुंभ राशि और मीन राशि वालों के सुख-सौभाग्य में अच्छी वृद्धि होगी।

बृहस्पति ग्रह बदलता है आपकी जिंदगी

ज्योतिष में बृहस्पति को देवगुरु का पद प्राप्त है। बृहस्पति को नौ ग्रहों में सबसे सौम्य, सात्विक और शुभ फल देने वाला ग्रह माना गया है परंतु बृहस्पति की महादशा प्रत्येक व्यक्ति के लिए शुभ फल देने वाली नहीं होती। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार किसी व्यक्ति की कुंडली में स्थित लग्न के अनुसार उसकी कुंडली में प्रत्येक ग्रह का उसके लिए शुभकारक या अकारक होना निश्चित होता है। जिस ग्रह की कोई भी एक राशि त्रिकोण (1,5,9 भाव) में पड़ जाती है वह ग्रह उस कुंडली का शुभकारक ग्रह बन जाता है पर किसी ग्रह की दशा का पूरा परिणाम निकालने के लिए ग्रह की मूल त्रिकोण राशि तथा कुंडली में उस ग्रह की स्थिति अपनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बृहस्पति विशेषतः मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन लग्न में त्रिकोण का स्वामी होने से इन सभी लग्नो की कुंडलियों में शुभ फलकारक ग्रह होता है। इसलिए सामान्यतः मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन लग्न वालों के लिए बृहस्पति की महादशा शुभ और अच्छा फल देती है और इनमे भी धनु और मीन लग्न में बृहस्पति परम योगकारक ग्रह होने धनु और मीन लग्न के लोगों को अपनी महादशा में बहुत शुभ परिणाम देता है। साथ ही वृष, मिथुन, कन्या, तुला, मकर और कुम्भ लग्न में बृहस्पति अकारक ग्रह होने से विशेष शुभ परिणाम देने वाला नहीं होता। बाकी पूर्ण परिणाम के

लिए कुंडली में बृहस्पति किस स्थिति में है यह आंकलन करना बहुत आवश्यक होता है।

फलित ज्योतिष में वक्री गुरु से तात्पर्य

संहिता ज्योतिष के अनुसार किसी भी ग्रह के वक्री होने का अर्थ है, उस ग्रह का अपने ही गंतव्य मार्ग से पुनः वापस लौटना अथवा मार्ग से मुंह फेर लेना प्राणियों को उस ग्रह के मार्गी होने से मिल रही सकारात्मक ऊर्जा का बाधित होना-रुक जाना। गुरु को सृष्टि का आध्यात्मिक ज्ञान प्रदाता कहा गया है, ये ब्रह्मज्ञान, शिक्षण संस्थाओं, भारी उद्योगों, बैंकों, जीवन बीमा निगम जैसी संस्थाओं, गैस के भंडारों, धार्मिक कार्यों, धर्माचार्यों एवं शासन सत्ता के सलाहकारों के कारक हैं। इनके वक्री होने की घटना को व्याहारिक दृष्टि से देखें तो महत्व समझ में आयेगा कि जो व्यक्ति आप को सद्बुद्धि-सन्मार्ग पर ले जाता है वही आप से मुंहफेर ले तो कैसा लगेगा, आप पर क्या गुजरेगी ! बस वक्री का अर्थ यही होता है। इनके वक्री होने का सर्वाधिक असर संत-महात्माओं पर होता है। उनके चाल-चलन पर आरोप प्रत्यारोप लगने आरम्भ हो जाते हैं, कहीं न कहीं उनकी सामाजिक गरिमा का ह्रास होने लगता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

वक्री गुरु के प्रभाव

विश्व अर्थव्यवस्था के सुधार के लिए कार्य होंगे। जन कल्याण और शिक्षा और समाज सुधार से जुड़े हुए कार्य होंगे। शेयर बाजार की चाल बदलेगी। विश्व स्तर मे वैचारिक बदलाव के लिए संत पुरुष विशेष रूप से कार्य करेंगे। व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। देश में आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

गुरु के वक्री होने का 12 राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

मेष- धार्मिक,मांगलिक और परमार्थ के कार्यो मे धन व्यय होगा। विवाह के प्रबल योग बनेंगे।

वृषभ- आर्थिक लाभ के योग बनेंगे, आर्थिक क्षेत्र मे उन्नति के अवसर बनेंगे। व्यापार मे उन्नति के योग बनेंगे।

मिथुन- नौकरी रोजगार मे उन्नति के योग बनेंगे। प्रमोशन के योग, अपने समाज मे मान वृद्धि के योग।

कर्क- शुभ समय,बड़े लोगों की कृपा से भाग्योदय का अवसर। आर्थिक और सामाजिक उन्नति होगी।

सिंह- किसी विशेष क्षेत्र मे अनुसंधान का योग। शिक्षा मे खास सफलता मिलेगी। आय और व्यय का बराबर योग।

कन्या- विवाह का योग, परिवार में मांगलिक कार्यों का योग।व्यापारिक क्षेत्र मे उन्नति होगी।

तुला- रोग,ऋण, शत्रु प्रबल होंगे।आर्थिक आय व्यय का विशेष ध्यान रखे,निवेश सोच समझकर करे।

वृश्चिक- संतान, शिक्षा और मित्रो से विशेष मदद मिलेगी। विशेष कार्यो मे चयन होगा,शुभ समय।

धनु- मकान, वाहन से जुड़े कार्यो में सफलता का योग। सामाजिक मान सम्मान मे वृद्धि का योग।

मकर- व्यर्थ की भागदौड़ से बचें। धार्मिक कार्यों का योग,परिवार मे विवाह आदि मांगलिक कार्यो का योग।

कुंभ- धन योग प्रबल, आर्थिक क्षेत्र मे उन्नति होगी। संचित धन मे वृद्धि का योग, नवीन आर्थिक संसाधन विकसित होंगे।

मीन- मान सम्मान मे वृद्धि होगी। संतान,शिक्षा और परिवार के उम्दा योग, शुभ कार्य होंगे।

वास्तु के अनुसार दूसरे की अंगूठी पहनने से पहले सोचें सौ बार, वरना हो सकता है बड़ा नुकसान

कुंडली में ग्रहों की स्थिति हमारे जीवन के बारे में बहुत कुछ बताती है। इन ग्रहों की चाल से यह भी समझा जा सकता है कि आने वाले दिनों में हमारी जिंदगी में क्या बदलाव आने वाले हैं। इसी आधार पर ज्योतिष शास्त्र में कुछ रत्न पहनने की सलाह दी जाती है। रत्नशास्त्र के अनुसार, रत्न चुनने से लेकर उसे धारण करने तक कई नियम होते हैं, जिन्हें अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन बातों-बातों में कई लोग दूसरों की रत्न जड़ित अंगूठी पहनने या ट्राई करने लगते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार, ऐसा करना आपके लिए अशुभ साबित हो सकता है।

किसी और की अंगूठी न पहनें

किसी भी रत्न को पहनने से पहले उसके नियमों को जानना बेहद जरूरी है। रत्नशास्त्र के अनुसार अगर आपने एक बार रत्न पहन लिया तो उसे बार-बार उतारना या किसी और को देना नहीं चाहिए। वहीं, यदि आपसे कोई ट्राई करने के लिए आपकी रत्न वाली अंगूठी मांगे तो उसे नहीं देना चाहिए। यहां तक की खुद भी कभी किसी दूसरे की अंगूठी ट्राई करने की कोशिश न करें। दरअसल, प्रत्येक रत्न अपने साथ विशेष ऊर्जा लेकर आता है। यह ऊर्जा व्यक्ति और उसके ग्रहों के बीच एक संबंध बनाती है। अगर कोई दूसरा शख्स आपकी रत्न जड़ित अंगूठी पहनता है, तो यह ऊर्जा बेकार में उसके टच में आ जाती है, जो बिल्कुल भी सही नहीं है।

ऐसा करने से करियर और व्यक्तिगत ग्रोथ में बाधाएं आ सकती हैं। इसके अलावा, जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी अनचाहे नकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इसलिए दूसरों की रत्न वाली अंगूठी कभी भी पहनना या ट्राई करना भारी नुकसान दे सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अपने लिए रत्न का चुनाव हमेशा किसी अनुभवी ज्योतिषी की सलाह पर ही करें। शौक या टेस्ट के लिए कभी भी रत्न जड़ित अंगूठी को पहनना नहीं चाहिए, क्योंकि इसके नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। एक बार रत्न पहन लेने के बाद इसकी नियमित देखभाल करना जरूरी है। अगर रत्न की सफाई करनी हो, तभी सावधानीपूर्वक इसे करें। गलती से भी अपनी अंगूठी किसी दूसरे व्यक्ति को पहनने के लिए न दें।

16 नवंबर से निम्न राशियों की हो सकती है चांदी ही चांदी सूर्य की नीचता होगी समाप्त, नई नौकरी के योग

मान-सम्मान, पिता, आत्मा के कारक सूर्य एक निश्चित अवधि के बाद राशि परिवर्तन करते है जिसका असर हमारे जीवन में काफी अधिक देखने को मिलता है। सूर्य की स्थिति की बात करें, तो वह अपनी नीच राशि तुला में विराजमान है। नीच राशि में होने के कारण सूर्य सकारात्मक प्रभाव काफी कम दे पा रहे हैं। लेकिन 16 नवंबर से सूर्य अपनी नीचता से मुक्त हो जाएंगे और वृश्चिक राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इस राशि में पहले से मंगल और बुध विराजमान है, जिससे सूर्य इस राशि में ट्रिपल योग का निर्माण कर रहे हैं। तीनों ग्रहों की युति के कारण त्रिग्रही योग, बुधादित्य और मंगल आदित्य योग का निर्माण होगा। ये शक्तिशाली संयोजन कई राशि के जातकों के लिए लकी हो सकता है। इस समय मंगल अस्त अवस्था में ज्यादा अच्छा प्रभाव नहीं दे पा रहे हैं लेकिन सूर्य के साथ संयोजन होने के कुछ राशियों की किस्मत चमक सकती है। ये विश्लेषण चंद्र राशि के आधार पर किया जा रहा है।

मेष राशि –इस राशि के अष्टम भाव में सूर्य प्रवेश करेंगे। ऐसे में इस राशि के जातकों के लंबे समय से रुके काम पूरे होने के साथ-साथ धन लाभ के योग बन रहे हैं। संपत्ति या फिर घर खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। त्रिग्रही योग बनने से इस राशि के जातकों को किस्मत का पूरा साथ मिल सकता है। रिसर्च के क्षेत्र में जुड़े जातकों को भी काफी लाभ मिल सकता है। लेकिन स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सजग रहें। अच्छी लाइफस्टाइल के साथ खानपान का पूरा ध्यान रखें।

कर्क राशि – कर्क राशि के जातकों के लिए सूर्य का वृश्चिक राशि में जाना अत्यंत शुभ हो सकता है। इस राशि के जातकों के लंबे समय से रुके काम पूरे हो सकते हैं। इस राशि में सूर्य छठे भाव में प्रवेश करेंगे। इसके साथ ही तुला राशि में विराजमान शुक्र सुख भाव में विराजमान है। ऐसे में घर, वाहन, संपत्ति आदि खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों को सफलता हासिल हो सकती है। इसके साथ ही सरकारी नौकरी करने वावे जातकों को भी कोई बड़ी सफलता हासिल हो सकती है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम कर रहे जातकों को भी काफी लाभ मिल सकता है।

सिंह राशि–सूर्य की नीचता समाप्त होने से इस राशि के जातकों को भी विशेष लाभ मिल सकता है। हालांकि इस राशि में शनि की ढैया चल रही है। लेकिन गुरु के कारण इस राशि के जातकों को काफी लाभ मिल सकता है। इस राशि के जातकों को कई क्षेत्रों में सफलता हासिल हो सकती है। भौतिक सुखों की प्राप्ति हो सकती है। सूर्य की दृष्टि आपके दसवें भाव पर पड़ रही है। ऐसे में व्यापार में भी खूब लाभ मिल सकता है। चौथे भाव के स्वामी सूर्य के होने से इस राशि के जातकों को गृहस्थ जीवन में काफी लाभ मिल सकता है। शांति के साथ हर एक बात सुलक्ष सकती है। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सजग रहें।

गलत दिशा में हनुमान जी की मूर्ति रखने से बिगड़ सकते हैं घर के हालात

जानें क्या कहता है वास्तु शास्त्र

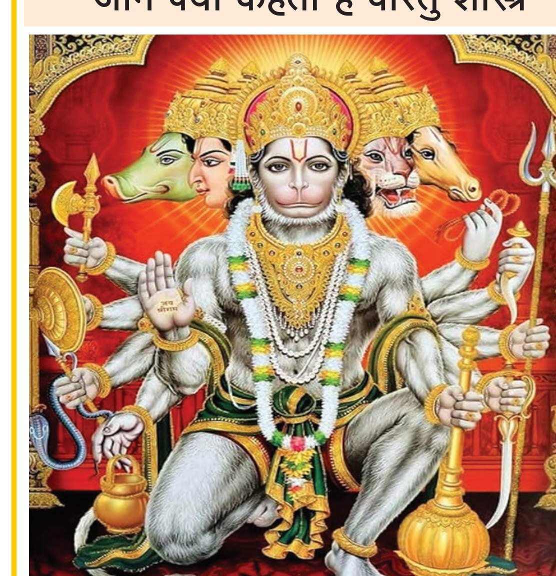

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में देवी-देवताओं की तस्वीरें केवल सजावट का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि ये घर में सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बनती हैं। खासकर भगवान हनुमान जी की तस्वीर घर के लिए एक दिव्य सुरक्षा कवच का काम करती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि इसे सही दिशा और स्थान पर लगाया जाए, तो जीवन के बड़े से बड़े संकट भी दूर हो जाते हैं और घर में शांति बनी रहती है।

किस दिशा में रखें भगवान हनुमान की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार, हनुमान जी की मूर्ति दक्षिण दिशा में रखना सबसे शुभ माना जाता है। अगर मूर्ति का मुख पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर हो, तो यह घर में सकारात्मक ऊर्जा और सुख-शांति का संचार करती है। इस दिशा में स्थापित हनुमान जी घर के लोगों को हर तरह के भय, नकारात्मकता और बुरे प्रभावों से बचाते हैं। वास्तु कहता है कि पश्चिम या ईशान कोण की ओर हनुमान जी की मूर्ति न रखें, क्योंकि यह दिशा उनके वास्तु स्वरूप के अनुरूप नहीं मानी जाती।

वास्तु शास्त्र के अनुसार पूजा घर में भगवान हनुमान की सिर्फ एक ही मूर्ति या तस्वीर रखनी चाहिए। कई बार लोग अलग-अलग आकार या रूपों में कई मूर्तियां रख देते हैं, जो वास्तु के हिसाब से ठीक नहीं माना जाता है। इस बात का खास ध्यान रखें कि मूर्ति कहीं से टूटी हुई या खंडित नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

हनुमान जी की मूर्ति रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

इस बात का खास ध्यान रखें कि जहां भी हनुमान जी की मूर्ति स्थापित करें, वहां की सफाई रोजाना होनी चाहिए।

मूर्ति स्थापित करने के बाद रोज हनुमान चालीसा का पाठ करें।

मान्यता है कि अगर आप नियमित रूप से 'श्रीराम' नाम का जाप करते हैं, तो इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा और भी बढ़ जाती है।

पूजा के समय सुगंधित धूप, कपूर या दीया जरूर जलाएं। यह न केवल भगवान की कृपा पाने का साधन है, बल्कि घर के वातावरण को भी पवित्र बनाता है।

कई बार लोग घर में सुविधानुसार पूजा घर कहीं भी बना लेते हैं, जो वास्तु दोष का कारण बन सकता है।

वास्तु के अनुसार, पूजा घर को कभी बेडरूम में नहीं बनाना चाहिए।

इसके अलावा वॉशरूम या रसोई के पास भी पूजा घर नहीं होना चाहिए।

घर में तुलसी अपने आप उग जाए तो समझ लीजिए, खुलने वाले हैं किस्मत के दरवाजे, मां लक्ष्मी ने दी है कृपा का संकेत

सनातन धर्म में तुलसी का पौधा अत्यंत शुभ और पूजनीय माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि जिस घर में रोजाना तुलसी की पूजा-अर्चना की जाती है, वहां मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। कहते हैं कि विधि-विधान से तुलसी की पूजा करने पर मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में खुशियों का आगमन होता है। तुलसी न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि वास्तु के अनुसार भी शुभ मानी जाती है। तुलसी का पौधा सिर्फ एक पौधा नहीं, बल्कि शुभ संकेतों का प्रतीक है। कहा जाता है कि जब घर में तुलसी अपने आप उग आती है, तो यह कोई साधारण बात नहीं होती, बल्कि यह मां लक्ष्मी के आगमन का संकेत होता है।

तुलसी उगने के शुभ संकेत

अगर आपके घर में अपने आप तुलसी का पौधा उग आया है, तो इसे बेहद शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी के उगने से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है और जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है। कहा जाता है कि जब तुलसी बिना लगाए अपने आप उगती है, तो यह ईश्वर की ओर से मिला सौभाग्य का संकेत होता है। ऐसे घरों में नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और सकारात्मकता का प्रवाह बढ़ता है। इसके साथ ही, परिवार के सदस्यों के जीवन में खुशहाली और सफलता का आगमन होता है।

तुलसी पर मंजरी का आना

अगर तुलसी के पौधे पर बिना मौसम के मंजरी आने लगे, तो इसे बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, तुलसी पर मंजरी आना धन और समृद्धि बढ़ने का प्रतीक है। ऐसा होने से व्यक्ति के जीवन में आर्थिक उन्नति, नौकरी में तरक्की और व्यवसाय में सफलता के योग बनते हैं। कहा जाता है कि तुलसी का पौधा जितना हरा-भरा होता है, उतनी ही घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। वहीं, अगर तुलसी का पौधा सूखने लगे तो यह अशुभ संकेत माना जाता है, क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है।

तुलसी अपने आप उगने पर क्या करना चाहिए?

जब घर में तुलसी का पौधा अपने आप उग आए, तो उसे संभालकर गमले में लगा देना चाहिए। इसके बाद प्रतिदिन तुलसी के पास देसी घी का दीपक जलाकर श्रद्धा पूर्वक पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि नियमित रूप से तुलसी की पूजा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में अन्न-धन की कभी कमी नहीं होती।

तुलसी अपने आप उगने पर करें ये उपाय

अगर आप लंबे समय से धन की कमी या आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं, तो तुलसी से जुड़ा यह उपाय आपके लिए बहुत लाभदायक हो सकता है। इसके लिए तुलसी की जड़ को गंगाजल से अच्छे से धो लें और उसे पीले कपड़े में बांधकर घर के मुख्य द्वार पर स्थापित करें। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से घर में धन का प्रवाह बढ़ता है और आर्थिक तंगी धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है।

धर्मेंद्र के 6 बच्चे और 13 नाती-पोते, कोई दादा की तरह एक्टर, किसी का नहीं दिखा चेहरा

बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र के फैंस अब राहत की सांस ले रहे हैं, क्योंकि खबर आई है कि वो वेंटिलेटर पर नहीं हैं। उनकी टीम ने बताया कि वो अब ठीक हैं, चिंता की बात नहीं है। मालूम हो कि ये दूसरी बार है, जब तबीयत बिगड़ने पर धर्मेंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया। कथित तौर पर उनकी अमेरिका में रह रहीं बेटियों को भी बुला लिया गया है। इस बीच एक्टर के परिवार को लेकर चर्चा हो रही है। वेटरन एक्टर ने दो शादियां की थीं। एक प्रकाश कौर और दूसरी हेमा मालिनी से। उनके कुल 6 बच्चे हैं और 13 नाती-पोते हैं। आइये आपको सभी से मिलवाते हैं।

धर्मेंद्र जब 19 साल के थे, तब उनकी शादी प्रकाश कौर से हुई थी। उस वक्त वो एक्टर नहीं बने थे और ना ही फिल्म इंडस्ट्री में आए थे। धर्मेंद्र और प्रकाश कौर के चार बच्चे हुए- सनी देओल, बॉबी देओल, विजेता देओल और अजीता देओल।

धर्मेंद्र की दूसरी शादी, हेमा मालिनी के लिए बदला धर्म!

इसके बाद धर्मेंद्र फिल्म इंडस्ट्री में आए तो सेट पर हेमा मालिनी से टकराए। दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। 1970 के दशक में 'शोले' जैसी हिट फिल्मों में काम भी किया। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली। लेकिन उस वक्त काफी बवाल हुआ था, क्योंकि धर्मेंद्र शादीशुदा थे और चार बच्चों के पिता थे। कहा गया कि प्रकाश ने तलाक देने से मना कर दिया था, और धर्मेंद्र हेमा से हर हाल में शादी करना चाहते थे, इसलिए दोनों ने धर्म बदला, अपना नाम बदला और शादी कर ली। पर साल 2004 में धर्मेंद्र ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया था।

बात करें धर्मेंद्र की फैमिली की तो उनकी पहली बीवी अलग घर में रहती हैं और हेमा अलग। जबकि धर्मेंद्र ज्यादातर वक्त अपने लोनावाला वाले फार्महाउस में बिताते थे। धर्मेंद्र और हेमा के दो बच्चे हुए, ईशा और अहाना। दोनों की शादी हुई, उनके भी बच्चे हुए। पर ईशा अपने पति से तलाक ले चुकी हैं।

सनी देओल- दो बेटे

बॉबी देओल- दो बेटे

विजेता देओल- दो बच्चे - एक बेटा और एक बेटी

अजीता देओल- दो बेटियां

ईशा देओल- दो बेटियां

अहाना देओल- तीन बच्चे- एक बेटा और दो जुड़वां बेटियां

सनी देओल की बीवी और बच्चे

धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल की शादी लिंडा देओल उर्फ पूजा देओल से हुई थी। वो एंगलो-इंडियन फैमिली से ताल्लुक रखती हैं। सनी देओल की शादी लिंडा देओल (उर्फ पूजा देओल) से हुई है, जो एक एंग्लो-इंडियन परिवार से हैं। उनके पिता कृष्ण देव महल भारतीय हैं, जबकि उनकी मां जून सारा महल ब्रिटिश हैं। सनी और पूजा के दो बेटे हैं, करण और राजवीर।

करण देओल ने अपनी लॉन्ग-टाइम गर्लफ्रेंड द्रिशा चार्या से 18 जून 2023 को शादी की। अभी इनके घर बच्चे की किलकारी नहीं गूंजी है।

राजवीर भी हैं एक्टर

राजवीर देओल की बात करें तो उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। उन्होंने ऊंचे फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था।

बॉबी देओल की बीवी हैं बिजनेसवुमन

बॉबी देओल ने साल 1996 में तान्या अहूजा देओल से शादी की थी। तान्या बिजनेसवुमन और डिजाइनर हैं। बॉबी और तान्या के भी दो बेटे हैं- आर्यमन और धरम। दोनों अभी फिल्मों से दूर हैं।

धर्मेंद्र की एक बेटी हैं स्कूल में टीचर

अजीता देओल ने अलग राह चुनी। उन्होंने पढ़ाई और चिकित्सा के क्षेत्र में काम किया। फिलहाल वो पति और बच्चों के साथ कैलिफोर्निया, अमेरिका में रहती हैं। वो वहां पर एक स्कूल में टीचर हैं। अजीता के पति का नाम किरण चौधरी बताया जाता है, वो डेंटिस्ट हैं। उनकी दो बेटियां हैं- निकिता और प्रियंका चौधरी।

विजेता देओल के पति और बच्चे

विजेता देओल का निकनेम लिली बताया जाता है। उन्होंने विवेक गिल से शादी की और उनके दो बच्चे हैं। बेटा साहिल और बेटी प्रेरणा। विजेता अपने पति की कंपनी में डायरेक्टर हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि वो दिल्ली में रहती हैं।

ईशा और अहाना के पति और बच्चे

ईशा देओल ने भरत तख्तानी से शादी की थी। इनकी दो बेटियां हैं। पर ईशा और भरत के रिश्ते में खटास आ गई और दोनों ने तलाक ले लिया है। पर वे मिलकर बच्चों की परवरिश करने के लिए तैयार हैं। ईशा ने अभी तक अपनी दोनों बेटियों का चेहरा दुनियावालों को नहीं दिखाया है। अहाना देओल के पति का नाम वैभव वोहरा है। इनके तीन बच्चे हैं, दो जुड़वां बेटियां और एक बेटा। अहाना ने भी फिल्म में काम किया, पर अब वो अपनी फैमिली संग लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं।

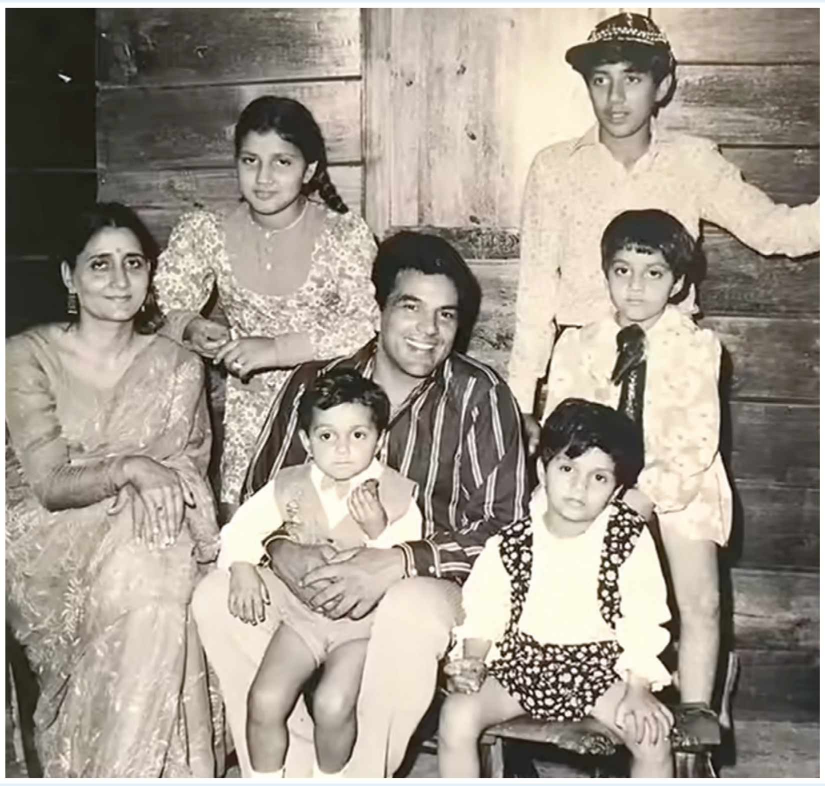

रेखा पर क्यों नहीं दिखता उम्र का असर, अभिनेत्री ने बताया अपनी खूबसूरती का राज

बॉलीवुड अभिनेत्री रेखा हमेशा से अपनी खूबसूरती से फैंस का दिल जीतती आई हैं। चाहे फिल्में हों, पेज थ्री पार्टी हो या फिर कोई इवेंट, रेखा की मौजूदगी हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच ही लेती है। उनकी बढ़ती उम्र उनके चेहरे की चमक को अब भी फीका नहीं कर पाई है। रेखा ने अपनी ख़ूबसूरती का राज कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में खोला। शो के वीडियो में रेखा कहती हुई नजर आ रही हैं, ''मुझे सब चीजों से प्यार है। मुझे अपने काम से प्यार है। मुझे अपने दोस्तों से प्यार है। मुझे दुनिया से प्यार है और मुझे नेचर से प्यार है। मुझे हर एक चीज से प्यार है, लेकिन सबसे जरूरी चीज है अपने आप से प्यार करना। मुझे खुद से प्यार है।'' शो का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है।

इससे पहले एक इंटरव्यू में रेखा ने कहा था कि वह रोज सुबह उठकर वर्कआउट और मेडिटेशन करती है। उन्होंने बताया था कि वह जिम को फिट रहने का जरिया नहीं मानती, क्योंकि फिट रहने के लिए डांस, बागवानी और घरेलू काम जरूरी है, जो एक तरह का व्यायाम है। इसके अलावा उन्होंने नींद पूरी करने पर भी जोर दिया था ताकि चेहरे पर ताजगी और ग्लो बना रहे।

रेखा अपने खाने-पीने का भी विशेष ध्यान रखती है। वह फलों का जूस और नारियल पानी पीती है। उन्होंने इंटरव्यू में बताया था कि वह तकरीबन 12 ग्लास पानी पीती है ताकि बॉडी और स्किन दोनों डिटॉक्स रहें। वह तली-भुनी चीजों और ओवरकुक खाने से दूर रहती हैं। वह रोजाना रात 8 बजे डिनर कर लेती है ताकि बॉडी रिलैक्स रहे।

इसके अलावा, रेखा आयुर्वेद के पुराने तरीकों को आजमाती हैं। वह अरोमा थेरेपी और आयुर्वेदिक स्पा ट्रीटमेंट लेती हैं। बालों के लिए वह नेचुरल फेसपैक पर विश्वास करती हैं, जिसके लिए वह आंवला, शिकाकाई, मेथी और नारियल का तेल लगाती हैं।

सोनम खान ने खुशी का राज किया बेपर्दा, कहा

आजाद रहो और अपने फैसले खुद लो

कई फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी अभिनेत्री सोनम खान ने शनिवार को खुशी के पीछे के रहस्य को उजागर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट तस्वीरों के साथ लिखा, अगर आप सच में खुश रहना चाहते हैं, तो आपको आजाद रहना होगा और अपने फैसले खुद लेने पड़ेंगे। अभिनेत्री की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

सोनम ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया, लेकिन जल्द ही सिनेमा छोड़ भी दिया था। उन्होंने करियर की शुरुआत 1987 में तेलुगु फिल्म से की थी, लेकिन उन्हें पहचान 'तिरछी टोपी' गाने से मिली थी। अभिनेत्री ने साल 1988 में फिल्म 'विजय' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने 'त्रिदेव', 'अजूबा', और 'विश्वात्मा' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, अपने करियर के शिखर पर 1991 में उन्होंने निर्देशक राजीव राय से शादी करने के बाद इंडस्ट्री छोड़ दी थी। सोनम खान ने पहली शादी 18 साल की उम्र में डायरेक्टर राजीव राय से मंदिर में की थी। इसके बाद सोनम ने हिंदू धर्म अपना लिया। राजीव राय ने बतौर डायरेक्टर, स्क्रीनराइटर और फिल्म एडिटर काम किया और युद्ध, मोहरा, त्रिदेव जैसी फिल्में डायरेक्ट कीं, जिनमें से एक में सोनम ने काम किया। राजीव और सोनम का एक बेटा है, जिसका नाम गौरव है। 2016 में राजीव और सोनम अलग हो गए थे। बाद में राजीव ने मुंबई छोड़कर ब्रिटेन जाने का फैसला किया। वहीं, सोनम मुंबई में ही रहने लगीं। राजीव राय मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर गुलशन राय के बेटे हैं। उन्होंने दीवार और मोहरा जैसी फिल्में प्रोड्यूस की हैं। गुलशन राय का जन्म पाकिस्तान में हुआ था और बंटवारे के बाद वे परिवार के साथ भारत आ गए और बतौर फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर काम शुरू किया। उन्होंने 1970 में 'त्रिमूर्ति फिल्म्स' की स्थापना की थी।

जाह्नवी कपूर ने अपनी तेलुगु स्पीच से किया सभी को प्रभावित

हाल ही में हैदराबाद में हुए ए. आर. रहमान के कॉन्सर्ट में अपनी हालिया रिलीज़ फिल्म 'पेड्डी' के प्रमोशन को पहुंची जाह्नवी कपूर ने अपनी तेलुगु भाषा से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस दौरान उनके साथ उनके को-स्टार राम चरण के साथ उनकी फिल्म के निर्देशक बुच्ची बाबू सना भी साथ थें। गौरतलब है कि जहां रहमान के संगीत ने शाम को जादुई बना दिया था, वहीं जाह्नवी ने अपनी तेलुगु स्पीच से उस जगमगाती रात को और रोशन कर दिया। मंच पर अपने दर्शकों के सामने मौजूद जान्हवी कपूर ने जैसे ही तेलुगु में बोलना शुरू किया, वैसे ही सारा माहौल उनके दर्शकों की तालियों से गूँज उठा। जान्हवी कपूर के तेलुगु स्पीच की खासियत उनकी भाषा के साथ, उनका आत्मविश्वास और बेहतरीन प्रयास भी था, जिससे सभी प्रभावित थे। इस मौके पर जाह्नवी ने भावुक होकर तेलुगु में कहा, नेनु ई रोजु ना आइडल्स तो ई स्टेज मीदा उन्नंदुकु नाकु चला आनंदं गा उंदी। ई सिनेमा लो भागमय्ये अवकाशं दोरिकिनंदुकु ना अदृष्टं गा भावना इस्तुन्नानु।

उन्होंने आगे कहा, मीकु बागा नचुतुंदानी अनुकुंतुन्नानु। ई सिनेमा तो मीकु ओका यूनिक, ओका डिफरेंट एक्सपीरियंस इव्वटानिकी चला हार्ड वर्क चेसाम, (आज मैं अपने आइडल्स के साथ इस मंच पर खड़ी हूं, यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि आप सभी को यह फिल्म बहुत पसंद आएगी। इस फिल्म के जरिए आपको एक अनोखा और अलग अनुभव देने के लिए हमने बहुत मेहनत की है।) उनके इस स्पीच पर दर्शकों ने ज़ोरदार तालियां बजाईं।

हालांकि अपनी तेलुगु स्पीच के दौरान उनकी सहज अभिव्यक्ति और दर्शकों से उनके भावनात्मक जुड़ाव ने यह दिखा दिया कि वह नई भाषाएं और संस्कृतियां अपनाने के लिए कितनी समर्पित हैं। फैन्स और नेटिज़न्स ने उनकी इस कोशिश की न सिर्फ जमकर तारीफ की, बल्कि इसे दिल छू लेने वाली और बेहद प्रभावशाली बताया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि क़िस्मत ख़ुद बहुत आलसी होती है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद असहज महसूस करेगा

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। बड़े व्यापारिक लेन-देन करते वक़्त अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखें। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभा-वना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। नाते-रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपना बाय-ोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आज रात को जीवनसा-थी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

तली-भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं- लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। आज के दिन कार्यक्षेत्र में चीज़ें वाक़ई बेहतरी की ओर बढ़ सकेंगी । आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आज के इस ख़बसूरत दिन प्रेम-संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत आराम पाने के लिए अच्छे चिकित्सक की सलाह लेने में कोताही न बरतें। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. घर में साफ़-सफ़ाई की ज़रूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

गर्भवती महिलाओं को चलते-फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। किसी नये काम के आगाज के लिए आपको पहले उसके बारे में अनुभवी लोगों से बात करनी चाहिए। अगर आज आपके पास समय है तो उस क्षेत्र के अनुभवी लोगों से मिल लें जो काम आप शुरु करने वाले हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 नवंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 11:10 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 06:18 तक
योग : शुभ प्रातः 09:44 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:34 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 11:33 तक , गण्डमूल रात्रि 06:18 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अंता विधानसभा उपचुनाव: 268 बूथों पर मतदान आज

बारां, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा क्षेत्र में करीब दो वर्ष के अंतराल के बाद एक बार फिर सशक्त लोकतंत्र के लिए जिम्मेदारी का भार कंधों पर लिए मतदान दल के कार्मिकों ने अंतिम प्रशिक्षण के पश्चात सोमवार को जिला मुख्यालय से गंतव्य मतदान केन्द्रों के लिए कूच किया। अंता में विधानसभा उपचुनाव के लिए स्थापित किए गए 268 मतदान केन्द्रों पर (11 नवंबर) मंगलवार को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान होगा। विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,28,264 मतदाता मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे, जिनमें 1,16,783 पुरुष, 1,11,477 महिलाएं और 4 अन्य मतदाता हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बारां के खेल मैदान में आयोजित अंतिम प्रशिक्षण के बाद मतदान दल रवाना हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि मतदान दल के सभी कार्मिक आत्मविश्वास और कुशलता के साथ कार्य करते हुए स्वतंत्र एव निष्पक्ष मतदान कराने के लिए टीम भावना से निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि मतदान केंद्र पर पहुंचते ही सभी मतदान दल अधिकारी अपनी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कर लें। साथ ही परिधि सीमा का निर्धारण, मॉक पोल, प्रपत्र संधारण करते हुए आपसी समन्वय के साथ चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न करवाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर सम्बंधित सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी को अवगत करवाएं, उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण में सभी मतदान दलों को उनके बैठने के स्थान पर ही मतदान सामग्री के बैग व ईवीएम तथा वीवीपेट उपलब्ध कराई गई। इसके पश्चात सभी मतदान दल वाहन काउंटर से वाहन आवंटित कराते हुए चैक पोस्ट पर एन्ट्री करवा कर उत्साह के साथ अपने निर्धारित मतदान केन्द्र के लिए रवाना हुए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से (11 नवंबर) मंगलवार को होने वाले उपचुनाव में शत-प्रतिशत मतदान की अपील करते हुए कहा कि जागरूक मतदाताओं की वजह से यहां सभी चुनावों में औसत से अधिक मतदान प्रतिशत की परंपरा रही है। इस चुनाव में भी स्वीप कार्यक्रम के माध्यम से आम मतदाताओं तक पहुंच कर उन्हें

मतदान के लिए प्रेरित व आमंत्रित किया गया है। सभी मतदाताओं को लोकतंत्र के हित में बढ़-चढ़ कर मतदान में भाग लेना चाहिए। मतदान एक महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य होने के साथ हमारे लोकतंत्र की मजबूती का आधार भी है।

महाजन ने बताया कि अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 के तहत निर्वाचन विभाग ने स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं।

मतदान दिवस पर शांतिपूर्ण मतदान व सुरक्षा के लिए कड़े प्रबन्ध किए गए हैं। प्रत्येक मतदान दल के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है। संवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) के जवान तैनात रहेंगे। कुल 3077 पुलिस कार्मिकों का जाब्ता चुनाव में तैनात किया गया है। इसके साथ ही क्षेत्र में 12 क्विक रेस्पॉन्स टीम, 43 मोबाइल पार्टियां, 43 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 12 पुलिस सुपरवाइजरी अधिकारी, 12 एरिया मजिस्ट्रेट, 4 वरिष्ठ पुलिस पर्यवेक्षक तथा 4 वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। चुनाव के तहत 13 अन्तर्राज्यीय नाके और 5 अन्तर जिला नाके सक्रिय हैं, जहां सशस्त्र बलों की निगरानी में लगातार चैकिंग की जा रही है। सभी बूथों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। इसके लिए जिला मुख्यालय व रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जिनमें आईटी विभाग, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की टीम 24 घंटे निगरानी रखेगी।

प्रत्येक मतदान केन्द्र पर मोबाइल फोन जमा करने के लिए जूट बैग उपलब्ध कराए गए हैं और प्रत्येक बूथ पर दो वॉलंटियर तैनात किए गए हैं। ईवीएम बैलेट पेपर पर अभ्यर्थियों की रंगीन फोटो अंकित की गई है ताकि मतदाताओं को पहचान में आसानी हो। दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर व सहायक तथा शिशुओं के लिए पालने की व्यवस्था भी की गई है। इस उपचुनाव में 5 ग्रीन मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रातड़िया दांया भाग, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय सोरसन नवीन भवन कमरा नम्बर 2, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय एनटीपीसी रोड, अंता कमरा नम्बर 2, मदरसा अंजुमन इस्लामिया उमावि, मांगरोल कमरा नम्बर 2, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय सीसवाली, कमरा नम्बर 10 इकोफ्रेंडली मतदान केन्द्र रहेंगे। इसके अलावा सभी मतदान केन्द्रों को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त रखा जाएगा। प्रत्येक बूथ पर रैंप, पीने का पानी, छाया की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

नीट में एडमिशन का झांसा देकर 85 लाख की ठगी शातिर साइबर अपराधी वाराणसी से गिरफ्तार

अलवर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अलवर पुलिस ने एक शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिसने नीट परीक्षा में सफलता और जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाने के नाम पर एक परिवादी से ₹85 लाख की धोखाधड़ी की थी। अलवर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि 8 दिसंबर 2021 को थाना शिवाजी पार्क में एक परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी विवेक ने अपना फर्जी नाम विनोद सिंह बताकर उनके पुत्र को नीट परीक्षा में पास करवाने और एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर में एडमिशन दिलाने का वादा किया।

आरोपी ने धोखाधड़ी करते हुए परिवादी से 85 लाख रुपये की ठगी की। इस संबंध में थाना शिवाजी पार्क में मुकदमा दर्ज किया गया था।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ आईपीएस और वृत्ताधिकारी उत्तर शहर अंगद शर्मा के निकटतम सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। थानाधिकारी विनोद सामरिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आसूचना संकलन और तकनीकी सहायता का उपयोग करते हुए शातिर आरोपी को ट्रैक किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विवेक कुमार उर्फ विनित जोशी उर्फ राहुल राज उर्फ राहुल गुप्ता पुत्र विनोद कुमार उर्फ शंकर जोशी उर्फ दिलीप श्रीवास्तव (32) के रूप में हुई है। आरोपी मूलतः सिवान बिहार का निवासी है, लेकिन वर्तमान में वाराणसी, उत्तर प्रदेश के लंका थाना क्षेत्र में किराए पर रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 01 लैपटॉप और 01 फर्जी आधार कार्ड बरामद किया है। इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में थानाधिकारी विनोद सामरिया सहित हेड कांस्टेबल रामनिवास, कांस्टेबल अब्बास खान, रिंकू और साइक्लोन सेल से कांस्टेबल लोकेश कुमार शामिल थे।

डीलरशिप के नाम पर साइबर ठगी का नया जाल

नामी ब्रांड्स की फ्रैंचाइजी दिलाने के बहाने लाखों का चूना लगा रहे अपराधी

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस के महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय की साइबर क्राइम शाखा द्वारा अतिरिक्त महानिदेशक श्री वी.के. सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत आमजन को बड़े और भरोसेमंद व्यापारिक ब्रांड्स की डीलरशिप या फ्रैंचाइज़ी दिलाने के नाम पर हो रही धोखाधड़ी के प्रति सचेत किया है। उपमहानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम श्री विकास शर्मा ने बताया कि साइबर अपराधी आकर्षक ऑफर और स्कीम का लालच देकर, रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्योरिटी डिपॉज़िट और एनओसी शुल्क के नाम पर पैसे ऐंठ रहे हैं। साइबर ठग इस अपराध को अंजाम देने के लिए एक संगठित तरीका अपनाते हैं। ये अपराधी मोबाइल कॉल, ईमेल, या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से लोगों से संपर्क कर खुद को संबंधित कंपनी का उच्च अधिकारी बताते हैं। इसके बाद आकर्षक स्कीम बताकर और डीलरशिप/फ्रैंचाइज़ी की उपलब्धता सीमित होने का हवाला देकर जल्दी निर्णय लेने का दबाव बनाते हैं। रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्योरिटी डिपॉज़िट, या एनओसी शुल्क जैसी विभिन्न शुल्कों की तुरंत मांग करते हैं और उन्हें बताए गए बैंक खाते में जमा करने को कहते हैं। जैसे ही राशि जमा होती है, साइबर ठग अपने फ़ोन नंबर या ईमेल पर जवाब देना बंद कर देते हैं, तब पीड़ितों को ठगी का एहसास होता है।

सरकारी स्कूलों में अब मुफ्त हेयर कटिंग कैंप

बच्चियों के लिए महिला स्टाफ अनिवार्य

कोटा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा शिक्षा विभाग से एक ऐसा आदेश निकला है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय माध्यमिक), कोटा ने एक आदेश जारी कर सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों, यूसीईईओ, पीईईओ और संस्था प्रधानों को निर्देशित किया है कि सरकारी स्कूलों में गरीब विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क हेयर कटिंग और नाखून कटिंग कैंप लगाए जाएं। श्री कृष्णा सेलून करेगा आयोजन : दरअसल, यह आदेश बृजेश कुमार सेन द्वारा संचालित श्री कृष्णा सेलून (एसकेएस), बैक कॉलोनी बालीता रोड, कुन्हाड़ी, कोटा की ओर से भेजे गए प्रस्ताव के बाद जारी किया गया है। संस्था ने गरीब बच्चों की स्वच्छता के उद्देश्य से स्कूलों में मुफ्त बाल कटवाने और नाखून काटने का ऑफर दिया था। इस पर विभाग ने तुरंत अनुमति जारी कर दी। टीचर की निगरानी में कटेंगे बाल और नाखून : आदेश में खास बात यह है कि कैंप के दौरान बच्चों के साथ एक शिक्षक की मौजूदगी अनिवार्य की गई है।बालिकाओं के मामले में विशेष सावधानी बरतते हुए निर्देश दिए गए हैं कि उनकी हेयर कटिंग या नाखून कटिंग के समय एक महिला कार्मिक और एक शिक्षक की उपस्थिति ज़रूरी होगी।

अवैध निर्माण ध्वस्त करके आवासन मंडल और जेडीए चार सप्ताह में पालना रिपोर्ट पेश करें: हाईकोर्ट

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सांगानेर की 87 अवैध कॉलोनियों को हटाने के मामले में हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था द्वारा दायर याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता पूनमचंद भंडारी एवं डॉक्टर टी. एन. शर्मा ने न्यायालय को बताया कि आवासन मंडल व जेडीए ने न्यायालय के आदेश की पालना नहीं की और अभी तक वहां बड़े-बड़े लोगों के खाली प्लाटों पर भी कब्जा नहीं लिया गया है। हाउसिंग बोर्ड व जेडीए को निर्देश दिया जावे कि वे तुरंत प्रभाव से खाली पड़े प्लाटों पर कब्जा करें। इस पर हाईकोर्ट ने जेडीए व हाउसिंग बोर्ड को आदेश दिया कि वह 20 अगस्त 2025 के अतिक्रमण हटाने के आदेश की पालना करें और साथ यह भी कहा कि जिम्मेदार अधिकारी जो वर्तमान पदों पर हैं तथा सेवानिवृत हो गए हैं उन सबके नाम न्यायालय को बताएं उनके खिलाफ फौजदारी करवाई करने के लिए राज्यपाल को भी निवेदन किया जाएगा। हाईकोर्ट में सांगानेर में बसी अवैध कॉलोनियों की तरफ से कई समितियों ने पक्षकार बनने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए थे, उन प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई हुई। सन्नी नगर के प्रार्थना पत्र में न्यायालय ने कई अनियमितताए पाई और कड़ी टिप्पणी करते हुई उसकी हाउसिंग सोसाइटी के पदाधिकारियों के नाम पूछे जिस पर सन्नी नगर की तरफ़ से पैरवी कर रहे अधिवक्ता सोसाइटी के पदाधिकारियों के नाम नहीं बता पाए। न्यायालय ने कहाकि आपकी समिति 5 साल पहले बनी है और प्रार्थना पत्र को निरस्त कर दिया उसके अलावा भी कई समितियां के प्रार्थना पत्र न्यायालय के रिकॉर्ड पर नहीं आए थे। वरिष्ठ अधिवक्ता अजित शर्मा एडवोकेट ने न्यायालय को बताया कि उनका प्रार्थना पत्र भी पत्रावली में प्रस्तुत नहीं हुआ है न्यायालय ने कहा कि पक्षकार नहीं बनाया जाएगा लेकिन इंटरविनर के रूप में न्यायालय समुचित रूप से सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी, डॉ टी एन शर्मा, दिनेश पारीक और प्रतिभा ने बताया कि 20.08.25 के स्पष्ट आदेश के बावजूद भी खाली पड़ी जमीनों पर भी क़ब्ज़ा नहीं लिया जा रहा है और अभी भी कई जगह पर निर्माण कार्य चल रहे है, जिम्मेदार अधिकारियों के ख़िलाफ़ अवमानना की कार्यवाही की जानी चाहिए।

हाईकोर्ट के 20.08.2025 के आदेश के बावजूद हाउसिंग बोर्ड के द्वारा कार्यवाही नहीं करने, खाली पड़ी जमीनों को कब्जे में नहीं लिए जाने, और अवैध निर्माण को ध्वस्त नहीं करने के मामले में आज राजस्थान उच्च न्यायालय ने नाराज़गी व्यक्त करते हुए राज्य सरकार और आवासन मंडल की कार्यवाही पर कड़ी टिप्पणी की।

वोट चोरी के खुलासे से डरी भाजपा ने संसद सत्र छोटा किया: दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में सबूतों के साथ वोट चोरी के खुलासे से डरी बीजेपी ने संसद का सत्र छोटा कर दिया है। 1 दिसंबर से घोषित शीतकालीन सत्र में सिर्फ 15 कार्यदिवस होंगे जो आजादी के बाद आजतक के सबसे छोटे सत्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि आज़ादी के शुरुआती दशकों की तुलना में संसद की बैठकें साल दर साल कम होती जा रही हैं, जबकी जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के साथ राष्ट्रीय मुद्दे बढ़ रहे हैं। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, इसलिए उसकी कार्य दक्षता और जवाबदेही बढ़ाना आवश्यक है। इसलिए वे इसी सत्र में मैं न्यूनतम सत्र-दिवस अनिवार्य करने और संसदीय कार्यक्षमता सुधारने हेतु एक Private Member's Bill पेश करेंगे। इस बिल का उद्देश्य है कि संसद की बैठकें नियमित और सार्थक हों, ताकि जनता से जुड़े मुद्दों पर पर्याप्त चर्चा सुनिश्चित की जा सके। सत्र की अवधि घटाकर संसद को दरकिनार करने की कोशिश प्रजातंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। सांसद ने कहा कि संसद जनता की आवाज़ है। यदि संसद ही कम बैठेगी, तो जनता की आवाज़ कौन उठाएगा? इतने कम सत्र-दिवसों में न तो जनहित के विषयों पर पर्याप्त चर्चा हो पाती है और न ही कानूनों पर गंभीर विचार-विमर्श। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके प्राइवेट मेम्बर बिल के प्रस्ताव पर दलीय निष्ठा से ऊपर उठकर सभी दलों के सांसद गंभीरता से विचार करेंगे ताकि संसद की गरिमा और कार्यक्षमता दोनों को मज़बूती मिले।दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सारे प्रमाणों के साथ देश के सामने स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी कर भाजपा ने चुनाव आयोग की मिलीभगत से मतदाता सूची में धांधलेबाजी की गयी।

विधानसभा में नियमित प्रक्रिया रहेगी प्रशिक्षण हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान नोडल एजेंसी

चंडीगढ़, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा परिसर में सोमवार को अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण योजना का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण और हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) के महानिदेशक मनोज यादव ने प्रशिक्षण योजना का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। इस योजना को सिरे चढ़ाने के लिए हिपा नोडल एजेंसी रहेगी, जो कि विधायी प्रशिक्षण के लिए विशेष विंग स्थापित करेगा। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि वे अतीत में शुरू किए गए कार्यों को लोक सभा के सहयोग से आगे बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कुछ नए इनिशिएटिव लिए जा रहे हैं। उन्होंने एक बस संचालन का उदाहरण देते हुए स्पष्ट किया कि महान संस्था के घटक होने के नाते हम सबकी अपनी-अपनी विशिष्ट जिम्मेदारियां हैं। सभी की भूमिका से ही विधान सभा अपने निहित उद्देश्यों पर खरा उतर पायेगी। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्य, ईश्वरीय कार्य है। इसलिए हमें पूर्ण समर्पण भाव से इसे करना चाहिए। कल्याण ने कहा कि परिवार का मुखिया सभी सदस्यों के हित के लिए प्रतिबद्ध रहता है। किसी भी परिवार का विकास उसके सदस्यों की सामूहिक मेहनत, अनुशासन और

जिम्मेदारी की भावना पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण की यह पहल प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विजन से जुड़ी एक ठोस योजना है, जिससे संस्थागत कार्य संस्कृति में दक्षता और गतिशीलता बढ़ेगी। आने वाले समय में विधान सभा की अनुसंधान विंग को और मजबूत करेंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक राष्ट्र-एक विधान' के सपने को पूरा करने के लिए हर कारगर प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के मार्गदर्शन में यह कार्य समुचित ढंग से हो रहा है। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से विधान सभा सचिवालय के अधिकारी न केवल विधायी प्रक्रिया की गहराई समझेंगे, बल्कि पारदर्शी और तकनीक-आधारित कार्यप्रणाली के प्रति अधिक सक्षम बनेंगे। इस प्रशिक्षण योजना का उद्देश्य विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों में प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता और तकनीकी समझ को और सशक्त बनाना है।

आधुनिक समय में प्रशासनिक व्यवस्था तभी प्रभावी बन सकती है जब उसमें निरंतर प्रशिक्षण, नवाचार और जिम्मेदारी का भाव जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि विधान सभा केवल विधायी कार्यों का केंद्र नहीं है, बल्कि यह सुशासन, जवाबदेही और लोकहित के सर्वोत्तम मानकों की प्रयोगशाला भी है। हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) के महानिदेशक मनोज यादव ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विधान सभा सचिवालय की कार्य प्रणाली को अधिक व्यवस्थित और परिणाममुखी बनाएगा।उन्होंने बताया कि हिपा इस प्रशिक्षण के तहत प्रशासनिक नेतृत्व, संचार कौशल, निर्णय-निर्माण और डिजिटल प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से पूर्व लिए जा रही परीक्षा को इम्तिहान न समझें, यह सिर्फ मूल्यांकन की प्रक्रिया है।

दक्षिण कन्नड़ में जर्जर पुलों का पुनर्वास शुरू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में कई पुराने और कमजोर पुलों का लंबे समय से प्रतीक्षित पुनर्वास कार्य शुरू हो गया है। बहाली के लिए कुल 25 पुलों की पहचान की गई है, जिनमें 8 राज्य राजमार्गों पर और 17 प्रमुख जिला सड़कों पर हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इन कार्यों के लिए 11.65 करोड़ रुपये का अनुमानित बजट प्रस्तावित किया है और राज्य सरकार से सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त कर ली है। हाल के वर्षों में, पोलाली, पालिमारू और मालवूर जैसे कई प्रमुख पुल संरचनात्मक रूप से कमजोर हो गए थे, जिससे संभावित सुरक्षा जोखिम पैदा हो गए थे। स्थिति का आकलन करने के लिए एक तकनीकी समिति का गठन किया गया, जिसने निरीक्षण किया और

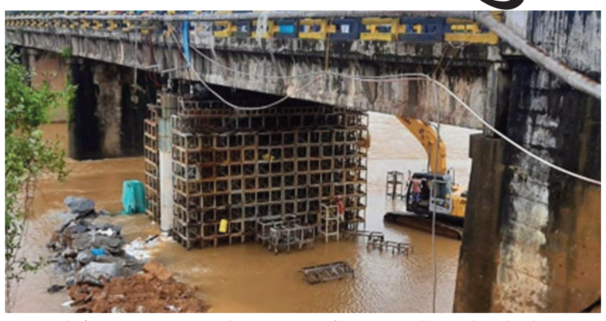

एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें कहा गया कि जिले भर में 27 पुल खराब स्थिति में थे और उन्हें तत्काल पुनर्वास की आवश्यकता थी। चूंकि इनमें से कुछ पुल उन सड़कों पर स्थित हैं जिन्हें अब राष्ट्रीय राजमार्गों में अपग्रेड कर दिया गया है, इसलिए उनका रखरखाव राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सौंप दिया गया है। शेष पुलों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जायेगा। पोलाली पुल, जो मेंगलूरु और बीसी रोड को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण लिंक है, को भी मरम्मत के लिए लिया गया है। इसकी कमजोर स्थिति के कारण, पिछले साल पुल पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई थी, जिससे मेंगलूरु आने-जाने वाले निवासियों और छात्रों को असुविधा हुई, जिसके कारण सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन भी हुआ। अब 6.10 करोड़ रुपये की लागत से पुल की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। हालांकि बारिश के कारण प्रगति में थोड़ी देरी हुई है, लेकिन अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि काम जल्द ही गति पकड़ लेगा। कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मेंगलूरु और बाजपे के बीच एक नया पुल पहले ही बनाया जा चुका है, जबकि पुराने मारवूर पुल को बरकरार रखा गया है। हालांकि, इसका एक स्तंभ खराब हो गया है और अब इसका पुनर्निर्माण किया जा रहा है। एक अन्य क्षतिग्रस्त स्तंभ की पिछली मरम्मत के बाद, 8वें स्तंभ का पुनर्वास कार्य चल रहा है। नीचे नदी तल में रेत खनन के कारण संरचना को नुकसान हुआ था। इस उद्देश्य के लिए 8 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों के बीच प्रमुख संपर्क मार्गों में से एक, पालीमारू पुल को इसकी खराब स्थिति के कारण वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया था। हालांकि इसकी मरम्मत के लिए पहले 5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे, लेकिन एक तकनीकी रिपोर्ट में मरम्मत को असंभव माना गया। नतीजतन, विभाग ने 16 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक नया पुल बनाने का निर्णय लिया है। अनधिकृत गतिविधि की रिपोर्ट के बाद पीडब्ल्यूडी ने पुल संरचनाओं के नीचे रेत खनन पर सख्ती से रोक लगा दी है। अधिकारियों ने बताया कि जहां पानी के प्रवाह को बनाए रखने के लिए ऊपर की ओर से नियंत्रित रेत हटाना स्वीकार्य है, वहीं पुलों के नीचे सीधे खनन करने से उनके खंभे कमजोर हो जाते हैं। इसलिए, पुलों के 250 मीटर अपस्ट्रीम और 200 मीटर डाउनस्ट्रीम के भीतर रेत उत्खनन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

'वोट चोरी' के खिलाफ लड़ाई में कर्नाटक देश में पहले स्थान पर: सुरजेवाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में, कर्नाटक ने देशव्यापी ''मतदाता धोखाधड़ी के खिलाफ अभियान'' में सबसे अधिक हस्ताक्षर एकत्र करके पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है। इस ऐतिहासिक सफलता के लिए, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और कर्नाटक कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और केपीसीसी अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को बधाई दी। अकेले महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट दर्ज किए गए। हरियाणा में लगभग 25 लाख फर्जी वोट पाए गए। ऐसी घटनाओं के मद्देनजर, राहुल गांधी ने देश भर की सभी प्रदेश कांग्रेस समितियों से

हस्ताक्षर अभियान चलाने का आह्वान किया था। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों ने इस मुद्दे को उजागर करने के लिए बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में एक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। उनके आह्वान पर अमल करते हुए, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी की विभिन्न शाखाओं ने सबसे ज्यादा हस्ताक्षर एकत्र किए, जिससे यह अभियान बेहद सफल रहा। यह एक बार फिर साबित करता है कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने में कर्नाटक हमेशा सबसे आगे रहा है।

कर्नाटक से कुल 1,12,40,000 हस्ताक्षर एकत्र किए गए हैं। सुरजेवाला ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सभी संबंधित लोगों को बधाई दी। एकत्रित हस्ताक्षर याचिकाएं सोमवार को दिल्ली भेजी गई और 25 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी।

कर्नाटक सरकार ने 2 साल में नागरिकों की जेब में 1 लाख करोड़ रुपये डाले: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को जोर देकर कहा कि राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों में लोगों की जेब में सीधे 1 लाख करोड़ रुपये डाले हैं, और मतदाताओं को झूठ फैलाने के लिए भाजपा को 'झूठ का स्वामी' कहा। कुडलिगी विधानसभा क्षेत्र में 74 झीलों के लिए जल-भरण परियोजना का उद्घाटन करने और कई विकास कार्यों की नींव रखने के बाद बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा जब हम बोलते हैं तो कार्य करते हैं और सीधे लोगों तक धन पहुंचाते हैं, भाजपा, जिन्होंने झूठ को अपना घरेलू देवता बना लिया है, बेशर्मी से राज्य के नागरिकों को झूठ बांटती है। झूठ बोलने में माहिर भाजपा अब सार्वजनिक रूप से बेनकाब हो गई है। वे वोट-प्रेरित धोखे की गहराई तक डूब गए हैं। एफआरपी (उचित और लाभकारी मूल्य) और एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) के विवादास्पद मुद्दे पर, उन्होंने केंद्र भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि गन्ना किसानों के साथ विश्वासघात प्रहलाद जोशी द्वारा किया गया था। फिर भी, विजयेंद्र विरोध प्रदर्शन करने के लिए बेलगावी की यात्रा करते हैं, इस तथ्य को नजरअंदाज करते हुए कि केंद्र सरकार ने हमारे

किसानों को धोखा दिया है। इसके बावजूद, राज्य सरकार ने हमारे गन्ना उत्पादकों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त धन के साथ कदम उठाया। उन्होंने स्थानीय प्रतिनिधियों की भी सराहना करते हुए कहा विधायक श्रीनिवास और सांसद तुकाराम पूरी तरह से जन कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं उन्हें चुनने के लिए लोगों को धन्यवाद देता हूं। ये नेता आपके हैं।

इन्हें अपनी संपत्ति की तरह सुरक्षित रखें। कुडलिगी में उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कुडलिगी के लोग विधायक श्रीनिवास के लिए भाग्यशाली हैं, जिन्होंने निवासियों को सफलतापूर्वक पीने का पानी उपलब्ध कराया है और भूजल स्तर को बढ़ाया है। उन्होंने बंजर भूमि को उपजाऊ हरे खेतों में बदल दिया है, जिससे पूरे निर्वाचन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा मिला है। उन्होंने सरकार के विकास-समर्थक दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए कहा पिछले दो वर्षों में, कुडलिगी में विभिन्न विकास परियोजनाओं में 1,750 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। जैसा कि चुनावों के दौरान वादा किया गया था, सभी पांच गारंटीकृत योजनाएं लागू की गई हैं।

हर महीने, सरकार की गारंटी नागरिकों के दरवाजे तक पहुंचती है। गृह लक्ष्मी और गृह ज्योति योजनाओं का लाभ अब पूरे कर्नाटक में 1.2 करोड़ घरों तक पहुंच रहा है।

पशुपालन और दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए क्षीरा पायलट योजना शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक्सेल इंडिया के संस्थापक भागीदार और उद्यम पूंजीपति प्रशांत प्रकाश ने कर्नाटक के विजयपुरा जिले में पशुपालन को बढ़ावा देने और दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए क्षीरा पायलट योजना का उद्घाटन किया। पद्म श्री पुरस्कार विजेता ने कहा एक बार परियोजना सफलतापूर्वक लागू हो जाने पर, हमें विश्वास है कि अगले पांच वर्षों में विजयपुरा जिला भारत के शीर्ष तीन दूध उत्पादक जिलों में शामिल हो जाएगा। उन्होंने सरकारी स्कूल के बच्चों को दूध वितरित करके परियोजना का शुभारंभ किया। जिले में स्थायी डेयरी फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए यह परियोजना बीएलडीई सोसायटी, कृषिकल्प फाउंडेशन और अक्षयकल्प फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा पिछले 15 वर्षों से, मैंने नवाचार और शहरी विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है। हालांकि, अब मैं 'बियॉन्ड बेंगलूरु' पहल के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। यह कार्य मंत्री एम. बी. पाटिल

के सहयोग से किया जा रहा है। डीई डीम्ड विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बसनगौड़ा पाटिल ने क्षीरा परियोजना के संबंध में मेरे साथ लगभग 15 बैठकें की हैं। उन्नत तकनीक का उपयोग करके दूध उत्पादन बढ़ाने की योजना तैयार की गई है। विजयपुरा जिले के लोग अपनी मेहनत के लिए जाने जाते हैं। वे आने वाले दिनों में 'श्वेत क्रांति' में योगदान देंगे। मुझे विश्वास है कि अगले पांच वर्षों में यह सफल होगी, क्योंकि मंत्री इस परियोजना की रीढ़ हैं। मंत्री एम. बी. पाटिल ने कहा कि यह एक किसान-समर्थक, महिला-समर्थक, युवा-समर्थक और निष्पक्ष परियोजना है। उन्होंने विजयपुरा में चलाए गए एक करोड़ वृक्ष अभियान की तरह ही सभी की भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि उनकी योजना छोटे स्तर पर डेयरी फार्मिंग को बढ़ावा देने और सुधार के बाद इसका विस्तार करने की है। उन्होंने कहा इससे युवाओं को अपने पेशेवर कौशल को बढ़ाने और उद्योग से जुड़ने में मदद मिलेगी, और इसके माध्यम से बागवानी और डेयरी फार्मिंग को वैज्ञानिक रूप से अपनाकर उत्पादन में वृद्धि होगी। पायलट परियोजना के लिए चुने गए किसानों को इसका सदुपयोग करना चाहिए। कृषिकल्प फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी. एम. पाटिल ने कहा पायलट परियोजना शुरू करने से पहले विजयपुरा जिले के 16 गांवों का दौरा करके एक विस्तृत अध्ययन किया गया था। योजना बनाने से पहले काफी विचार-विमर्श किया गया। हमने परियोजना के क्रियान्वयन के लिए उपयुक्त पांच गांवों का चयन किया है और टिपटूर मॉडल पर किसानों की आय बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। इस संबंध में, जिले के युवा किसानों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। संस्था के इनक्यूबेशन सेंटर के सहयोग से स्टार्टअप्स को भी अवसर प्रदान किए जाएंगे। किसान उत्पादक संगठनों की आय बढ़ाने, बाजार बनाने और डेयरी व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जाएंगे। अक्षयकल्प फाउंडेशन के संस्थापक शशि कुमार ने कहा पिछले 40 वर्षों में दुनिया की दो-तिहाई से ज्यादा कृषि योग्य भूमि नष्ट हो चुकी है। अगर यही स्थिति रही, तो अगले 60 वर्षों में कृषि योग्य भूमि पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। हमें अभी से जागने की जरूरत है। हमारा संगठन इस परियोजना के तहत मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए काम करेगा। स्थानीय स्तर पर उर्वरक और डेयरी उप-उत्पादों के उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे पशु स्वास्थ्य संरक्षण, वैज्ञानिक चारा उत्पादन और दुग्ध प्रसंस्करण में उचित प्रशिक्षण देकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि संभव हो सकेगी। उत्पादन के अनुसार उपभोक्ता बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उपायुक्त आनंद के. ने कहा कि इस कृषि-उन्मुख परियोजना से समग्र ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि कृषि, वानिकी, पशुपालन और केएमएफ सहित सभी विभागों को इस परियोजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

कर्नाटक में अपराधियों और आतंकवादियों को पनाह मिल रही: सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक में अपराधियों और आतंकवादियों को पनाह मिल रही है। मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा किसी रिसॉर्ट में जाने की जरूरत नहीं है, जेल जाना ही काफी है। आपको गांजा, शराब मिलती है। अगर आप ब्लू फिल्म देखना चाहते हैं, तो वो भी मिल जाती है।

मोबाइल फोन पर बात करने की भी व्यवस्था है। क्या उन्हें शर्म नहीं आनी चाहिए? अगर किसी आतंकवादी को मोबाइल फोन मिलता है, तो क्या यह देशद्रोहियों को पनाह देने जैसा नहीं है? अगर उमेश रेड्डी नाम का एक बलात्कारी जेल में मौज-मस्ती कर सकता है, तो यह साबित करने के लिए और क्या उदाहरण चाहिए कि अपराधियों को जेल में शाही संरक्षण प्राप्त है? मुख्यमंत्री के गृह जिले मैसूरु में एक ड्रग बनाने की फैक्ट्री लगाई जा रही है। कर्नाटक को इसकी कोई जानकारी नहीं है। महाराष्ट्र पुलिस आकर उन्हें पकड़ लेती है। उन्होंने आरोप लगाया कि शाही संरक्षण ही इसका कारण है। एनआईए ने चार महीने पहले ही राज्य की जेलों में ऐसी गतिविधियों के बारे में इंटेलिजेंस ब्यूरो को आगाह किया था। हालांकि, उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उनकी लापरवाही लापरवाही नहीं, बल्कि कृपा है। इस कृपा के लिए मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इसलिए, मुख्यमंत्री और गृह मंत्री में सत्ता में रहने की नैतिकता नहीं है। उन्होंने उनसे इस्तीफा देने की मांग की।

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा का दिवाली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा बेंगलूरु के कार्यकारिणी सदस्यों का दीपावली मिलन आयोजित किया गया। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और एक दूसरे को नव वीर संवत की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाइयां देते हुए युवा शाखा के ऑफिस खरीदने की जानकारी दी और नए प्रकल्प ज्ञान वाटिका के बारे में बताया। साथ ही युवा शाखा की क्रिकेट टीम के बारे में भी जानकारी प्रदान की। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने शुभकामनाएं प्रदान करते हुए युवा शाखा द्वारा आयोजित आगामी संक्रांति महोत्सव और श्री ब्यावर संघ के आगामी स्नेह मिलन के बारे में सूचना दी। कार्यक्रम में युवा महिला विंग की सदस्यों के साथ ज्ञान वाटिका के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सुशील बाफना और सीमा बाफना द्वारा नवकार महामंत्र से किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आशीष और प्रीति भन्साली द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएं रहीं जिसमें सभी सदस्यों ने हंसते खिलखिलाते हुए खेला और सदस्यों ने बहुत रुचि दिखाई और मंत्रमुग्ध होकर सुना। साथ ही सदस्यों ने बीच बीच में कुछ ना कुछ जोक्स की प्रस्तुति देकर माहौल को गर्मजोशी भरा बनाया। सभी सदस्यों ने सपत्नीक आकर दीपावली मिलन और विशेष कार्यक्रम का आनन्द उठाया। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों को कार्यकारिणी की ओर से गिफ्ट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में ललित डाकलिया, विकास खटोड़, कुलदीप छाजेड़, नमित कोठारी, नरेश बोहरा, भरत कोठारी, अल्केश हिंगड़, मनीष बाफना, प्रतीक गादिया, प्रवीन कक्कड़, कुनाल मरलेचा, अरिहन्त छाजेड़, चेतन रेदासनी, महावीर गुगलिया, अंजन मेहता, लकी बोहरा, यशवन्त रांका, रोशन लोढ़ा, विकास पारख, हेमन्त गुलेच्छा, वर्धमान श्रीश्रीमाल, दिलीप हिंगड़, जितेन्द्र खींवेसरा, मनीष मेडतवाल, सुनील भण्डारी, विनोद बाफना, सुशील बाफना, आशीष भन्साली, अमित डांगी, अमित कोठारी आदि सदस्य उपस्थित थे। युवा शाखा के आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। कार्यक्रम के अन्त में सहमंत्री नरेश बोहरा ने सभी पधारे हुए सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीएम ने लोगों को सरकारी दफ्तरों में जाने के लिए मजबूर करने वाले अधिकारियों पर निशाना साधा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं सरकारी काम के लिए लोगों को बेवजह दफ्तरों में दौड़ाए जाने को बर्दाश्त नहीं करूंगा। इस तरह का रवैया अक्षम्य है। मैसूरु में जिला केडीपी की बैठक में बोलते हुए उन्होंने पूछा कि अधिकारी जिला मुख्यालय में क्यों नहीं रह रहे हैं? उन्होंने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे उन अधिकारियों की रिपोर्ट दें जो तालुका मुख्यालयों में रह रहे हैं और लोगों की समस्याएं नहीं सुन रहे हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों ने जनता की सेवा करने की शपथ ली है और पद स्वीकार किया है। उन्हें उसी के अनुसार कार्य करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को लोगों को बेवजह दौड़ाने से मना किया। उन्होंने उन्हें यह सोचे बिना काम करने की सलाह दी कि जनप्रतिनिधि पांच साल के लिए होते हैं और अधिकारी स्थायी होते हैं। शिक्षा सूचकांक में मैसूरु जिले के सातवें से चौदहवें स्थान पर गिरने पर असंतोष व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में जिले में शैक्षिक वातावरण में सुधार किया जाना चाहिए और इसे पहले स्थान पर लाया जाना चाहिए। नवनियुक्त डीडीपीआई को अच्छा काम करना चाहिए और जिले के परिणामों में सुधार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे शैक्षिक प्रगति पर नजर रख रहे हैं और सुझाव दिया कि एसएसएलसी और पीयूसी में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए कदम उठाए जाने वाले कदमों पर एक नीला नक्शा तैयार करके प्रस्तुत किया जाए। मैसूरु ने हमेशा शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया है। शिक्षा सूचकांक में सातवें से चौदहवें स्थान पर आना ठीक नहीं है। उन्होंने निर्देश दिया कि स्थिति में जल्द सुधार होना चाहिए। अधिकारी और कर्मचारी करीबी कार्यकर्ताओं को तबादले के लिए ला रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यह गलत व्यवहार है और वे इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com